मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.8	21.9
जमशेदपुर	32.1	23.0
डालटनगंज	32.0	17.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● शुक्रवार, 27 अक्टूबर 2023 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 190 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

AHF ASIA HOCKEY

HOCKEY INDIA

JHARKHAND WOMEN'S ASIAN CHAMPIONS TROPHY RANCHI 2023

प्रवेश नि:शुल्क

झारखण्ड
महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023
आज से शुभारंभ

आज के मैच

27 अक्टूबर 2023 | सायं 4:00 बजे से

स्टेडियम में **प्रवेश** (दर्शकों के लिए) अपराह्न 2:00 बजे से

समय: सायं 4:00 बजे से
जापान VS मलेशिया

समय: सायं 6:15 बजे से
चीन VS कोरिया

समय: सायं 8:30 बजे से
भारत VS थाईलैंड

स्थान : मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा
एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, रांची

WATCH LIVE ON

SONY SPORTS NETWORK | SONY liv

Title Sponsor | Host Partner | AHF Partners: Hero, polytan WE MAKE SPORT., OUKEN, 表示灯, STAUFF | Official Partner: ODISHA INDIA'S BEST KEPT SECRET. | Official Suppliers: SHALBY DIVINE, Sportz

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी कॉलेज के टीआर शीट में 40 छात्र फेल, कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ की नारेबाजी

तोपचांची के फार्मेसी कॉलेज में विद्यार्थियों ने किया हंगामा

संवाददाता। तोपचांची

गुरुवार को तोपचांची प्रखंड के सतकीरा स्थित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में फार्मासिस्ट के सत्र 2020-22 के दर्जनों छात्रों ने जमकर बवाल और हंगामा किया. इस दौरान कालेज के छात्रों ने मैनेजमेंट के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि 8 छात्रों को पास कर दिया गया है, जबकि 40 छात्रों को टीआर शीट में फेल कर दिया है. यह हमलोगों के साथ धोखा है.

छात्रों ने कहा कि या तो हम सभी को पास करें या हमारा पैसा वापस करें. उन्होंने फार्मासिस्ट कॉलेज पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां सिर्फ कॉलेज का बोर्ड लगाकर छात्रों को बरगलाया जा रहा है. एग्जाम के एडमिट कार्ड पर रोल नंबर और नाम गलत करके भेज दिया जाता है एग्जामिनेशन सेंटर में जाकर पता चलता है कि वह रोल नंबर और एडमिट कार्ड पर दूसरे का नाम है. छात्रों ने कॉलेज पर एडमिशन के दौरान मोटी रकम देने की बात कही है. दूसरी तरफ, काफी हंगामा के बाद छात्रों के रिजल्ट में सुधार करने की आश्वासन दिया गया है.

एक ही बिल्डिंग में कौशल विकास और कृष्णा फार्मासिस्ट कॉलेज

फार्मासिस्ट के छात्रों ने बताया कि एक ही बिल्डिंग में कृष्ण इंस्टीट्यूट आफ फार्मासिस्ट कॉलेज और कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत प्रशिक्षण केंद्र चलाए जा रहा है, जो नियम विरोध है. साथी छात्रों ने बताया कि दाखिला के दौरान एडमिशन के लिए जितनी रकम की मांग की गई थी, बाद में रकम बढ़ाकर कॉलेज द्वारा मांग की जा रही है.

बवाल काटा

- छात्रों ने सभी को बरगलाने का भी लगाया आरोप
- हंगामे के बाद प्रबंधन की ओर से मिला आश्वासन

क्या कहते हैं प्रिंसिपल

वहीं, इस संबंध में फार्मासिस्ट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर दीपक कुमार का कहना है कि टीआर में जो मार्क भेजा गया, यह मुझे मालूम नहीं है, मिस्टेक कैसे हुआ है पता नहीं है. उन्होंने छात्रों से कोर्ट जाने की बात कह दी है.

आपकी बात

सीखने की कोई उम्र नहीं होती है. अपनी ओर से समाज, राज्य और राष्ट्र के लिए समर्पण की भावना रखने की जरूरत है.

नाम : डॉ. सुकल्याण मोइत्रा
पद : प्राध्यापक, विभावि
जन्मस्थल : हजारीबाग
कार्य क्षेत्र : हजारीबाग

हजारीबाग हुरहुरू रोड निवासी डॉ. सुकल्याण मोइत्रा वर्तमान में विनोबा भावे विश्वविद्यालय में पीजी राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष हैं. उनके पिता डॉ. सुभाष मोइत्रा भी इसी विषय के प्रोफेसर थे. वह नेताजी जयंती समारोह के बड़े सूत्रधार थे. नेताजी की 100वीं जयंती से हजारीबाग में बृहद् पैमाने पर समारोह आयोजित कर विभिन्न स्कूलों और संगठनों की बड़ी भागीदारी में डॉ. सुभाष मोइत्रा का बड़ा योगदान रहा है. अब इस कड़ी को उनके सुपुत्र डॉ. सुकल्याण मोइत्रा निभा रहे हैं. वह विभावि में दूसरी बार जनसंपर्क पदाधिकारी का भी दायित्व संभाल रहे हैं. उनकी माता कृष्णा मोइत्रा शहर के प्रतिष्ठित संत जेवियर्स स्कूल हजारीबाग में शिक्षिका रह चुकी हैं. अब वह सेवानिवृत्त हो चुकी हैं. सुकल्याण मोइत्रा के भाई शिवाजी मोइत्रा घाटो स्थित हॉलीक्रॉस स्कूल में शिक्षक हैं. पूरा परिवार शिक्षण से जुड़ा रहा है. सुकल्याण मोइत्रा की पत्नी भी शिक्षिका हैं. वर्ष 1981 में संत जेवियर्स स्कूल से मैट्रिक, संत कोलंबा से बायोलॉजी में 1983 आई. एससी. और फिर राजनीतिशास्त्र से वर्ष 1986 में ऑनर्स के बाद विनोबा भावे विश्वविद्यालय से पीजी और डॉक्टरेट की डिग्री ली. डॉ. सुकल्याण मोइत्रा ने 1995 में अन्नदा कॉलेज से व्याख्याता की नौकरी शुरू की. वर्ष 1996 में संत कोलंबा कॉलेज आए और फिर वर्ष 2004 में विनोबाभावे विश्वविद्यालय में पीजी में पढ़ाने लगे. इसी वर्ष चार मार्च को वह राजनीति विज्ञान में पीजी विभागाध्यक्ष बनाए गए. वह चार वर्षों तक विभावि शिक्षक संघ के सचिव, चार वर्षों तक स्पोर्ट्स विभाग के निदेशक, बंगाली एसोसिएशन के सचिव, यूनियन क्लब एंड लाइब्रेरी की कार्यकारिणी समिति के सदस्य और वर्तमान में बंगाली एसोसिएशन हजारीबाग इकाई के अध्यक्ष हैं.

ब्रीफ खबरें

अन्नदा कॉलेज का मामला एसीबी को भेजा

हजारीबाग। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री अनुपम सिन्हा ने विनोबाभावे विश्वविद्यालय के प्रोक्टर डॉ मिथिलेश सिंह और अन्नदा कॉलेज के मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के पास भेजा है. उन्होंने अन्नदा कॉलेज के सचिव और प्राचार्य के खिलाफ शिकायत की है. पूरे मामले में उन्होंने 10 बिन्दुओं पर पत्राचार करते हुए जांच की मांग की है. उन्होंने लिखा है कि विभावि के प्रोक्टर मिथिलेश सिंह अन्नदा कॉलेज के मामले में संज्ञान नहीं लेते हुए जांच को शिथिल बनाए हुए हैं. भाजपा नेता ने एसीबी के आईजी का पत्राचार करते हुए कहा है कि अन्नदा कॉलेज के शासी निकाय की ओर से धोखाधड़ी, वित्तीय तथा अन्य अनियमितताएं की जा रही हैं.

सेवानिवृत्ति शिक्षक की निधन से क्षेत्र में शोक

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड के कुमारडूबी पंचायत अंतर्गत दरखुली गांव निवासी सेवानिवृत्ति शिक्षक रमेंद्र नाथ साउ (99) के निधन होने पर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है. निधन की सूचना मिलते ही राजनेता एवं शिक्षकों ने उनके घर आकर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी. जानकारी के अनुसार वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. वहीं शिक्षकों ने कहा कि वे एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति थे. उनके निधन से हम लोगों को काफी क्षति हुई है. वे दरखुली उच्च विद्यालय से सेवानिवृत्ति हुए थे. उन्होंने अपने पीछे छह बेटे असीम साहू, सुकुमार साहू, प्रबीर साहू, शक्ति साहू, अनूप साहू, कृष्ण साहू समेत भरा हुआ परिवार छोड़ कर गए है.

बीबीएमकेयू के प्रभारी वीसी से मिला आछसं

धनबाद। गुरुवार को आजसू छात्र संघ के प्रतिनिधि इंटर की पढ़ाई चालू करने और जेनरिक पेपर की स्पेशल परीक्षा आयोजित करने की मांग को लेकर बीबीएमकेयू के प्रभारी कुलपति डॉ पवन कुमार पोद्दार से मिले. मुख्य रूप से उपस्थित बीबीएमकेयू अध्यक्ष विशाल महतो और उप- मुखिया विकास कुमार ने कहा की पूर्व कुलपति के तानाशाही फैसलो से सभी छात्र परेशान हैं. उन्ही फैसलो में अंगीभूत महाविद्यालयों से इंटर की पढ़ाई बंद करने और जेनरिक पेपर की विशेष परीक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों से प्रभारी कुलपति को अवगत कराया गया. विशाल महतो ने कहा कि उच्च शिक्षा निदेशालय के निर्देश के बावजूद बीबीएमकेयू प्रशासन जिद पर अड़ा है और रांची विश्वविद्यालय में जेनरिक पेपर की परीक्षा हो चुकी है.

फातिमा एकेडमी में मोटिवेशनल कार्यक्रम

रांची। फातिमा गर्ल्स एंड बॉयज एकेडमी इटकी के निदेशक ने कहा कि विश्व स्तरीय मोटिवेशनल कार्यक्रम का आयोजन 1 नवंबर से किया जायेगा. उन्होंने कहा कि मुनव्वर जमा व मौलाना होजैफा वस्तनवी के कार्यक्रम का उद्देश्य लाखों छात्रों को मोटिवेशनल विचार से मार्गदर्शन, बच्चो के अंदर आत्म विश्वास आए कि वह भी देश के लिए डॉक्टर, आईएएस, वैज्ञानिक व बिजनेस के क्षेत्र में अपना मुकाम (स्थान) बना सके. वह पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि समाज के लोगों व छात्रों के बीच से निराशा को निकालकर उन्हें मुख्य धारा में लाना ही हमारा उद्देश्य है.

एचआरडी से इंटरनल सोर्स से बहाली प्रक्रिया करने का दिया आदेश

कोल्हान विवि में घंटी आधारित शिक्षकों की होगी बहाली

आवश्यकता आधारित शिक्षकों के अलावा इंटरनल सोर्स से भी शिक्षकों की होगी नियुक्ति

संवाददाता। चाईबासा

कोल्हान विश्वविद्यालय में वैसे विषय जिनके शिक्षक नहीं हैं, उन विषय के शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी. जब तक स्थायी रूप से शिक्षकों के बहाली प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तब तक कोल्हान विश्वविद्यालय प्रशासन अपने इंटरनल सोर्स से शिक्षकों की नियुक्ति करेगा. शिक्षकों की कमी को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सरकार से पत्राचार किया था. विवि ने प्रस्ताव तैयार कर एचआरडी को भेजा था. प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद अपने स्तर से ही शिक्षक बहाली करने का आदेश दिया गया है. इसमें कहा गया है कि वैसे कॉलेज जहां पर शिक्षकों की भारी कमी है, वहां अगले माह से इंटरनल सोर्स से शिक्षक की बहाली की जा सकती है.

साथ ही आवश्यकता आधारित शिक्षकों की बहाली रोस्टर के आधार पर की जाएगी. वैसे शिक्षक जो इंटरनल सोर्स से बाहर होंगे, उन शिक्षकों को घंटी आधारित के तहत ही मान्यता मिलेगी. हालांकि उन्हें पैसों का भुगतान विश्वविद्यालय स्तर से ही होगा और उसका कोई पे स्केल नहीं होगा. एक पे स्केल तैयार कर विश्वविद्यालय भुगतान करेगा. इधर, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी के मुताबिक प्रस्ताव को स्वीकृति तो मिली है, लेकिन आधिकारिक रूप से अभी तक पत्र नहीं भेजा है. इसके कारण अभी बहाली प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकती है. हालांकि छठ पूजा के बाद संभवतः कॉलेज में शिक्षकों की बहाली होना संभव है.

खास बातें

- इंटरनल सोर्स से शिक्षक की बहाली की जा सकती है
- शिक्षकों की बहाली रोस्टर के आधार पर की जाएगी
- शिक्षकों को घंटी आधारित के तहत ही मान्यता मिलेगी

जनजाति व क्षेत्रीय भाषा के शिक्षक की होगी पहले बहाली

कोल्हान विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा के विभाग में शिक्षकों की बहाली होगी. उसके बाद अन्य कॉलेजों में बहाली प्रक्रिया शुरू की जाएगी. सरकार ने विश्वविद्यालय को आदेश दिया कि शिक्षकों की कमी यदि क्षेत्रीय भाषा व जनजातीय भाषा में है तो वह इंटरनल सोर्स से अपने स्तर से बहाली प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं. उसका भुगतान कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय अपने स्तर से करेंगे. मालूम हो कि कोल्हान विश्वविद्यालय में हो, कुड़माली, संताली, कुडुक भाषा की पढ़ाई होती है, लेकिन एक भी स्थाई शिक्षक नहीं हैं. इस वजह से विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कई बार सरकार को स्थाई बहाली प्रक्रिया शुरू करने को लेकर प्रस्ताव भेजा गया है, लेकिन अभी तक स्वीकृति नहीं मिली है. वित्त विभाग में अभी तक फाइल लंबित है.

वोकेशनल कोर्स वाले भी कर सकते हैं पीएचडी

रांची। रांची विश्वविद्यालय में अलग-अलग विषयों के लिए पीएचडी का एंट्रेंस एग्जाम लिया जाना है. जिसके लिए फार्म जमा लिया जा रहा है. जिन विद्यार्थियों ने वोकेशनल विषयों से पीजी किया है. उन्हें भी पीएचडी के लिए मौका मिलेगा. वह भी आवेदन कर सकते है. रांची विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार जो उम्मीदवार वोकेशनल विषय से पीएचडी करना चाहते है. वह कर सकते है. वोकेशनल कोर्स में पीएचडी करने वाले छात्रों को भारत के किसी भी विश्वविद्यालय से अपना गाइड ले सकता है. मेन गाइड के साथ रांची विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से को-गाइड लेना होगा. भारत के किसी विश्वविद्यालय से उसी गाइड को ले सकते है जो सरकारी विश्वविद्यालय के स्थायी असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर या प्रोफेसर होनी चाहिए.

रेल मंडलों में लगेगा रोजगार मेला

धनबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अक्टूबर को धनबाद के युवाओं को रेलवे में नौकरी के लिए ऑनलाइन नियुक्ति पत्र देंगे. इसके लिए धनबाद समेत कई रेल मंडलों में रोजगार मेला लगेगा. देशभर में 51 हजार अभ्यर्थियों को नौकरी मिलेगी. धनबाद में रेलवे ऑडिटोरियम में दोपहर करीब एक बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन होगा. हाजीपुर जोन के अंतर्गत हाजीपुर के वैशाली प्रेक्षागृह, पटना, धनबाद और पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर में रोजगार मेला का आयोजन होगा. वैशाली रेल प्रेक्षागृह में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस, रेलवे ऑफिसर्स क्लब महेन्द्रूघाट पटना में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह सहित अन्य उपस्थित रहेंगे.

गिरिडीह के 20 आदिवासी युवा सांस्कृतिक भ्रमण पर गए लखनऊ

बस से लखनऊ के लिए रवाना करते सीआरपीएफ के अधिकारी.

संवाददाता। गिरिडीह

केंद्रीय गृह मंत्रालय के युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत गिरिडीह जिले के 20 आदिवासी युवक-युवतियां गुरुवार को सांस्कृतिक भ्रमण पर बस से यूपी की राजधानी लखनऊ के लिए रवाना हुए. सीआरपीएफ 7वीं बटालियन ने नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से इन्हें रवाना किया. सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट नवीन विश्वकर्मा ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, मौके पर सीआरपीएफ के सूबेदार मेजर पन्ना लाल ठाकुर समेत बटालियन के अन्य अधिकारी और नेहरू युवा केन्द्र के नैयर परवेज आदि मौजूद रहे. सीआरपीएफ अधिकारियों ने युवक-युवतियों को जूते व स्पेशल किट प्रदान किए गए.

डिप्टी कमांडेंट नवीन ने कहा कि गृह मंत्रालय ने नक्सल प्रभावित जिलों के आदिवासियों के लिए यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से चला रही है. इसका मकसद आदिवासी युवाओं को दूसरे राज्यों की संस्कृति से रू-ब-रू कराना और कौशल विकास प्रशिक्षण से जोड़ना है. उन्हें तकनीक की जानकारी भी देना है. ताकि नक्सल प्रभावित जिलों के युवा खुद को आत्मनिर्भर बना सकें.

कंपनी में काम करने वाले मैट्रिक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी बन सकते हैं इंजीनियर

आईसेक्ट विवि को मिली मान्यता

संवाददाता। हजारीबाग

किसी भी कंपनी में काम कर रहे कर्मी भी अब इंजीनियर बनने के सपने को साकार कर सकते हैं. दरअसल आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग को तीन वर्षीय डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग की मान्यता मिलने के बाद अब वर्किंग प्रोफेशनल में डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग की भी मान्यता एआईसीटीई की ओर से प्रदान की गई है.

यह जानकारी आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने दी. उन्होंने कहा कि वर्किंग प्रोफेशनल में डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग के लिए इलेक्ट्रिकल, सिविल और कंप्यूटर साइंस में मान्यता प्रदान की गई है. इस कोर्स के लिए न्यूनतम अनिवार्य योग्यता मैट्रिक उत्तीर्ण है. उन्होंने बताया कि इस कोर्स में वैसे लोग भी नामांकन कराकर इंजीनियर बनने का सपना साकार कर सकते हैं, जो किसी पंजीकृत इंडस्ट्री या कंपनी में कार्यरत हैं. उन्होंने बताया कि काम कर रहे लोगों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधा के साथ-साथ शाम या सुबह में ऑफलाइन या विद्यार्थियों के सुविधानुसार कक्षाओं की सुविधा भी प्रदान की जाएगी ताकि काम करते हुए भी आसानी से इन क्षेत्रों में पढ़ाई पूरी की जा सके.

काम कर रहे लोगों के लिए कोर्स अधिक लाभप्रद : डॉ मुनीष गोविंद

डॉ गोविंद ने बताया कि किसी पंजीकृत इंडस्ट्री या कंपनी से एक वर्ष का अनुभव पाए व्यक्ति सीधे दूसरे वर्ष में नामांकन करा सकता हैं. उन्होंने बताया कि यह कोर्स दरअसल काम कर रहे लोगों के लिए अधिक लाभप्रद साबित होगा. साथ ही इन कोर्सों से कौशल विकास को और मजबूती मिलेगी.

खास बातें

- सिविल, इलेक्ट्रिकल व कंप्यूटर साइंस में होगा नामांकन
- एक वर्ष के अनुभव पर सीधे दूसरे वर्ष में नामांकन
- ऑनलाइन व ऑफलाइन में कक्षाओं की मिलेगी सुविधा

कक्षा की समस्या दूर करने के लिए शोध करें

- जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में इग्नू बीएड की कार्यशाला-2 का सातवां दिन

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के लर्निंग सपोर्ट सेंटर में चल रहे इग्नू बीएड कार्यशाला-2 के सातवें दिन (गुरुवार) की शुरुआत इग्नू बीएड प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा ने प्रार्थना के साथ की. कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यशाला का लक्ष्य धीरे-धीरे अपने उच्चतम शिखर पर पहुंच रहा है और अपनी गुणवत्ता को कायम किए हुए हैं. पिछले दो दिनों से विषयी विशेष पर कार्यशाला चल रही थी और गुरुवार को विषयी विशेष का तीसरा एवं आखिरी दिन था,

इसमें विषय विशेषज्ञ संसाधनविद शामिल हुए. आईसीटी, सूचना एवं संचार तकनीक के लिए करीम सिटी कॉलेज शिक्षा संकाय की प्राचार्य डॉक्टर सुचेता भुइयां, दूरस्थ शिक्षा के लिए जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी शिक्षा संकाय की सहायक प्राध्यापक सोनी कुमारी तथा निर्देशन एवं परामर्श के लिए जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज शिक्षा संकाय के सहायक प्राध्यापक वीरू पक्ष महतो उपस्थित थे.

आईसीटी सत्र के दौरान सभी प्रशिक्षुओं ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन दिये. तीनों विषय विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुति एवं क्रिया-कलाप से सभी विषय के बारीकियों को रेखांकित एवं सभी प्रशिक्षुओं को लाभांवित किया.

आज के तीसरे एवं चौथे सत्र का संचालन डॉ मोनिका उप्पल ने किया. उन्होंने क्रियात्मक शोध संबंधी विभिन्न आयामों को रेखांकित किया. उन्होंने बताया कि कक्षा के दौरान हो रही समस्याओं को दूर करने के लिए क्रियात्मक शोध यानी एक्शन रिसर्च का सहायता अवश्य लेनी चाहिए. सभा का समापन नेहा सुरुचि मिंज, उपेंद्र कुमार, डॉ त्रिपुरा झा एवं समस्त संसाधन सेवी की सहायता व राष्ट्रगान के साथ हुआ.

आदिवासी युवक-युवतियों को बस से लखनऊ के लिए रवाना करते सीआरपीएफ के अधिकारी.

गाइडलाइन सुपरवाइजर के लिए नई योग्यता तय, गाइडलाइन केंद्रीय राजपत्र में प्रकाशित

यूजीसी : अब स्थायी शिक्षक ही करा सकेंगे पीएचडी

संवाददाता। जमशेदपुर

पीएचडी की पढ़ाई को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नयी गाइडलाइन जारी की है. इसे केंद्रीय राजपत्र में प्रकाशित भी किया जा चुका है. नयी गाइडलाइन के अनुसार पीएचडी कराने के लिए सुपरवाइजर की योग्यता तय की गयी है. अब प्रोबेशन पीरियड वाले शिक्षक सुपरवाइजर (गाइड) नहीं बन सकेंगे. इसके लिए शिक्षक का स्थायी होना अनिवार्य है. साथ ही अन्य योग्यताएं भी तय की गयी हैं, जो पहले से थोड़ी सख्त की गयी हैं.

गजट के अनुसार पीएचडी विद्यार्थियों का सुपरविजन के लिए संबंधित शिक्षक को असिस्टेंट प्रोफेसर होना चाहिए. पीएचडी डिग्री धारी होना तो अनिवार्य है ही, यूजीसी से मान्यता प्राप्त अथवा किसी मान्यता प्राप्त जर्नल में कम से कम तीन रिसर्च प्रकाशित होना चाहिए. जबकि पूर्व में दो ही रिसर्च प्रकाशित होने की अनिवार्यता थी. इस प्रकार अब इसे बढ़ा कर तीन कर दिया गया है. इसके अलावा यदि संबंधित शिक्षक एसोसिएट प्रोफेसर अथवा प्रोफेसर रैंक के हैं, तो उक्त जर्नल में उनके कम से कम पांच शोध पत्र प्रकाशित होने चाहिए.

पीएचडी परीक्षा शुल्क को लेकर असंतोष

दूसरी ओर इस बार विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी प्रवेश परीक्षा का आवेदन शुल्क सामान्य एवं ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 1000 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि एससी-एसटी के लिए 750 रुपये है. पिछले वर्ष की पीएचडी परीक्षा (जिसे राजभवन की ओर से रद्द कर दिया गया है) में शामिल परीक्षार्थियों का कहना है कि तब आवेदन शुल्क 1500 रुपये था. हालांकि इस वर्ष उन्हें निःशुल्क आवेदन करने की सुविधा दी गयी है, बावजूद इसे लेकर पिछले उन परीक्षार्थियों में असंतोष है.

खास बातें

- गाइडलाइन के अनुसार शिक्षक का स्थायी होना जरूरी
- योग्यताओं को पहले काफी कड़ा बनाया गया है
- जर्नल में कम से कम पांच शोध पत्र प्रकाशित होने चाहिए

केयू में अगली बार लागू होगा नया नियम

जानकार बताते हैं कि पीएचडी के लिए सुपरवाइजरों के लिए यूजीसी का यह नया नियम इस बार लागू नहीं होगा. इस बार जो पीएचडी प्रवेश परीक्षा हो रही है, उसके लिए पूर्व निर्धारित नियम ही लागू रहेंगे. इसके बाद विश्वविद्यालय की ओर सो जो पीएचडी प्रवेश परीक्षा ली जायेगी, उसके साथ ही नया नियम लागू होगा.

जज बने डीएवी स्वांग के पूर्ववर्ती छात्र को प्राचार्य ने किया सम्मानित

संवाददाता। बेरमो

बिहार के सीतामढ़ी में सिविल जज के रूप में पदस्थापित डीएवी पब्लिक स्कूल, स्वांग के पूर्ववर्ती छात्र अभिषेक कुमार को प्राचार्य डॉ एसके शर्मा ने विद्यालय में शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया. उन्हें डीएवी का प्रतीक चिह्न और उपहार भी प्रदान किया. डॉ शर्मा ने कहा कि यह हमारे विद्यालय और स्वांग के लिए अत्यंत ही गौरव का विषय है कि इस विद्यालय का छात्र जज जैसे गरिमामय पद को सुशोभित कर रहा है. स्कूल के विद्यार्थियों को इससे सीख लेने की जरूरत है.

इस मौके पर जज अभिषेक कुमार ने कहा कि उन्होंने डीएवी स्वांग में एलकेजी से कक्षा दसवीं तक पढाई की. उस समय जो सदाचार व अनुशासन का बीजारोपण उनके मन-मस्तिष्क पर हुआ, वह उनके विकास में सहायक बना. उन्होंने डीएवी स्वांग की प्रशंसा करते हुए सभी शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता जाहिर की.

सिविल जज अभिषेक कुमार को सम्मानित करते प्राचार्य.

आज से दिखेगा
हॉकी का रोमांच

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार, 27 अक्टूबर 2023 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~4~~ ● वर्ष : 1, अंक : 190

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

देश-दुनिया की 4 बड़ी खबरें, जिन्हें जानना आपके लिए जरूरी है...

● शेयर बाजार में मचा हाहाकार

सेंसेक्स धड़ाम : निवेशकों के 3 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय बाजार लगातार 6 दिनों से गिरावट का सामना कर रहा है. इस गिरावट के कारण निवेशकों की लाखों-करोड़ रुपए की संपत्ति डूब चुकी है. शेयर मार्केट के लिए गुरुवार का दिन काफी बुरा साबित हुआ. गुरुवार को कारोबारी सत्र में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली. इस हफ्ते लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन और अक्टूबर के मंथली एक्सपाइरी के दिन भारतीय शेयर बाजार में गिरावट की सुनामी आई है. -शेष पेज 10 पर

इन सेक्टर में भारी गिरावट

भारी गिरावट से निवेशकों को 3 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है. इसके चलते सेंसेक्स 552 अंकों की गिरावट के साथ 42,280 अंकों पर बंद हुआ. ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएसीजी, मेटल्स, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. मिड कैप इंडेक्स 1.16 फीसदी या 448 अंकों की गिरावट के साथ 38,116 अंकों पर क्लोज हुआ.

● अंधाधुंध फायरिंग से दहला अमेरिका

22 की मौत, 60 घायल

एजेंसी। लेविस्टन

अमेरिका के लेविस्टन में एक व्यक्ति ने बुधवार की देर रात ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं. इस गोलीकांड में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है. जबकि 60 लोग गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं. अमेरिका में गोलीबारी की यह कोई पहली घटना नहीं है. यहां आए दिन इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं. घटना के बाद से राज्य में अराजकता की स्थिति बनी हुई है. एपी के अनुसार, दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं. -शेष पेज 10 पर

ट्रेनर ही निकला शूटर

पुलिस ने बताया कि गोलीबारी करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार है और वो शूटिंग में ही ट्रेनिंग देता था. शूटर का नाम रॉबर्ट कार्ड बताया गया है. बता दें कि घटना की जानकारी राष्ट्रपति जो बाइडन को दे दी गई है. पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील भी की.

● इजराइल का गाजा पर जमीनी हमला

हमास के 250 ठिकाने ध्वस्त

एजेंसी। रफाह (गाजा पट्टी)

इजराइल और हमास के बीच जारी जंग का गुरुवार को 20वां दिन था. सेना ने गाजा में 250 जगहों पर जमीनी हमला बोल दिया. हमास के ठिकानों, कमांड सेंटर और रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया. इजराइली सेना ने बताया कि नेवी ने खान यूनिस में मिसाइल पैड पर हमला किया. ये साइट मस्जिद के पास में मौजूद थी. उधर, पहली बार पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने माना कि वो 7 अक्टूबर के हमले को रोकने में नाकाम रहे. -शेष पेज 10 पर

ईरान बोला- गाजा पर हमले के पीछे अमेरिका

ईरान के सुप्रीम अयातुल्लाह खामेनेई ने गाजा पर हमले के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा- इजराइल हमास पर जो हमले कर रहा है, उसके पीछे अमेरिका है. गाजा में जो अपराध हो रहे हैं, अमेरिका डायरेक्ट कर रहा है. अमेरिका के हाथ बच्चों, महिलाओं और कई दूसरे लोगों के खून से रंगे हैं.

● भारत स्तब्ध, देगा फैसले को चुनौती

कतर में नेवी के आठ पूर्व अफसरों को मौत की सजा

एजेंसी। नई दिल्ली

अरब देश कतर में आठ भारतीयों को गुरुवार को फांसी की सजा सुनाई गई. इन पर जासूसी का आरोप है. 8 महीने पहले भारतीय नेवी के 8 पूर्व अफसरों को जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. इस मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि मौत की सजा के फैसले से हम हैरान हैं. हम विस्तृत फैसले का इंतजार कर रहे हैं. विदेश मंत्रालय ने कहा, ''हम परिवार के सदस्यों और कानूनी टीम के संपर्क में हैं और सभी कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं. इस मामले को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं और इस पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. -शेष पेज 10 पर

पूर्व नौसैनिकों के नाम हैं

कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर सेलर रागेश, कमांडर संजीव गुप्ता.

वीमेन हॉकी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

शाम 4 बजे खेल मंत्री और वित्त मंत्री करेंगे उद्घाटन

महासंग्राम आज से

रात 8.30 बजे से भारत और थाईलैंड की टीम के बीच होगा मुकाबला

मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में होंगे मैच

शुभम किशोर। रांची

झारखंड की राजधानी रांची में शुक्रवार से वीमेन हॉकी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का महासंग्राम शुरू होने जा रहा है. शाम 4 बजे खेल मंत्री हफीजुल हसन और वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव चैंपियंस ट्रॉफी का उद्घाटन करेंगे. चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने वाले 6 देशों की टीमों के बीच पहले दिन तीन मुकाबले होंगे. शाम 4 बजे जापान और मलेशिया की टीम के बीच मुकाबला शुरू होगा. इसके बाद शाम 6.15 में चीन और दक्षिण कोरिया की टीमें आपस में भिडेंगी. रात 8.30 बजे भारत और थाईलैंड के बीच मुकाबला होगा. 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम सभी मुकाबले खेले जाने हैं. इसके लिए झारखंड सरकार, हॉकी इंडिया और जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 21 मैच खेले जाएंगे

प्रतियोगिता में एशिया की टॉप 6 टीमें मेजबान भारत के साथ जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड भाग ले रही हैं. कुल 21 मैच खेले जाएंगे. प्रत्येक दिन 3 मुकाबले खेले जाएंगे. प्रतियोगिता का पहला मैच 27 अक्टूबर को जापान और मलेशिया के बीच खेला जाएगा. थाईलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच के बाद भारत 28 अक्टूबर को मलेशिया से भिड़ेगा. भारत अपने तीसरे गेम में सोमवार को चीन से भिड़ेगा और फिर मंगलवार को जापान से मुकाबला करेगा. इसके बाद भारतीय टीम गुरुवार को कोरिया के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेगी. टूर्नामेंट का सेमीफाइनल और फाइनल मैच 4 और 5 नवंबर को खेला जाएगा.

हमारी तैयारी पूरी है...

भारत में पहली बार वुमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हो रहा है. इस चैंपियनशिप में हमारी पूरी कोशिश होगी कि हम परफॉर्मेंस से आपको संतुष्ट कर सकें. पर किसी भी टीम को हम अंडरस्टीमेट नहीं कर सकते. एशियन गेम्स में हम तैयारी के साथ उतरे थे, लेकिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण हमें हार का सामना करना पड़ा था. इस प्रतियोगिता के लिए हमारी टीम की बेहतर तैयारी है.

- **सबिता पुनिया,** कप्तान भारतीय महिला हॉकी टीम

मैच का निःशुल्क उठायें आनंद

- ‘ पहले आओ, पहले पाओ’ की तर्ज पर मिलेगा दर्शकों को प्रवेश
- 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक कुल 21 मैच खेले जाएंगे

भारतीय टीम

- गोलकीपर- **सविता (कप्तान),** बिच्छू देवी खारिबाम
- रक्षक-निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान)
- मिडफील्डर- निशा, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, मोनिका, ज्योति, बलजीत कौर
- फारवर्ड-लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया
- प्रतिस्थापन खिलाड़ी- शर्मिला देवी, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के

- प्रतिदिन तीन मैच होंगे, पहला मैच शाम 4 :00 बजे से, दूसरा मैच शाम 6 :15 बजे से, जबकि तीसरा मैच रात 8 : 30 बजे से खेला जाएगा

रांची में खंगाला जा रहा आदिवासी जमीन की खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

प्रधान महालेखाकार कार्यालय की ऑडिट टीम रांची में आदिवासी खाते की जमीन की खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड की जांच कर रही है. ऑडिट टीम में असिस्टेंट सुपरवाइजर नवीन प्रकाश कुल्लू, सीनियर ऑडिटर प्रवीण कुमार, सीनियर ऑडिट ऑफिसर संतोष प्रसाद और उत्तम मेहरा शामिल हैं.

इसके साथ ही ऑडिट टीम 46 के परमिशन यानी आदिवासी की भूमि खरीदने के लिए मिलने वाले आदेश और 49 के परमिशन यानी आदिवासी खाते की जमीन की रजिस्ट्री गैर आदिवासी व्यक्ति या संस्था को किसी विशेष मकसद से किए जाने के आदेशों की भी जांच करेगी. ऑडिट टीम इस बात की जांच में जुटी है कि आदिवासी खाते के जिन भूखंडों का हस्तांतरण गैर आदिवासी व्यक्तियों को किया गया है, वह पूरी तरह से नियम संगत है या नहीं. वहीं एसएआर और इस्तीफा-कबूलियत के आधार पर जिन आदिवासी खातों के भूखंडों की रजिस्ट्री की गई है, वह नियमानुसार हुई है या नहीं.

प्रधान महालेखाकार कार्यालय की ऑडिट टीम जुटी जांच में

2018 से अबतक का रिकार्ड खंगालेगी ऑडिट टीम : ऑडिट टीम वर्ष 2018 से लेकर अब तक के सभी रिकॉर्ड को खंगालेगी. रांची के सभी 5 रजिस्ट्री कार्यालयों में ऑडिट की जा रही है. अनुमान के

मुताबिक रांची में पिछले लगभग एक वर्ष में 4000 से ज्यादा आदिवासी खातों की जमीन की खरीद-बिक्री हुई है और विभिन्न अंचलों में निबंधित भूखंडों का म्यूटेशन भी किया गया है. जिन इलाकों में आदिवासी खाते की जमीन की सबसे ज्यादा खरीद-बिक्री हुई है, उनमें हेहल, बड़गाईं,नामकुम, रातू ,नगड़ी, अरगोड़ा, ओरमांझी और कांके अंचल के इलाके शामिल हैं. इन अंचलों में भी ऑडिट टीम जांच करेगी. जानकरी के मुताबिक रिकॉर्ड खंगालने के बाद टीम फील्ड विजिट कर स्थिति का जायजा लेगी.

आदिवासियों की जमीन पर बस गईं कई कॉलोनियां

राजधानी रांची में आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री धड़ल्ले से हुई है. आदिवासियों की जमीन पर कई कॉलोनियां बस गईं हैं. आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री में आदिवासी समाज के लोग ही शामिल रहे हैं. बिचौलिए पहले भोले-बाले आदिवासियों को बरगला कर या ठग कर उनकी जमीन औने-पौने दाम पर खुद अपने नाम पर निबंधन करा लेते हैं, फिर ऊंची कीमत पर गैर आदिवासियों को बेच दिया करते हैं. अलग राज्य बनने के बाद से ही यह धंधा तेजी से फल फूल रहा है. लेकिन 2018 के बाद से आदिवासी जमीन की खरीद बिक्री में तेजी आयी है. सीएनटी एक्ट का उल्लंघन करते हुए भी आदिवासियों की जमीन की खूब खरीद-बिक्री हुई है. अब ऑडिट टीम ऐसी ही जमीन का पता लगा रही है.

बीआईटी के इंजीनियरिंग के छात्र ने की आत्महत्या

रांची। झारखंड के सबसे बड़े इंजीनियरिंग कॉलेज बीआईटी मेसरा में एक छात्र ने गुरुवार को आत्महत्या कर ली. मेसरा ओपी को घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी सुमित कुमार ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. जिस छात्र ने आत्महत्या की है, उसका नाम सौरभ सुमन है. वह जमशेदपुर के टेल्को इलाके का रहने वाला था. बीआईटी मेसरा में वह हॉस्टल नंबर 10 के रूम नंबर 391 में रहता था. छात्र ने पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी. छात्र के रूम से सुसाइड नोट मिला है. इसके साथ ही पुलिस को घटनास्थल से और भी कुछ चीजें मिली हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

पीएम मोदी ने राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन किया

मडगांव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को गोवा के मडगांव में 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन किया. 26 अक्टूबर से नौ नवंबर तक चलने वाले इस खेल मेले में विभिन्न खेलों के लगभग 10,000 एथलीट भाग लेंगे. गोवा में जन्मी भारतीय पेशेवर विंड सर्फर कात्या इडा कोएल्हो ने प्रधानमंत्री को मशाल सौंपी. इन खेलों में झारखंड के भी 351 सदस्यीय दल भी गया है. फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भव्य उद्घाटन समारोह में सुखविंदर सिंह और राज्य की हेमा सरदेसाई सहित प्रसिद्ध कलाकारों ने प्रदर्शन किया. इसमें भाग लेने वाली 28 टीमों के एथलीटों ने परेड की. समारोह राष्ट्रीय एकता की थीम पर आधारित रहा, जिसमें 600 कलाकार शामिल हुए.

प्रसंगवश

वे डोलत रस आपने, उनके फाटत अंग...

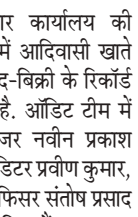

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

कांग्रेस और सपा में जिस स्तर की एक-दूसरे के खिलाफ बदजुबानी और तोहमतबाजी की प्रतिस्पर्धा चल रही है, उससे ऐसा लगता है कि ये दोनों वंशवादी पार्टियां इंडिया की भ्रूण हत्या पर आमादा हैं.

राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी हथियार के रूप में इस्तेमाल की जाती है. लेकिन जिसकी धार ज्यादा तेज होती है, उसका इस्तेमाल पहले कर लिया जाता है. इसका सबसे टटका किंतु विद्रूप नजारा मध्य प्रदेश में दिखाई दे रहा है. कांग्रेस और सपा में जिस स्तर की एक-दूसरे के खिलाफ बदजुबानी और तोहमतबाजी की प्रतिस्पर्धा चल रही है, उससे ऐसा लगता है कि ये दोनों वंशवादी पार्टियां 'इंडिया' की भ्रूण हत्या पर आमादा हैं. बात मामूली थी. सपा कांग्रेस से राज्य में अपने लिए महज छह सीटें मांग रही थी. वह पिछले विधानसभा चुनाव में एक सीट जीती थी और चार पर दूसरे नंबर पर थी. कांग्रेस चाहती, तो चार सीटें देकर सपा को मना लेती. लेकिन उसने तो सपा की जीती हुई सीट पर भी प्रत्याशी उतार दिया और सपा के एतराज को ठेंगा दिखाते हुए यहां तक कह दिया कि वह भाजपा से मिली हुई है. इससे सपा प्रमुख अखिलेश बिफर गये और सारी

मर्यादाएं तोडते हुए यहां तक कह गये कि यूपी में सीटें मांगना, तो हम भी अपनी हनक दिखाएंगे. इस बाबत जब कांग्रेस के प्रायोजित मुख्यमंत्री कमलनाथ से पूछा गया तो उन्होंने तपाक से कह दिया-कौन अखिलेश-वखिलेश. फिर क्या था, सपा के रामगोपाल, शिवपाल, आईपी सिंह, राजीव राय से लेकर हर नेता कांग्रेस और कमलनाथ पर पिल पडे . कमलनाथ को छुटभैये नेता बतानेवालों पर यूपी के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय भडके, तब उन्हें चिरकुट की उपाधि से विभूषित कर दिया गया. अजय राय ने भी दे मारा. जो अपने बाप की इज्जत नहीं करता था, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है. फिलहाल सपा ने एमपी में करीब ढाई दर्जन से अधिक सीटों पर उम्मीदवार उतार दिया है. इस मुद्दे पर एक टीवी डिबेट में जदयू महासचिव केसी त्यागी ने यहां तक कह दिया कि सपा के साथ एमपी में जो सलूक हुआ है, दैट इज एनफ टू एनफ. अखिलेश कह रहे हैं कि यदि उन्हें पता होता कि कांग्रेस यह सब करेगी तो इंडिया की बैठक में नहीं जाते. केसी त्यागी की पीड़ा यह है कि अखिलेश, ममता, केजरीवाल को समझा-बुझा कर नीतीश कुमार ही भाजपा विरोधी गंठबंधन में लाये थे और अब कांग्रेस इन तीनों दलों पर नजरें तरेर रही है. कांग्रेस ने तो इसी नवरात्र में बाकायदा प्रेस कांफ्रेस तथा अपने एक्स हैंडल से घोषणा कर दी है कि रामलीला मैदान में अन्ना हजारे का आंदोलन दरअसल ठगों का आंदोलन था, जिसका मकसद मनमोहन सिंह की सरकार को भ्रष्ट साबित करना था. पंजाब में कांग्रेस के नेता जेल भेजे जा रहे हैं, कांग्रेसियों को प्रताड़ित किया जा रहा है और कांग्रेस की पंजाब इकाई केजरीवाल की पार्टी के साथ किसी समझौते के लिए तैयार नहीं है. बंगाल में ममता बनर्जी और अधीर रंजन चौधरी के बीच लाग डांट की खबरें सुर्खियां बन रही हैं. इधर बिहार में नीतीश कुमार आए दिन ऐसा शिगूफा छोड देते हैं, जिससे यह भ्रम फैलने लगता है कि वह अपनी आदत के हिसाब से फिर पलटी मारने वाले हैं. वह अभी तक उस खेमे में हैं तो इसलिए कि भाजपा ने नीतीश के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिये हैं. नीतीश पसोपेश में हैं. इंडिया उन्हें अपना संयोजक भी नहीं बना रहा है. शायद दिल के अरमा आंसुओं में बह गये हैं. शरद पवार अपनी पार्टी और सिंबल बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं. एनसीपी के पवार खेमे की हकीकत तो झारखंड के हुसैनाबाद से विधायक कमलेश सिंह कह रहे हैं, उनका कहना है कि उनके नेता प्रफुल्ल पटेल हैं और वह घड़ी सिम्बल के साथ हैं. पटेल पवार के खिलाफ हैं और कमलेश सिंह पर दल-बदल का मामला दर्ज हो गया है. -शेष पेज 10 पर

‘विकसित भारत संकल्प यात्रा’ को हरी झंडी दिखाएंगे मोदी

प्रमुख संवाददाता। रांची

बिरसा जयंती

● पीएम मोदी बिरसा मुंडा की जयंती पर आएंगे उलिहातू

कल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा की केंद्र सरकार की तरफ से शुरुआत की जा रही है. बिरसा मुंडा

की जयंती 15 नवंबर से पूरे भारत में इसकी शुरुआत होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान बिरसा मुंडा के पैतृक गांव उलीहातू से इसकी शुरुआत करेंगे. देश की सभी ढाई लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में यह यात्रा पहुंचेगी.

इसके लिए सरकार की ओर से 2500 से अधिक वीडियो वैन शुरू की जाएंगी. सरकार की विभिन्न योजनाओं का लोगों के लिए क्या लाभ है, लाभ किस तरह लिया जा सकता है, जैसी तमाम जानकारियां साझा की जाएंगी.

इस यात्रा के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी होगी. सरकार की सभी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी जाएगी और फीडबैक लिया जाएगा.

जनभागीदारी बढ़ाना है यात्रा का उद्देश्य: सरकारी सूत्रों के अनुसार यात्रा का राजनीतिक उद्देश्य नहीं, यह केवल सरकारी कार्यक्रम है. इसमें नुक्कड़ नाटक आदि भी होंगे. कुछ मौकों पर लोग पीएम मोदी से वर्चुअल माध्यम से सीधे संवाद कर सकेंगे. 3700 शहरी निकायों में 14 हजार से अधिक स्थानों पर भी इसका कवरेज होगा. विभिन्न योजनाओं के लिए लोगों का पंजीकरण आदि औपचारिकताएं तुरंत ही मौके पर भी की जा सकेंगी.

ब्रीफ खबरें

दो वैगन हुई बेपटरी कोई नुकसान नहीं

सिंदरी। हर्ल खाद कारखाना साइडिंग के पास गुरुवार अहले सुबह करीब साढ़े चार बजे अडानी एसीसी सिमेंट लोड दो वैगन बेपटरी हो गयी. इसकी जानकारी रेलवे के अधिकारियों को दी गयी. वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सिंदरी स्टेशन मास्टर राजकुमार सिंह ने वेगन को पटरी पर लाया और गंतव्य के लिए रवाना किया. राजकुमार सिंह ने बताया कि वैगन बेपटरी होने से कोई हताहत नहीं हुई है और ना ही नुकसान हुआ है. बताया कि अडानी एसीसी सीमेंट फैक्ट्री से वैगन सीमेंट भरा बोरा लेकर जा रहा था.

एसपी से आईओ की लोगों ने की शिकायत

आदित्यपुर। जियाडा कार्यालय में गुरुवार को जिले के एसपी डॉ विमल कुमार फरियादियों से मिले और उनकी समस्याएं सुनीं. करीब आधा दर्जन फरियादियों ने एसपी से थाना की शिकायत की. इसमें थाना में एफआईआर के बाद आईओ द्वारा लापरवाही बरतने की शिकायत की. एसपी ने तत्काल थाना प्रभारियों को दूरभाष पर ही फरियादियों की शिकायत तत्काल दूर कर उन्हें सूचित करने की हिदायत दी. किसी भी आगंतुक को जानकारी देकर संतुष्ट करने की हिदायत दी.

आज चलेगा प्राउड ऑफ माई बीएलओ अभियान

धनबाद। धनबाद जिले में मतदाता सूची तैयार करने में जुटे बीएलओ का उत्साह बढ़ाने के लिए शुक्रवार को प्राउड ऑफ माई बीएलओ अभियान चलेगा. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी वरुण रंजन ने का कहा कि अभियान सुबह 11:00 से दोपहर 12:00 बजे तक चलेगा. उन्होंने सभी मतदाताओं ने अपने मतदान केंद्र पर जाकर बीएलओ के साथ सेल्फी या फोटो लेकर ProudOfMyBLO के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की अपील की है.

प्रदूषण को लेकर डीसी ने दिया दिशा-निर्देश

धनबाद। जिले में बढ़ते प्रदूषण को लेकर उपायुक्त वरुण रंजन ने अपने कार्यालय कक्ष में वन विभाग व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पदाधिकारियों के साथ बैठक की. डीसी ने कहा कि जिले को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए कोयला लोडेड ट्रकों को तिरपाल से ढंकने, साथ ही रोड स्वीपिंग मशीन, वाटर स्प्रिंकलर, फागिंग मशीन सहित उपलब्ध सभी संसाधनों का नियमित रूप से उपयोग करने का निर्देश दिया. उन्होंने नगर निगम के साथ समन्वय बनाकर काम करने की बात कही.

प्रमुख ने की सड़क निर्माण कराने की मांग

मुसाबनी। मुसाबनी प्रखंड प्रमुख रामदेव हेंब्रम ने गुरुवार को सांसद कार्यालय बिस्टूपुर में सांसद विद्युत वरण महतो को ज्ञापन सौंप कर सड़क निर्माण करने की मांग की. इसमें हाता मुसाबनी मुख्य सड़क से गाजूडीह, हाता मुसाबनी मुख्य सड़क से कुमीरमुड़ी प्रधान टोला, हाता मुसाबनी मुख्य सड़क से चाकुलिया केनाल टोला, हाता मुसाबनी मुख्य सड़क से बड़ाघाट, हाता मुसाबनी मुख्य सड़क से कोतोपा, पारुलिया से रतनू कोचा और पारुलिया बजरंग चौक से बलियाडीह तक सड़क निर्माण की मांग शामिल हैं.

वार्ड सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

गावां। पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार की ओर से गुरुवार को गावां पंचायत सचिवालय में 7 अलग-अलग पंचायत के वार्ड सदस्यों को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया. इस संबंध में जानकारी देते हुए मास्टर ट्रेनर प्रदीप चन्द्रवंशी ने बताया कि पंचायती राज विभाग की तरफ से पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है. प्रशिक्षण में वार्ड सदस्यों की भूमिका क्या है, ग्राम पंचायत विकास में योगदान कितना अहम है, विकास कार्यों में सतत लक्ष्य आदि विषयों पर पहले दिन प्रशिक्षण दिया गया.

बीडीओ ने बीएलओ के साथ की समीक्षा बैठक

जसीडीह/देवघर। प्रखंड सभागार में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव ने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर के साथ किया समीक्षा बैठक। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 27 अक्टूबर को 11:00 से 12:00 बजे तक 1 घंटे का सोशल मीडिया प्राउड ऑफ माइ बीएलओ अभियान चलाया जाना है, जिसमें नए मतदाताओं में छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करना है.

जमीन का अतिक्रमण कर दुकान बनाने का आरोप, जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की

मंदिर में पुजारियों के दो पक्षों के बीच चल रहा विवाद गहराया

रतन सिंह। जमशेदपुर

प्रेस वार्ता में मौजूद मुख्य पुजारी

साकची शीतला मंदिर में पुजारियों के दो पक्षों के बीच चल रहा विवाद अब और गहरा गया है. मनोज वाजपेयी व अन्य पुजारियों के पक्ष ने दुसरे पक्ष के धनजी पांडेय, राजू वाजपेयी, विवेक पांडेय और बबलू पांडेय पर मनमानी का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है. साकची स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता आयोजित कर मंदिर के नौ मुख्य पुजारियों ने आरोप लगाया कि शीतला मंदिर में पिछले पांच वर्षों से दुर्गा पूजा की आड़ में समिति के सदस्यों के साथ मिलकर मंदिर की चहारदीवारी तोड़कर वहां दुकान बनाकर पैसे उगाही का खेल चल रहा है. दुर्गा पूजा में प्रशासन व्यस्त रहने के का फायदा उठाते हुए राजू वाजपेयी अपने भाइयों के साथ मिलकर रात में दुकान तैयार कर उसे अगले दिन भाड़े पर लगा देते है और उसके बदले मोटी रकम भी वसूलते है. इसकी शिकायत मुख्य पुजारियों ने उपायुक्त और एसडीओ से की परंतु इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. इस संबंध में वरिष्ठ पुजारी मनोज पांडेय ने बताया कि मंदिर में कुछ वर्ष पूर्व ऐसे ही अतिक्रमण कर बनाये गए कई दुकानों को जिला प्रशासन द्वारा तोड़ कर सील कर दिया गया था. लेकिन एक बार फिर से यहां अतिक्रमण किया जा रहा है.

मंदिर कमेटी में रिटायर्ड जज को रखने की मांग

मुख्य पुजारियों ने मंदिर कमेटी में रिटायर्ड जज, आईएएस, आईपीएस एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों को शामिल करने का आग्रह किया है. कहा है कि इस दिशा में कोई सकारात्मक पहल नहीं होने पर मंदिर के मुख्य नौ पंडित आक्रोश रैली और अनशन करने को बाध्य हो जाएंगे. मुख्य पुजारियों ने राजू वाजपेयी पर जमीन का अतिक्रमण कर आलिशान मकान बनाये जाने का आरोप लगाया है. साथ ही मंदिर में निजी दानपेटी लगाने की जांच कर कार्रवाई की मांग की है. वहीं धनजी पांडेय पर भी कई गंभीर आरोप लगाए है.

आओ जानें

झारखंड सामान्य ज्ञान

झारखंड आंदोलन का जन्मदाता किसे माना जाता है?
उत्तर : जे बर्थोमान

झारखंड में चुआर विद्रोह का क्या कारण था?
उत्तर : बड़ाभूम का उत्तराधिकार

झारखंड में कोल विद्रोह किस वर्ष हुआ था?
उत्तर : 1831

खरवार आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?
उत्तर : भागीरथ मांझी

झारखंड राज्य के प्रसिद्ध क्रांतिकारी तिलका मांझी को किस वर्ष फांसी दी गई थी?
उत्तर : 178

मुगल काल में बंगाल की राजधानी झारखंड के किस क्षेत्र में थी?
उत्तर : राजमहल

झारखंड में ढाल विद्रोह कब शुरू हुआ था?
उत्तर : 1767 ई. में

नियमों को ताक पर रख हो रहा काम, उप सचिव ने डीसी को दिया आदेश

इंडस्ट्रियल एरिया से सटे अपार्टमेंट की करें जांच

संजीव मेहता। आदित्यपुर

प्रोजेक्ट की तस्वीर और जारी जांच के आदेश की प्रति

आरटीआई कार्यकर्ता की मांग पर आखिरकार सरकार के उप सचिव विष्णु कांत राय ने इंडस्ट्रियल एरिया से सटा कर बनाए जा रहे आशियाना के बहुमंजिला अपार्टमेंट निर्माण की जांच का आदेश उपायुक्त (डीसी) को दे दिया है. बता दें कि आदित्यपुर के वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता प्रो. सुरेंद्र कुमार महतो ने 18 सितंबर को सरकार के संबंधित अधिकारियों को मेल के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में निर्माणाधीन इस बहुमंजिली इमारत की जांच की मांग की थी. बता दें कि स्थानीय विधायक सह मंत्री चम्पई सोरेन पहले ही जांच के आदेश दे चुके हैं. मंत्री ने अपने आदेश में कहा था कि नियम कानून को ताक पर रखकर निर्माण कार्य कराया जा रहा है.

अपर आयुक्त, नगर निगम व सीएम को दी गई थी प्रतिलिपि : जांच की मांग की प्रतिलिपि अपर आयुक्त, नगर निगम आदित्यपुर और मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार के साथ निगरानी आयुक्त को दी गई थी. आरटीआई कार्यकर्ता ने इसमें नगर निगम को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि किस प्रकार नगर निगम के अधिकारियों तथा उद्योग विभाग के तत्कालीन सचिव ने सरकारी नियमों को ताख पर रखकर मेसर्स आशियाना हाउसिंग लिमिटेड को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं रेलवे के नियमों की धज्जियां उड़ाकर इंडस्ट्रियल एरिया 4 फेज में 7 एकड़ जमीन (जिसमें रैयतों एवम कुछ इंडस्ट्रीज की भी अतिक्रमित भूमि है) ''आशियाना आदित्य'' नामक एक बड़े परिसर में बहुमंजिली इमारतों का निर्माण करने की अनुमति दी है? ऐसी कौन सी परिस्थिति आ गई कि नगर निगम आदित्यपुर के पदाधिकारियों और उद्योग विभाग के पदाधिकारियों ने एक साथ मिलकर नियमों के विरुद्ध जाकर मेसर्स आशियाना हाउसिंग लिमिटेड को आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया के चौथे फेज के पास की 7 एकड़ भूमि में ''आशियाना आदित्य'' नामक बहुमंजिले परिसर के निर्माण हेतु नक्शा पास कर भवन बनाने की अनुमति दी है.

खास बातें

- 18 सितंबर को की गई थी जांच की मांग
- नियम कानून को ताक पर रखकर निर्माण कार्य जारी
- आरटीआई कार्यकर्ता ने की है जांच की मांग

2005 में इस प्रोजेक्ट को कर दिया गया था रद्द

आयडा के तत्कालीन प्रबंध निदेशक एवं सचिव ने 2005 में इस प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया था, फिर कैसे 2018 में इसके निर्माण की अनुमति दी गई है. मालूम हो कि आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया फेज 4 से सटकर आशियाना का बहुमंजिला अपार्टमेंट आशियाना आदित्य के निर्माण की जांच की मांग आरटीआई कार्यकर्ता प्रो. एसके महतो ने सरकार के प्रधान सचिव, प्रबन्ध निदेशक और नगर विकास एवं आवास विभाग से पत्र लिखकर की थी. इसके बाद अब सरकार के उप सचिव ने जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर जांच का आदेश दिया है. बता दें कि इस प्रोजेक्ट को 2005 में आयडा के तत्कालीन प्रबंध निदेशक एवं सचिव ने यह कहकर रद्द कर दिया था कि औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरणीय कारणों से एनओसी नहीं दी जा सकती है. चूंकि औद्योगिक क्षेत्र में आवायीय कॉलोनी का निर्माण उचित नहीं होगा. तो फिर अब किन कारणों से बहुमंजिला अपार्टमेंट निर्माण की अनुमति दी गई है.

दुर्घटना होने पर कौन होगा जिम्मेदार

जांच पत्र कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट के सारे निर्माण कार्य से लेकर इनके निवासियों के लिए एकमात्र रास्ता एवं इनके 4 व्हीलर्स ले जाने का रास्ता भी आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया होकर ही है. औद्योगिक क्षेत्र में कभी-कभी ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है कि भविष्य में भयंकर दुर्घटना हो सकती है. ऐसी घटना अगर भविष्य में होती है तो ''आशियाना आदित्य'' प्रोजेक्ट के भवनों के निवासियों के जान-माल की क्षति का जिम्मेवार कौन होगा?

सीओ चंचला कुमारी ने लिया बीडीओ का प्रभार

डुमरिया। डुमरिया अंचल अधिकारी चंचला कुमारी ने गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी का पदभार ग्रहण किया. बीडीओ साधु चरण देवगम ने उन्हें पदभार सौंपा. निवर्तमान बीडीओ साधुचरण देवगम का स्थानांतरण पश्चिमी सिंहभूम के कुचाई प्रखंड में हो गया है. निलेश कुमार मुर्मू का पदस्थापन डुमरिया प्रखंड में बीडीओ के रूप में किया गया है. उन्होंने अब तक योगदान नहीं दिया है. इस मौके पर सीओ चंचला कुमारी ने बीडीओ का प्रभार लेने के बाद ने कहा कि वे प्रखंड में विकास की रफ्तार को तेज करने का प्रयास करेंगी. निवर्तमान बीडीओ साधु चरण देवगम कुचाई प्रखंड में बीडीओ का पदभार ग्रहण करने के लिए गुरुवार को रवाना हो गए.

जर्जर सड़क पर चलने को विवश बहरागोड़ा के ग्रामीण

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मोटेल चौक से लेकर गंधानाटा तक जाने वाली सड़क की जर्जर हो चुकी है. लोग जर्जर सड़क पर चलने को मजबूर हैं. कई गांव के ग्रामीण इस सड़क की मरम्मत की मांग सालों से विभागीय अधिकारी तथा जनप्रतिनिधियों से करते आ रहे हैं. लेकिन साल दर साल केवल आश्वासन ही मिलता आ रहा है. इससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है. इस सड़क पर आए दिन साइकिल व बाइक से गिरकर लोग घायल हो रहे हैं. उधर, गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा सेवा हेतु आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

खास बातें

- साल दर साल आश्वासन ही मिलता आ रहा है
- इलाज के लिए आने-जाने में होती है काफी दिक्कत

मालकुंडी में जलमीनार जर्जर, हो सकती है अनहोनी

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया प्रखंड के मालकुंडी पंचायत अंतर्गत मालकुंडी गांव की सबर बस्ती की जल मीनार जर्जर हो गयी है. यह कभी भी ध्वस्त हो सकती है और किसी अनहोनी का कारण बन सकती है. जल मीनार से हर दिन 12 सबर परिवार पेयजल प्राप्त करते हैं. ऐसे में जल मीनार जर्जर होने से ग्रामीण भयभीत रहते हैं. ग्रामीणों ने विभाग से इसकी मरम्मत करने की मांग की है.

टोला के बंकिम सबर ने बताया कि वर्षों पूर्व निर्मित यह जल मीनार जर्जर हो गयी है. सीमेंटेड टंकी इतनी जर्जर है कि इससे झरने की तरह पानी चूता है. टंकी में पानी ठहर नहीं पाता है. टंकी के पिल्लर भी जर्जर हो गये हैं. उन्होंने कहा कि इसकी मरम्मत के लिए कई बार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा पंचायत के जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया गया. लेकिन आज तक इस पर कोई पहल नहीं किया गया.

11 स्टेशनों पर शुरू हुई एक स्टेशन एक उत्पाद योजना

धनबाद। धनबाद रेल मंडल में धनबाद समेत 11 स्टेशनों पर एक स्टेशन-एक उत्पाद योजना शुरू की गई है. रेलवे सूत्रों के अनुसार स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यह योजना शुरू की गई है. धनबाद, गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, बरकाकाना, लातेहार, टोरी, डाल्टनगंज, रेनुकुट, चोपन और सिंगरौली स्टेशन पर अस्थायी तौर पर 15 दिनों की अवधि के लिए वरीयता के आधार पर स्टॉल आवंटित किए जा रहे हैं. इसके अलावा रेल मंडल के 15 अन्य स्टेशनों हजारीबाग रोड, परसाबाद, पहाड़पुर, प्रधानखांटा, तेतुलमारी, कतरासगढ़, चन्द्रपुरा, रांची रोड, गोमिया, खलारी, पतरातू, बरवाडीह, गढ़वा रोड, गढ़वा, नगर उंटारी पर भी अस्थायी तौर पर 15 दिनों की अवधि के लिए वरीयता के आधार पर ट्रॉली आवंटित किए जा रहे हैं. उक्त स्टॉल या ट्रॉली 1000 रूपए प्रत्येक 15 दिनों के पंजीकरण शुल्क पर उपलब्ध है.

---

28 को धनबाद होकर चलेगी हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन

संवददाता। धनबाद

हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन 28 अक्टूबर को धनबाद होकर चलेगी. ट्रेन नंबर 02381 हावड़ा से सुबह 8.10 बजे खुलकर धनबाद, गया, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन होते हुए अगले दिन सुबह 8.30 बजे दिल्ली पहुंचेगी. ट्रेन का धनबाद पहुंचने का समय सुबह 11.55 बजे है. वापसी में ट्रेन नंबर 02382 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल 1 नवंबर को नई दिल्ली से रात 22.45 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 11.40 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, दोपहर 14.00 बजे गया और शाम 16.50 बजे धनबाद रुकते हुए रात 22.10 बजे हावड़ा पहुंचेगी. इस स्पेशल ट्रेन में स्लीपर के 10 कोच और सामान्य श्रेणी के 6 कोच होंगे. हटिया-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन भी 28 अक्टूबर को ही गोमो होकर चलेगी. ट्रेन नंबर 8857 हटिया से रात 20.15 बजे खुलकर रात 12.05 बजे गोमो, 1.15 बजे कोडरमा, तड़के 3.20 बजे गया, सुबह 7.35 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन रुकते हुए 29 अक्टूबर की देर रात 11.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी. वापसी में ट्रेन नंबर 08858 नई दिल्ली-हटिया स्पेशल 1 नवंबर को नई दिल्ली से रात 11.30 बजे प्रस्थान करेगी और दूसरे दिन दोपहर 13.05 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, शाम 4.30 बजे गया, शाम 5.55 बजे कोडरमा, 7.30 बजे गोमो रुकते हुए रात 11.55 बजे हटिया पहुंचेगी.

प्रबंधन के लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त

कोलियरी के मजदूर धरने पर

संवाददाता। निरसा

धरना पर बैठे मजदूर .

ईसीएल मुगमा क्षेत्र की लखीमाता कोलियरी के मजदूर प्रोन्नति सहित अन्य मांगों को लेकर गुरुवार को दो दिवसीय धरना पर बैठ गए. कोल माइंस वर्कर यूनियन के बैनर तले शुरू हुए आंदोलन का नेतृत्व उपेंद्र सिंह व जगदीश शर्मा कर रहे थे. दोपहर में प्रबंधन के साथ वार्ता में मिले लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया. यूनियन के उपेंद्र सिंह ने बताया कि कोलियरी में कार्यरत मजदूर कई समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन ईसीएल प्रबंधन उनकी अनदेखी कर रहा है. मजदूरों के पद व कार्य में काफी असमानता है. पद के विपरीत उनसे कार्य लिया जा रहा है. उन्हें पारिश्रमिक का सही तरीके व समय पर भुगतान भी नहीं किया जा रहा है. लंबे समय से प्रोन्नति भी नहीं मिली है. धरना के दौरान दोपहर करीब 2 बजे मुगमा क्षेत्र के पर्सनल मैनेजर धनंजय गुड़ाने व कोलियरी मैनेजर पी नायक धरनास्थल पर पहुंचे और यूनियन नेताओं से वार्ता की. वार्ता में प्रबंधन ने लिखित आश्वासन दिया कि 1 नवंबर को जारी होने वाली प्रमोशन लिस्ट मे लखीमाता कोलियरी के कुछ मजदूरों का भी नाम रहेगा. शेष मजदूरों का प्रमोशन अगले वर्ष के बजट में कर दिया जायेगा, जिसे मजदूर मान गए. वार्ता में यूनियन की और से उपेंद्र सिंह, जगदीश शर्मा, हरेंद्र सिंह, मुख्तार अंसारी, प्रदीप सिंह, सबीना खातून, संजीत रावत, संजय सिंह, विपिन मंडल आदि शामिल थे.

माले नेता राजेश यादव के हत्यारों की नहीं हुई गिरफ्तारी

हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए ग्रामीण हुए गोलबंद

संवाददाता। बेंगाबाद

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बेलडीह निवासी उपेंद्र गोस्वामी के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण गोलबंद हो गए हैं. गुरुवार को काफी संख्या में ग्रामीण महिला एवं पुरुषों ने एक जुट हो कर हत्यारों की अविलम्ब गिरफ्तारी को लेकर आवाज़ बुलंद की. माले नेता राजेश यादव की अगुवाई में ग्रामीणों ने इस जघन्य हत्याकांड के सभी आरोपियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग पुलिस प्रशासन से की. इस दौरान ग्रामीणों ने नारेबाजी कर गम और गुस्से का इज़हार किया. साथ ही मृतक के परिजनों के लिए न्याय की मांग की. मौके पर माले नेता राजेश यादव ने कहा कि घटना के दो दिन बीत जाने के बाद भी एक भी हत्यारों की गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई है. पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले अन्यथा ग्रामीण चुप नहीं बैठेंगे. उन्होंने पुलिस को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि पांच दिनों के अंदर हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो 1 नवंबर से ग्रामीण एक जुट होकर आंदोलन को बाध्य होंगे. उन्होंने मृतक उपेंद्र गोस्वामी के बच्चों के लिए सरकारी आवासीय विद्यालय में शिक्षा की व्यवस्था एवं उनके आश्रितों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की.

दहशत बीते एक सप्ताह से इलाके में जंगली हाथी जमकर मचा रहे हैं उत्पात

सुनसुनिया जंगल में पहुंचा 25 हाथियों का झुंड

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया प्रखंड क्षेत्र के भातकुंडा पंचायत अंतर्गत रेलवे लाइन से सटे सुनसुनिया साल जंगल में करीब 25 जंगली हाथियों का झुंड आ पहुंचा है. हाथियों के आने से आसपास के गांव के ग्रामीण दहशत में है. विदित हो कि इस जंगल के बीच से चाकुलिया धालभूमगढ़ मुख्य सड़क गुजरी है. आशंका जताई जा रही है कि जंगली हाथी लोगों को रेलवे लाइन और सड़क पार करने के दौरान नुकसान पहुंचा सकते हैं. यदि ऐसा हुआ तो यह बड़ी घटना का कारण बन सकते हैं.

बढ़ी परेशानी

- जंगली हाथी दिनभर आसपास के जंगलों में रहते हैं
- भातकुंडा व सोनाहातू में धान की फसल बर्बाद की

एक सप्ताह से जंगली हाथी इलाके में मचा रहे उत्पात

बता दें कि बीते एक सप्ताह से इस इलाके में जंगली हाथी जमकर उत्पात मचा रहे हैं. खेत में खड़ी धान की फसल को खाकर और पैरों से रौंद कर तहस-नहस कर रहे हैं. भातकुंडा और सोनाहातू पंचायत में हाथियों ने धान की फसल बर्बाद कर किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है. ग्रामीणों के मुताबिक, जंगली हाथी दिनभर आसपास के जंगलों में रहते हैं और शाम होते ही जंगल से निकलकर उत्पात मचाने लगते हैं. किसानों का कहना है कि अगर वन विभाग ने इन हाथियों को किसी सुरक्षित स्थान पर नहीं पहुंचाया तो क्षेत्र के किसान तबाह हो जाएंगे.

आखिर कैसे हो कचरे की सफाई?

हाल बेहाल: जैनामोड़ में फोरलेन चौराहा पर गंदगी का लगा है अंबार

संवाददाता। बोकारो

बोकारो जिले के जैनामोड़ फोरलेन चौराहे के सामने मेन रोड में पिछले कई महीने से कचरे का अंबार लगा है. इसके बावजूद न तो एनएचआइ को इसकी फिक्र है, न ही स्वच्छता विभाग इसपर कोई पहल कर रहा है. इस रास्ते से सैकड़ों छोटे बड़े वाहनों के अलावा हजारों बाइक गुजरते हैं, जो इस गंदगी की बदबू से परेशान हैं. मालूम हो कि जैनामोड़ फोरलेन के सामने कब्रिस्तान की चहारदीवारी के सामने गंदगी जमा है. यह गंदगी इस चौराहे के आसपास के होटलों का कचरा है. खासकर जैनामोड़ से बहादुरपुर की ओर जानेवाली सड़क किनारे कई चाय एवं नाश्ता की दुकानें हैं, जो चाय की प्याली समेत होटलों के कचरे को सड़क किनारे ही फेक देते हैं. सड़क किनारे जमा इन कचरों के निस्तारण को लेकर स्वच्छता विभाग की ओर से जैनामोड़ में कोई व्यवस्था नहीं है.

बनाई गई है निस्तारण की योजना

जैनामोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि जैनामोड़ के विभिन्न चौक चौराहे में जमा कचरा के उठाव व निस्तारण की योजना बनाई गई है. इस संदर्भ में चैंबर ने पूर्व बीडीओ व सीओ को पत्र देकर कचरा को जैनामोड़ से बाहर किसी सुनसान स्थान पर निस्तारण हेतु जमीन उपलब्ध कराने की मांग भी की थी, लेकिन बीडीओ एवं सीओ के तबादले के बाद यह मामला आगे नहीं बढ़ पाया. चैंबर अध्यक्ष ने बताया है कि जैनामोड़ के एक एनजीओ के साथ मिलकर जल्द ही कचरा उठाव एवं निस्तारण की योजना तैयार की जा रही है. जल्द ही जैनामोड़ की गंदगी हटा दी जाएगी.

ब्रीफ खबरें

फेल रही भाजपा की संकल्प यात्रा : कांग्रेस

कतरास। बाघमारा में आहूत भाजपा की संकल्प यात्रा फेल रही है. इसमें स्थानीय लोगों की जगह भीड़ जुटाने के लिए दूर दराज से लोगों को लाया गया था. यह वक्तव्य पांडेडीह में कांग्रेस द्वारा आहूत प्रेस वार्ता में पार्टी के राजेश राम ने कही. उन्होंने कहा कि उक्त कार्यक्रम को लेकर प्रखंड कार्यालय जानेवाली सड़क को नेताओं को दिखाने के लिए दुरुस्त कराया गया. राम ने कहा कि कार्यकर्ताओं को दिखाने के बजाय जमीनी हकीकत का काम होना चाहिए. इस मौके पर लगन देव यादव, धनेश्वर ठाकुर, विकास सिंह, टी पी पांडे, ओम प्रकाश कुंवर, मुन्ना नापित उपस्थित थे.

पूर्व विधायक ने किया धर्मकांटा का उद्घाटन

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ थाना क्षेत्र के रांची- चतरा में बरनी ग्राम के पास गौतम धर्मकांटा का उदघाटन पूर्व विधायक प्रकाश राम ने फीता काटकर किया. राम ने कहा कि कोलयरी क्षेत्र होने के कारण इस तरह के प्रतिष्ठान की बहुत ही जरूरत थी. आज यह पूरा हो गया है. कांटा के लिए बालूमाथ से निकलने वाली ट्रक हाईवा इधर-उधर नहीं भटकेंगे. मौके पर गौतम धर्मकांटा के मालिक गोपाल सिंह ने कहा कि यह धर्मकांटा पूरी तरीके से कंप्यूटरीकृत है. मौके पर राजकुमार पाठक, लव कुश सिंह,अरबिंद सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष बारियातू लव सिंह मौजूद थे.

रांची में कल कांग्रेस का प्रशिक्षण कार्यक्रम

देवघर। आगामी चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस सांगठनिक कार्यक्रमों पर विशेष बल दे रही है. इसी को लेकर गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिला अध्यक्षों के साथ एक वर्चुअल मीटिंग की. बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने जिलाध्यक्षों को कई जिम्मेवारी सौंपी. जिसमें संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यक्रमों को जल्द से जल्द पूरा करने को कहा. वहीं पिछड़े वर्ग को पार्टी की मुख्यधारा में जोड़ने के लिये चलाये जा रहे लीडरशिप डेवलेपमेंट मिशन के तहत राजधानी रांची में 28 अक्टूबर को आयोजित होने वाले विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गयी.

काशी दर्शन के लिए रवाना हुआ जत्था

हजारीबाग। हजारीबाग भाजपा महिला मोर्चा का जत्था काशी दर्शन के लिए गुरुवार को रवाना हो गया. हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा ने रक्षाबंधन पर भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों की मांग पर उनसे वादा किया था कि काशी दर्शन करने के लिए व्यवस्था की जाएगी. उसी वादा को पूरा करते हुए सांसद ने भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेणुका साहू के नेतृत्व में बस से काशी दर्शन के लिए महिला मोर्चा के सदस्यों को रवाना किया. महिलाओं ने सांसद जयंत सिन्हा का आभार व्यक्त करते हुए इसके लिए धन्यवाद दिया है.

कांग्रेस ने समाधान का आश्वासन दिया

गोविंदपुर। कांग्रेस की सिंदरी विधानसभा क्षेत्र प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष शाहिदा कमर ने गुरुवार को महुबनी पंचायत में ग्रामीणों के साथ बैठक की और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि झामुमो- कांग्रेस गठबंधन सरकार राज्य की बेहतरी के लिए काम कर रही है. ग्रामीणों को झारखंड सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए. उन्होंने कहा कि सर्वजन पेंशन योजना सरकार की बड़ी योजना है. इसके तहत कोई भी ग्रामीण प्रखंड कार्यालय में आवेदन देकर 1000 रुपए प्रतिमाह पेंशन प्राप्त कर सकते हैं.

प्रधानमंत्री युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

धनबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अक्टूबर को धनबाद के 180 युवाओं को रेलवे में नौकरी के लिए ऑनलाइन नियुक्ति पत्र देंगे. रेल सूत्रों के अनुसार धनबाद समेत कई रेल मंडल में रोजगार मेला का आयोजन होगा. देशभर में 51 हजार अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी मिलेगी. धनबाद में रेलवे ऑडिटोरियम में दोपहर 01.00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन होगा. ईसीआर हाजीपुर जोन के अंतर्गत हाजीपुर के वैशाली प्रेक्षागृह, पटना, धनबाद और पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर में रोजगार मेला का आयोजन होगा.

प्रदेश कांग्रेस कमेटी का 'आ अब लौट चलें'अभियान, 28 अक्टूबर को होगी घर वापसी

गीताश्री उरांव फिर थामेंगी कांग्रेस का दामन

संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव एक बार फिर कांग्रेस में शामिल होने जा रही है. झारखंड प्रदेश कमेटी द्वारा चलाये जा रहे ' आ अब लौट चलें ' अभियान के तहत उनकी यह घर वापसी हो रही है. एक प्रेस वक्तव्य के माध्यम से गीताश्री उरांव ने यह जानकारी दी है. उन्होंने कहा है कि 28 अक्टूबर को वह कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की उपस्थिति में फिर कांग्रेस का दामन थामेंगी. घर वापसी का यह कार्यक्रम 28 अक्टूबर को इटकी रोड स्थित मेजर कोठी के समीप आगमन बैंक्वेट हॉल में दोपहर तीन बजे आयोजित होगा. इस दौरान

कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम और अन्य कांग्रेसी नेता उपस्थित रहेंगे. मालूम हो कि गीताश्री उरांव ने हाल के दिनों में व्यक्तिगत कारणों से कांग्रेस से किनारा कर लिया था.

खास बातें

- झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे उपस्थित रहेंगे
- व्यक्तिगत कारणों से कांग्रेस से कर लिया था किनारा

आज धनबाद में जुटेंगे कांग्रेस के दिग्गज, चुनावी मुद्दों पर होगी चर्चा

धनबाद। धनबाद लोकसभा समन्वय समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को धनबाद के बेकारबांध स्थित ब्लेसिंग हॉल में बैठक होगी, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होगी. इसमें कांग्रेस के कई दिग्गज नेता जुटेंगे. बैठक में संगठन सशक्तीकरण ,2024 के लोकसभा चुनाव सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे , झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, धनबाद लोकसभा समन्वय

समिति के संयोजक अजय कुमार दुबे , स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता , प्रभारी जलेश्वर महतो,धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह , कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी एवं बोकारो कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमेश गुप्ता उपस्थित रहेंगे.

आओ जानें

सरायकेला से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	भाजपा	अनंत राम टुडू
2005	झामुमो	चंपई सोरेन
2009	झामुमो	चंपई सोरेन
2014	झामुमो	चंपई सोरेन
2019	झामुमो	चंपई सोरेन

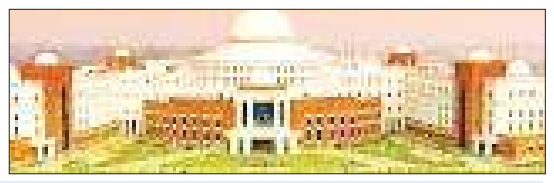

मिशन 2024 : जिला, प्रखंड अध्यक्ष और सचिव के साथ की बैठक

चुनावी तैयारी में जुट जाएं झामुमो कार्यकर्ता : हेमंत

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन मिशन 2024 को लेकर एक्शन मोड में आ गए हैं. उन्होंने राज्य भर के जिला और प्रखंड अध्यक्षों एवं सचिवों को रांची तलब किया. गुरुवार को रांची के सोहराई भवन में बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने इस बैठक में चार साल बाद नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनने, जोश देखने के साथ ही उनका नब्ज टटोलने का काम किया. उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने बहुत उम्मीद के साथ हम पर विश्वास किया और अपना समर्थन दिया. जनता के इस विश्वास पर सरकार के साथ-साथ संगठन की भी जिम्मेवारी बनती है कि वह खरा उतरे.

सरकार ने चार साल में कई योजनाएं चलायी. कई काम किए. इसे सरकार तो अपने माध्यम से जनता के बीच ले जाने का काम कर रही है, मगर संगठन के लोगों का भी यह दायित्व बनता है कि इन योजनाओं को जनता तक ले जाने का काम करें, ताकि उसका फायदा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे. उन्होंने नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारी में जुटने का निर्देश दिया. कहा कि राजनीतिक दल हमेशा ही चुनाव की तैयारी करते हैं. अनवरत संगठन की तैयारी इसे लेकर चलते रहती है. 16 नवंबर से फिर से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू हो रहा है. इसमें भी पार्टी-संगठन के लोगों को जुटने की जरूरत है.

खास बातें

- कहा- हमें जनता की उम्मीद पर खरा उतरना है
- संगठन के लोग योजनाओं को जनता तक ले जाएं

झामुमो बड़ा भाई, सीट बंटवारे के लिए हेमंत अधिकृत

विनोद पांडेय ने बताया कि यह सभी जानते हैं कि गत चुनाव में झारखंड की राजनीतिक परिस्थिति बदल चुकी है. गठबंधन में शामिल सभी दल जानते हैं कि झामुमो यहां बड़े भाई की भूमिका में है. हमारे कार्यकारी अध्यक्ष एवं सीएम हेमंत सोरेन इंडिया गठबंधन कोर संयोजक कमेटी के सदस्य भी हैं. जब इंडिया गठबंधन की बैठक होगी, तो हेमंत सोरेन अपनी बात रखेंगे, इसके लिए वे अधिकृत किए जा चुके हैं. वे जो भी निर्णय करेंगे, पार्टी-संगठन के लिए वह मान्य होगा.

गठबंधन की मांग हुई तो सीएम जाएंगे चुनाव प्रचार में : विनोद

विनोद पांडेय ने कहा कि झामुमो और हेमंत सोरेन इंडिया गठबंधन के महत्वपूर्ण अंग हैं. अभी पांच राज्यों में चुनाव होने हैं,जहां कई आदिवासी बहुल सीटें हैं. झामुमो ने वहां प्रत्याशी तो नहीं दिया है, लेकिन गठबंधन की ओर से मांग हुई, तो निश्चित रूप से हेमंत सोरेन चुनाव प्रचार में जाएंगे. अभी तक इसकी मांग गठबंधन की ओर से नहीं आयी है.

जिलाध्यक्षों ने कहा-अफसर साथ नहीं देते सीएम बोले- अफसरों को काम करना होगा

बैठक में कई जिलाध्यक्षों एवं प्रखंड पदाधिकारियों ने सीएम के समक्ष यह बातें उठायी कि हमारी सरकार यहां चल रही है. कई योजनाएं चल रही हैं, जिसका लाभ जनता को मिल रहा है. मगर इसे लागू करवाने में अफसर मदद नहीं करते हैं, नहीं सुनते हैं. पार्टी पदाधिकारियों की शिकायतों पर सीएम ने कहा कि ऐसा नहीं चलेगा. यह सरकार जनता ने बनायी है. अफसरों को सहयोग करना होगा और काम करना होगा.

चुनाव एवं संगठन के मद्देनजर कई कार्यक्रम तय : बैठक के बाद पार्टी ब्रीफिंग में महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि आज की बैठक इसलिए महत्वपूर्ण रही, क्योंकि इसमें खुद पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन शामिल हुए. बैठक में पूरे राज्य से जिला व प्रखंड के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल हुए. बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ सरकार की योजनाओं को जनता के बीच बेहतर ढंग से ले जाने और उसका लाभ उन्हें पहुंचाने का निर्देश दिया गया. पार्टी नेताओं को सदस्यता अभियान मजबूती से चलाने और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने कहा कि बैठक सरकार और पार्टी स्तर पर कई तरह के कार्यक्रम तय किए गये हैं, जिसे पार्टी जल्द ही बारी-बारी से जारी करेगी.

हेमंत सरकार फेल : बाबूलाल

संवाददाता। कतरास

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आहूत संकल्प यात्रा के तहत गुरुवार यहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार फेल हो गई है. झारखंड में सबसे ज्यादा आदिवासी त्रस्त हैं. यह बात मरांडी ने बाघमारा पोलो ग्राऊंड में आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए कही. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संकल्प यात्रा के तहत बाघमारा में उमड़ी भीड़ यह दर्शा रही है कि झारखंड की जनता बदलाव के लिए जाग चुकी है. मरांडी ने कहा कि यह संकल्प यात्रा नहीं बल्कि जन संकल्प यात्रा है. उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के साढ़े नौ वर्ष हो चुके हैं. प्रधानमंत्री ने उन मां बहनों की इज्जत को ढकने का काम किया, जो अपने घर में शौचालय नहीं होने के कारण घरों से बाहर जाती थी. उन्होंने मां बहनों के लिए जन धन खाता खुलवाने का काम किया. पहले के सरकार में दिल्ली से जो पैसा भेजा जाता था, वह पैसा पूरा नहीं जाता था.

राज्य में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी : मरांडी ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के खाते में पैसा भेजने का काम किया. 35 प्रतिशत महिलाओं को लोकसभा में आरक्षण देने की घोषणा की. जो गरीब स्वास्थ्य सेवा से वंचित थे. उनके लिए आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख की स्वास्थ्य योजना देने का काम किया. मरांडी ने कहा कि झारखंड में क़ानून व्यवस्था चौपट हो गई है.

राज्य में में चोरी, डकैती, लूट एवं हत्या की घटनाएं बढ़ी है. राज्य में हर दिन 5 लोगों की हत्या हो रही हैं. राज्य में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी है. राज्य में किसी भी दफ्तर में बिना पैसा दिए कोई काम नहीं होता है. राशन कार्ड में जोड़ने का काम 500 रुपया लेकर किया जाता है. हेमंत सोरेन को ईडी वालों ने बार बार नोटिस दिया तो वह भागते फिर रहे हैं. मरांडी ने कहा की महाजनों के विरोध में में लड़ते-लड़ते ये खुद महाजन बन गए हैं.

खास बातें

- पीएम ने मां, बहनों की इज्जत को ढंकने का काम किया है
- झारखंड की जनता बदलाव के लिए अब जाग चुकी है

अनाज में भी सेंधमारी

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मोदी की सरकार ने कोरोना काल में 80 करोड़ की गरीब आबादी को 5 किलो मुफ्त अनाज देने का काम किया. मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार उस अनाज में भी सेंधमारी करने का काम कर रही है. महीने का राशन गायब कर उस पैसे को अपनी तिजोरी में भरने का काम किया जा रहा है. श्री मरांडी ने कहा की झारखंड में सबसे ज्यादा आदिवासी त्रस्त हैं. मरांडी ने कहा कि नरेंद्र मोदी गरीबों की चिंता करते हैं. पहले शहर में गैस का इस्तेमाल अमीर लोग करते थे. अब गरीब के घर में भी गैस पहुंचाने का काम मोदी सरकार ने किया है. हॉल ही में गैस में 200 रुपया सब्सिफी देने का काम मोदी सरकार ने किया हैं. कुशल कारीगरों को मोदी सरकार ने ट्रेनिंग एवं भत्ता देने की योजना बनाई है.

हेमंत सरकार में कोई सुरक्षित नहीं : ढुल्लु

मौके पर बाघमारा के विधायक ढुल्लु महतो ने कहा कि झारखंड में चार वर्षो के दौरान बनी हेमंत सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है. राज्य में लोग भय के माहौल में ज़ी रहे हैं. पुरे झारखंड में अराजकता का माहौल है. राज्य में कोयला, लोहा, बालू की दिनदहाड़े चोरी व लूट हो रही है. ढुल्लु महतो ने कहा कि वे सरकार को चुनौती देते हैं कि वे इसकी निष्पक्ष जांच करा लें. मौके पर चंद्रशेखर सिंह, रमेश राही, सरोज सिंह, शत्रुघ्न महतो, महादेव पासवान, संजय सिंह उपस्थित थे. इसके पूर्व डुमरा के माथा बांध ग्राउंड से पैदल यात्रा निकाली गई जो जुलूस की शक्ल में बाघमारा के पोलो ग्राउंड में पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई.

झूठ बोलने की आदत से मजबूर हैं सीएम : बाबूलाल

संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने दुमका के हंसडीहा मॉब लिंचिंग की घटना को लेकर हेमंत सरकार पर हमला किया है. बाबूलाल ने ट्वीट कर कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झूठ बोलने की आदत से मजबूर हैं. कहते हैं कि उनके शासन में प्रदेश में मॉब लिंचिंग की एक भी घटना नहीं हुई है, जबकि उनके जिले में ही आदिवासी युवक की सरेराह हत्या कर दी गयी है. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सिर्फ अपने घोटालों को छिपाने के लिए आदिवासी समाज को ढाल बना रहे हैं, जबकि उन्हें अपनी

चरवाहों ने पीट-पीटकर मार डाला

गौरतलब है कि 22 अक्टूबर को हंसडीहा थाना क्षेत्र के ठाड़ी गांव के पास चरवाहों ने एक आदिवासी छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी. मृतक का नाम आनंद लाल सोरेन है. वह पोडैय़ाहाट स्थित संत फ्रांसिस स्कूल में दसवीं का छात्र था. वह फुटबॉल मैच देखकर वापस लौट रहा था. इसी दौरान रास्ते में उसकी बाइक से भैंस को ठोकर लग गयी. वहां मौजूद चरवाहों ने छात्र को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मार डाला.

जिम्मेदारियों को समझकर उसमें सुरक्षा करनी चाहिए.

भाजपा की बैठक में चुनाव पर की गई चर्चा

धनवार (गिरिडीह)। धनवार विधानसभा क्षेत्र के मंसाडीह मंडल के चट्टीग्राम में गुरुचरण की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक की गई. इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लक्ष्मण प्रसाद सिंह उपस्थित हुए. बैठक में मुख्य रूप से आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव को लेकर विचार विमर्श किया गया. बैठक में मुख्य रूप से आईटी सेल प्रभारी विवेक विकास, जिला मंत्री पवन साह, राष्ट्रीय हिंदू महासभा के उपाध्यक्ष स्वामी सीताराम शरण, विश्वेश्वर पांडे, मंडल सचिव छत्रधारी वर्मा, राजू गोस्वामी, भागीरथ रजक, कालेश्वर राय, राम अवतार, हरिहर कुमार, रामदेव साव, निरंजन साव मुख्य रूप से उपस्थित थे.

भाजपा की नई कार्यसमिति की घोषणा जल्द

प्रमुख संवाददाता। रांची

नवंबर के पहले सप्ताह में भाजपा की नयी प्रदेश कार्यसमिति का गठन होने की संभावना है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 28 अक्टूबर को संकल्प यात्रा खत्म करने के बाद अपनी नई टीम की घोषणा कर सकते हैं. भाजपा ऑफिस के सूत्रों के मुताबिक, नई कार्यसमिति में शामिल किये जाने वाले नेताओं की लिस्ट लगभग तैयार है. थोड़ी-बहुत बदलाव के बाद बाबूलाल मरांडी की सहमति के बाद नई कार्यसमिति की घोषणा हो जाएगी. नई कार्यसमिति में अधिकांश नये चेहरे नजर आएंगे. कई जिलाध्यक्षों के बदले जाने की भी चर्चा है.

4 महीने से एक्सटेंशन पर चल रही है पिछली कार्यसमिति : फिलहाल भाजपा में पूर्व प्रदेश

खास बातें

- नई कार्य समिति में ज्यादातर नए चेहरों की संभावना
- कई जिलाध्यक्षों को बदले जाने की चर्चा

अध्यक्ष दीपक प्रकाश की बनाई हुई कॉन्फिडेंशियल कार्यसमिति काम

कर रही है. जुलाई 2020 में प्रदेश महामंत्री, मंत्री, उपाध्यक्ष, प्रवक्ता समेत अन्य पदों पर करीब 40 पदाधिकारियों के नाम की आधिकारिक घोषणा हुई थी, लेकिन कार्यसमिति सदस्यों की कोई लिस्ट जारी नहीं की गई थी. दीपक प्रकाश का कार्यकाल खत्म होने के बाद पूर्व की कार्यसमिति एक्सटेंशन पर चल रही है.

व्यस्तता की वजह से बाबूलाल मरांडी नहीं बना सके हैं नई टीम

भाजपा ने जुलाई महीने में बाबूलाल मरांडी को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है. लेकिन 4 महीने बाद भी उन्होंने अपनी नई टीम की घोषणा नहीं की है. पार्टी की कमान संभालने के बाद अगस्त से ही वे संकल्प यात्रा में निकल गये. उनकी व्यस्तता के कारण नई कार्यसमिति का गठन नहीं हो पाया है. 28 के बाद वे अपनी यात्रा से फ्री होकर सांगठनिक कार्यों और संगठन को दुरुस्त करने में अपनी ऊर्जा लगाएंगे. इस बीच वे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में होने वाले चुनाव में भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने जाएंगे.

सिंदरी रावण दहन कार्यक्रम का सफल आयोजन, अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी से निभाई

भाजपा नेता ने समिति सदस्यों को किया सम्मानित

संवाददाता। सिंदरी

जनता श्रमिक संघ संयुक्त महामंत्री सह भाजपा नेता लक्की सिंह ने रावण दहन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर रावण दहन समिति के सदस्यों को सम्मानित किया. लक्की सिंह ने कार्यक्रम संयोजक दिनेश सिंह सहित समिति के अन्य सदस्यों को गुरुवार को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया. विगत 65 वर्षों के इतिहास में यह पहला मौका है, जब कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों को सम्मानित किया गया.

समिति ने अहम भूमिका निभाई : लक्की सिंह ने बताया कि शहरपुरा शिव मंदिर प्रांगण में लाखों लोगों के

बीच रावण दहन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराना रावण दहन समिति का दुर्लभ कार्य है. कई वर्षों से इस समिति ने अपनी अहम भूमिका निभाई है. इस खुशी में समिति सदस्यों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया है. वहीं समिति संयोजक सह शिव मंदिर कमेटी सचिव दिनेश सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कई वर्षों से समिति रावण दहन कार्यक्रम संपन्न कराती आ रही है. लेकिन यह पहला मौका है, जब समिति के सदस्यों को सम्मानित किया गया है.

खास बातें

- 65 वर्षों में पहली बार सम्मान समारोह का आयोजन
- अंग वस्त्र ओढ़ा आयोजकों को सम्मानित किया गया

ये लोग रहे मौजूद

रावण दहन समिति के सदस्यों में सचिव सह पूर्व पार्षद दिनेश सिंह, भाजपा कार्यसमिति सदस्य बृजेश सिंह, कामेश्वर सिंह, संजय सिंह, रासबिहारी सिंह, विदेशी सिंह, सुनील सिंह, सुरेश सिंह, राहुल सिंह, रमेश सिंह शामिल थे. मौके पर जश्रसं संयुक्त महामंत्री लक्की सिंह, विमल सिंह, गुड्डू सिंह, राजू सिंह, मनोज दुबे, बसंत सिंह, सुभम सिंह, अमृत सिंह, पंकज सिंह, दीपक सिंह, गोविंदा सिंह, सुनील उपाध्याय आदि मौजूद रहे.

28 को एकता दिवस के रूप में मनेगी सूर्यनाथ की पुण्यतिथि

संवाददाता। बेरमो

जनता मजदूर संघ की सीसीएल इकाई के पूर्व रिजनल सचिव सूर्यनाथ सिंह की 9वीं पुण्यतिथि 28 अक्टूबर को करगली स्थित महिला मंडल (विवाह मंडप) में मनाई जाएगी. उनके पुत्र नंदलाल सिंह ने बताया कि पुण्यतिथि एकता दिवस के रूप में मनायी जाएगी. सूर्यनाथ सिंह श्रमिकों व कंपनी के हित के लिए और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ अंतिम समय तक संघर्ष करते रहे. वे सरल व्यवहार व सादगी पूर्ण रहन-सहन के लिए बेरमो कोयलांचल सहित पूरे सीसीएल और बीसीसीएल में जाने जाते थे. वे मजदूरों का काम बिना भेदभाव के करते थे. वे बिहार के तत्कालीन

मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी दुबे, राम सुंदर दास, रामदास सिंह, बसावन सिंह, मिथिलेश कुमार सिन्हा व स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह की यूनियनों से जुड़े रहे. हिंद मजदूर सभा बिहार और झारखंड के वह कई वर्षों तक प्रदेश उपाध्यक्ष रहे. वह आजीवन जनता मजदूर संघ सीसीएल के रिजनल सचिव पद पर बने रहे.

ब्रीफ खबरें

सड़क पर पलटा ऑटो, कई घायल

जमशेदपुर । बिष्टुपुर थाना अंतर्गत बागे जमशेद गोलचक्कर के पास गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई. इस घटना में ऑटो सवार महिला समेत अन्य घायल हो गए. घटना के बाद लोगों की मदद से ऑटो घायलों को इलाज के लिए टीएमएच पहुंचाया गया. वहां सभी को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया. जानकारी के अनुसार ऑटो तेज रफ्तार से बिष्टुपुर से मानगो की ओर जा रही थी.

पाथराघाटी गांव में छह खस्सी की चोरी

चाकुलिया। चाकुलिया थाना क्षेत्र के प्रखंड के माटियाबांधी पंचायत के पाथराघाटी गांव निवासी अलोका महतो के घर से बुधवार की रात अज्ञात लोगों ने छह खस्सी की चोरी कर ली है. जानकारी के अनुसार बुधवार की रात माटियाबांधी गांव में झूमर संगीत का कार्यक्रम आयोजित था. परिवार के सभी लोग झूमर संगीत कार्यक्रम में गए थे. घर में कोई नहीं था. बताया जाता है कि अज्ञात चोरों ने इसी का फायदा उठाया. रात में अज्ञात चोर डाला टेंपू लेकर अलोका महतो के घर पहुंचे.

शिशु मंदिर में ताला तोड़कर चोरी

सिमडेगा/ठेठईटांगर । ठेठईटांगर बाजार टांड़ के पीछे सरस्वती शिशु मंदिर में चोरों ने ताला तोड़कर की चोरी. गुरुवार सुबह शिक्षक राम प्रताप प्रधान स्कूल खोलने पहुंचे. स्कूल पहुंचने पर शिक्षक ने ऑफिस का दरवाजा खुला पाया. ऑफिस के अंदर रखा आलमीरा खुला था. उसमें रखे कागजात जमीन और टेबल में बिखरे पड़े थे. साथ ही पॉलीथिन में करके आलमीरा में रखे पैसे भी गायब थे. प्रधानाध्यापक राम प्रताप ने तुरंत थाना पहुंचकर सूचना देते हुए आवेदन दिया.

गुब्बारा बेच रहे व्यक्ति के साथ मारपीट, घायल

देवघर। जसीडीह थाना क्षेत्र के पुनासी गांव के दुर्गा पूजा मेला में गुब्बारा बेचने आये एक व्यक्ति की पिटाई कर जख्मी कर दिया. पुनासी गांव निवासी विक्की रवानी ने थाने में लिखित शिकायत करते हुए बताया कि पुनासी गांव स्थित दुर्गा पूजा मेला में गुब्बारा बेच रहा था. उसी दौरान पुनासी गांव के ही कुंदन रवानी, चंदन रवानी, मंटू रवानी और राहुल रवानी सभी ने गुब्बारा खरीदने के बहाने विवाद करने लगे. गाली-गलौज करते हुए जान मारने की नियत से डंडे से मेरे सिर पर प्रहार कर दिया.

एमजीएम अस्पताल से डॉक्टर का पर्स गायब

जमशेदपुर । जमशेदपुर में चोरों ने एमजीएम अस्पताल परिसर में चोर ने डॉक्टर का पर्स चुरा लिया. घटना बुधवार दोपहर की बताई जा रही है. दरअसल, एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पीडी सेकेंड ईयर की छात्रा डॉक्टर राबिया इमाम हर दिन की तरह अस्पताल के ओपीडी वार्ड के रूम नंबर 17 में मरीजों की जांच कर रही थी. उनका पर्स कमरे के अंदर रखा हुआ था. इसी बीच भीड़ का फायदा उठाकर चोर कमरे में घुसा और पर्स चुराकर भाग गया. सीसीटीवी में एक युवक पर्स चुराते देखा गया.

देह व्यापार की सूचना पर होटल में छापेमारी

जमशेदपुर । साकची थाना अंतर्गत आमबगान स्थित होटल सुविधा में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने गुरुवार देर शाम छापेमारी की. पुलिस को देख होटल में अफरा–तफरी मच गई. मौके से कई युवक और युवतियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है. वहीं, होटल के कमरों से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए गए हैं. सूत्रों के अनुसार होटल में कई दिनों से धंधा चल रहा था. इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की.

ट्रक में लगी आग पिछला हिस्सा जला

जमशेदपुर । परसुडीह स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में गुरुवार की दोपहर अचानक एक ट्रक में आग लग गई. जब तक कोई कुछ समझ पाता तब तक ट्रक के पिछले हिस्से में आग पूरी तरह फैल गई थी. वहां मौजूद व्यापारियों व मजदूरों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे. मौके पर अग्निशमन विभाग पहुंची और आग पर काबू पाया. घटना में ट्रक के पीछे के चार चक्के पूरी तरह से जलकर राख हो गए.

मणिपुर हिंसा : गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया

सूबे के आईपीएस अधिकारी करेंगे जांच

सौरभ सिंह। रांची

मणिपुर हिंसा की जांच के लिए सीबीआई की एसआईटी में झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारी को भी शामिल किया गया है. वर्ष 2015 बैच के आईपीएस सुभाष चंद्र जाट को प्रतिनियुक्ति पर सीबीआई में भेजा गया है. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया है.

जारी आदेश में कहा गया है कि आईपीएस अजय कुमार सिन्हा को मणिपुर हिंसा से संबंधित कांड की जांच के लिए सीबीआई में प्रतिनियुक्ति किया गया था. लेकिन स्वास्थ्य कारणों की वजह से अजय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति निरस्त की जाती है और उनके स्थान पर आईपीएस सुभाष चंद्र जाट को सीबीआई में प्रतिनियुक्त किया जाता है. बता दें कि मणिपुर हिंसा की जांच पर सुप्रीम कोर्ट खुद नजर रखे हुए है.

3 मई को शुरू हुई थी मणिपुर में हिंसा : बता दें कि इस साल तीन मई को मणिपुर में पहली बार जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 160 से अधिक लोग मारे गये थे. वहीं सैकड़ों लोग घायल भी हुए थे.

बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किये जाने के दौरान यह हिंसा भड़की थी. मणिपुर की कुल आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी नगा और कुकी समुदाय के लोगों की संख्या 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं.

गैरेज में लहरा रहे थे हथियार पुलिस ने तीन लोगों को पकड़ा

संवाददाता। रांची

पुलिस ने हथियार के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. यह मामला जिले के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित सदाबहार चौक का है. जहां हिंद मोटर गैरेज से बुधवार देर शाम पुलिस ने तीन लोगों को पिस्टल और गोली के साथ गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक, रांची पुलिस के वरीय अधिकारी को किसी ने फोटो वीडियो भेजा था. वीडियो में हथियार लहराते दो तीन युवक दिख रहे थे. सूचना देने वाले ने यह भी बताया कि तीनों किस जगह पर हैं.

किसी ने वीडियो भेज पुलिस को दी जानकारी : पुलिस मौके पर पहुंची और फोटो से मिलान कर दो युवकों को पकड़कर तलाशी ली. इस दौरान पुलिस को दोनों के पास से पिस्टल और 6 से ज्यादा गोली मिली. इसके बाद पुलिस ने गैरेज संचालक का बेटा शाहबाज अंसारी और खुशी स्वीट संचालक का बेटा मोना घोष को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि पिस्टल चाय बागान निवासी दिलीप रजक ने रखने के लिए दिया था. पुलिस ने छापेमारी कर दिलीप रजक को भी गिरफ्तार कर लिया.

आओ जानें

झारखंड के 1825 लोगों ने किया सुसाइड, जानें बाकी राज्यों की स्थिति

बिहार	: 827	छत्तीसगढ़	: 7828
सिक्किम	: 268	ओडिशा	: 5651
असम	: 3262	त्रिपुरा	: 771
अरुणाचल प्रदेश	: 160	महाराष्ट्र	: 22207
गुजरात	: 8789	तेलंगाना	: 10171
मध्यप्रदेश	: 14965	गोवा	: 321
झारखंड	: 1825	कर्नाटक	: 13056
पश्चिम बंगाल	: 13500	आंध्रप्रदेश	: 8067
मेघालय	: 226	केरल	: 9549
नागालैंड	: 43	तमिलनाडु	: 18925
मणिपुर	: 49	लद्दाख	: 11
मिजोरम	: 99	जम्मू कश्मीर	: 247

पुलिस ने किया बरामद, बच्ची को संरक्षण देने वाला हुआ गिरफ्तार

फूफा की प्रताड़ना से तंग आकर भागी थी नाबालिग

आशीष टैगोर । लातेहार

पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने प्रेसवार्ता में बताया : फूफा स्कूल जाने से भी करते थे मना, कहते थे-ज्यादा बदमाशी करोगी तो शादी करा देंगे

पुलिस ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के चर्चित नाबालिग किशारी के अपहरण मामले की गुत्थी सुलझा लिया है. दरअसल, उस नाबालिग किशोरी का अपहरण नहीं किया गया था, बल्कि वह अपने फूफा की प्रताड़ना से तंग आकर अपने घर से भाग गयी थी. पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता में बताया कि बीते सात अक्टूबर को बालूमाथ के शहनवाज खान ने बालूमाथ थाना में उनकी नाबालिग पुत्री को एक किशोर और उसके दोस्तों के द्वारा छेड़छाड़ करने और उसका अपहरण कर लिये जाने का आरोप लगा कर मामला दर्ज कराया था. बालूमाथ थाना में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था. मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर एक टीम गठित की गई. प्रेस वार्ता में एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्र भी मौजूद थे.

फूफा करता था मारपीट : अनुसंधान के क्रम में यह बात सामने आयी कि उक्त किशोरी का फूफा उसके साथ हमेशा मारपीट करता था. उसे स्कूल जाने से मना करता था. उसके परिजन हमेशा कहा करते थे कि ज्यादा बदमाशी करोगी तो तुम्हारी शादी करा देंगे. इससे प्रताड़ित हो कर वह अपनी एक सहेली की मदद से बालूमाथ से ऑटो पकड़ कर मकईयाटांड़ गयी. वहां से बस में बैठ कर वह रांची चली गयी. रांची में वह आईटीआई देवी मंडप के पास कामेश्वर प्रजापति (50) के घर में छुप कर रह रही थी. पुलिस ने तकनीकी व मानवीय सूचना के आधार पर छापेमारी कर उक्त किशोरी को कामेश्वर प्रजापति के घर से सकुशल बरामद कर लिया. पुलिस ने कामेश्वर प्रजापति को किशोरी को अपने घर में छुपा कर रखने और उसे संरक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. किशोरी को उसके परिजनों को सौंप दिया गया.

छापेमारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी : छापेमारी टीम में बालूमाथ एसडीपीओ दिल्लू लोहरा, प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार साव, पुलिस निरीक्षक शशिरंजन कुमार, थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो, कैलाश बाड़ा, धीरज कुमार, नीतीश कुमार, कुबेर साव, दुति कृष्ण महतो आदि शामिल थे.

दो दिनों तक किया था सड़क जाम : बता दें कि उक्त किशोरी के अपहरण को लेकर परिजनों ने बालूमाथ में दो दिनों तक सड़क जाम किया था. इस दौरान एनएच-22 रांची-चतरा मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी थी. एक दिन तो रात के 11 बजे के बाद सड़क जाम हटा था.

पुलिस ने किया 9 नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू, एक मानव तस्कर गिरफ्तार

लातेहार । लातेहार पुलिस ने विभिन्न राज्यो में छापेमारी कर नौ नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू किया है. इस दौरान पुलिस ने एक मानव तस्कर को भी गिरफ्तार किया है. पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने आयोजित प्रेस वार्ता में उक्त जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बरामद नाबालिग बच्चियां लातेहार व छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिला की हैं. बताया कि नाबालिग बच्चे व बच्चियों को प्रलोभन दे कर बाहर ले जाने के आरोप में महुआडांड़ थाना में कांड संख्या 95/2023 दर्ज किया गया था. अनुसंधान में पता चला कि बच्चियों को मानव तस्करों द्वारा दिल्ली, चंडीगढ़ व पानीपत आदि जगहों पर भेजा गया है. इस सूचना पर एक एसआईटी का गठन कर बच्चियों के रेस्क्यू के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ व पानीपत भेजा गया. वहां से पुलिस टीम नौ बच्चियों को रेस्क्यू कर वापस लायी.

एक मानव तस्कर को किया गया गिरफ्तार : पुलिस ने एक मानव तस्कर मनोज कुमार यादव को गिरफ्तार किया है. वह सामरी रोड, कंजिया थाना कुसमी व जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ का रहने वाला है. लेकिन वर्तमान में वह भुगलुडीह, महुआडांड़ में रह रहा था.

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव : गैंगस्टर अमन साहू के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी

5 जिलों में संपत्ति का ब्योरा जुटा रही एटीएस

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड एटीएस जेल में बंद गैंगस्टर अमन साहू के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में जुटा है. एटीएस अमन साहू की संपत्ति और अलग-अलग जगहों पर किए गए निवेश का ब्योरा जुटा रही है और पांच जिलों के निबंधन कार्यालय से जानकारी मांगी है. अमन साहू के साथ-साथ अमन की मां किरण देवी, पिता निरंजन प्रसाद साहू, भाई आकाश कुमार और दूसरे भाई अंकित कुमार के नाम पर खरीदी गई जमीन और अन्य अचल संपत्ति का ब्योरा भी एटीएस जुटा रही है.

जिन जिलों में अमन साहू की संपत्ति का डेटा खंगाला जा रहा है, उसमें रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और लातेहार शामिल हैं. दरअसल अमन साहू ने रंगदारी और लेवी से मिली बड़ी राशि जमीन और अन्य अचल संपत्ति में निवेश की है. उम्मीद की जा रही है कि अमन की संपत्ति का ब्योरा मिलने के बाद एटीएस उसे जब्त करने की कार्रवाई कर सकती है.

हर 3-4 महीने में अमन साहू को दूसरे जेल में किया जाता है शिफ्ट : चाईबासा जेल में बंद अपराधी अमन साहू को फिलहाल पलामू जेल शिफ्ट किया गया है. दरअसल पुलिस संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अभियान चला रही है. इसके तहत हर तीन से चार महीने में अमन साहू को दूसरे जेल में शिफ्ट किया जाना है. इससे पहले 20 अगस्त को अमन साहू को दुमका जेल से चाईबासा जेल शिफ्ट किया गया था. बता दें कि कोयला कारोबारी संगठित आपराधिक गिरोहों के निशाने पर हैं.

राज्य के रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और लातेहार सहित अन्य जिलों के कोयला कारोबारियों को लगातार धमकियां मिल रही हैं. इससे सभी दहशत में हैं. अगर कोयला कारोबारी धमकी को नजरअंदाज कर रहे हैं, तो उनपर गोलियां चल रही हैं. डीजीपी के आदेश के बाद एटीएस और सीआईडी संयुक्त रूप से अमन साहू गिरोह पर नकेल कसने की कोशिश में जुटी है. अमन साहू और उसके गैंग की गतिविधियों की समीक्षा के बाद पाया गया कि अमन ने गिरिडीह के एक व्यक्ति के पते पर फर्जी तरीके से सिम कार्ड हासिल किया. उस कार्ड का इस्तेमाल दुमका जेल से किया जा रहा था.

युवक का शव बरामद शरीर पर गोलियों के निशान मिले

संवाददाता । पलामू

पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र से करीब 35 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है. युवक का शव खून से लथपथ पड़ा मिला और शरीर पर गोलियों के निशान भी हैं. पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश कर रही है. बताया जाता है कि ग्रामीणों ने शव को देखा और रेहला थाना को जानकारी दी. सूचना पाकर थाना प्रभारी नेमधारी रजक दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है. शव को देखकर आशंका जताई जा रही है कि किसी ने गोली मारकर युवक की हत्या कर दी और शव को फेंक दिया.

फांसी के फंदे से लटकता मिला व्यक्ति का शव, जांच शुरू

संवाददाता । गढ़वा

जिले के रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत रंका कला पंचायत में एक व्यक्ति का शव फांसी के फंदे से लटकता मिला है. व्यक्ति की पहचान स्वर्गीय राम लगन राम के बेटे रिंकू चंद्रवंशी के रूप हुई है. परिजनों ने घटना की जानकारी रंका थाना को दी. सूचना पाकर थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया. रिंकू चंद्रवंशी की आत्महत्या के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस जांच में जुटी हुई है. जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सही कारणों का पता चल पायेगा.

नये घर की सीढ़ी में फांसी के फंदे पर झूलता मिला

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुधवार देर शाम तक रिंकू घर नहीं पहुंचा तो उसके बेटा ने खोजबीन शुरू की. उसका बेटा बस स्टैंड रंका के एक किराना जनरल स्टोर (जहां रिंकू नौकरी करता था) गया और दुकान मालिक से पूछा. तो उसने बताया कि आज वह काम पर आया ही नहीं. इसके बाद उसका बेटा सलैया स्थित अपने नये घर में गया तो सीढ़ी में अपने पिता का शव झूलता हुआ पाया. इसके बाद तत्काल इसकी सूचना आसपास और परिजनों को दी. घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

विवाहिता की मौत पुलिस ने पति को किया गिरफ्तार

गोड्डा । दो पहले ब्याही गई रानी देवी की ससुराल में संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई. उसका शव फंदे से लटकता मिला. घटना पथरगामा थाना क्षेत्र के सोनारचक गांव की है. बिहार के कहलगांव की रानी देवी की शादी दो वर्ष पहले सोनारचक गांव में हुई थी. उसे एक बच्चा भी है. मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है. उससे पूछताछ की जा रही थी. पुलिस ने गुरुवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. घटना के संबंध में मायके वालों ने बताया कि उन्हें बुधवार की शाम ससुरालवालों ने रानी देवी के अपने कमरे में फंदे से लटकर आत्महत्या कर लेने की सूचना दी. पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची, उससे पहले ही घरवालों ने शव को नीचे उतार लिया था. मायके वालों ने बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल के लोग रानी को दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे. इस संबंध में रानी देवी ने उन्हें

पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ नकेल कसने की तैयारी शुरू की

5 फरार के घरों पर चिपकाया इश्तेहार

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर पुलिस नक्सलियों के खिलाफ नकेल कसने की तैयारी कर रही है. पुलिस ने एमजीएम थाना क्षेत्र के एक मामले में सात साल से फरार चल रहे दो लाख के इनामी नक्सली समेत पांच के घर के बाहर इश्तेहार चस्पां किया है. वहीं परिजनों समेत आस-पास के लोगों को उन्हें कोर्ट में प्रस्तुत होने को कहा है. अगर नक्सली पुलिस या कोर्ट के समक्ष सरेंडर नहीं करते हैं तो सभी के घरों की कुर्की की जायेगी.

इश्तेहार चस्पा करती पुलिस .

प्रकाश और वीरेन पर दो लाख का इनाम : एमजीएम थाना के एसआई अमियल एक्का ने पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले के बेलपहाड़ी थाना क्षेत्र निवासी मंगल उर्फ मंगल सिंह सरदार, गोपीबल्लभपुर थाना क्षेत्र निवासी मालती उर्फ माला, बांकुड़ा थाना क्षेत्र निवासी रंजीत पाल उर्फ राहुल उर्फ नितिन, सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह थाना क्षेत्र निवासी वीरेन सिंह और बोकारो के जगेश्वर बिहार थाना क्षेत्र निवासी अतुल उर्फ प्रकाश महतो उर्फ पिंटू के घर जाकर इश्तेहार चिपकाया है. सरकार ने प्रकाश महतो और वीरेन पर दो-दो लाख का इनाम रखा है. वहीं, मालती मुर्मू समेत अन्य पर भी उचित इनाम की घोषणा की गयी है.

विवाहिता की संदेहास्पद स्थिति में मौत

गिरिडीह । जिले के गांडेय थाना क्षेत्र के झरघंट्टा पंचायत के झरघंट्टा गांव में गुरुवार की सुबह एक विवाहिता की मौत संदेहास्पद स्थिति में हो गई. विवाहिता झरघंट्टा गांव निवासी पप्पू यादव की पत्नी सविता कुमारी है. मृतका का मायका देवघर जिला के हारोडीह गांव में है.

घाघरा में बोलेरो ने दो बाइक में ठोकर मारी एक मरा, चार गंभीर

गुमला । गुमला जिला के घाघरा थाना क्षेत्र स्थित चपका में मंदिर के पास तेज रफ्तार आ रही बोलेरो गाड़ी ने दो बाइक में ठोकर मार दी. इससे बाइक सवार रॉकी ग्राम निवासी वासिल उरांव की मौत हो गयी. चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये. चालक बोलेरो के साथ भागने में सफल रहा. दोनों बाइकों में कुल पांच लोग सवार थे. एक बाइक पर रॉकी ग्राम निवासी दिनेश उरांव, पाकर टोली घाघरा निवासी बबलू उरांव एवं निशांत उरांव सवार थे, जबकि दूसरे बाइक पर देवाकी कुसुम टोली निवासी जायमुनी कुमारी और रॉकी ग्राम निवासी वासिल उरांव सवार थे. दुर्घटना में सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. उन्हें इलाज के लिए घाघरा उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. गंभीर रूप से घायल दिनेश उरांव और बबलू उरांव को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया. वहीं वासिल उरांव को मृत घोषित कर दिया गया.

सीबीआई में काम कर चुके रिटायर इंस्पेक्टर की एसीबी में होगी नियुक्ति

संवाददाता । रांची

सीबीआई और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई में कार्य कर चुके सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर की एसीबी झारखंड में नियुक्ति होगी. यह नियुक्ति संविदा के आधार पर होगी. इसे लेकर एसीबी ने विज्ञापन भी जारी किया है. जारी विज्ञापन के मुताबिक सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर की संविदा के आधार पर एसीबी में पैरवी पदाधिकारी के कुल छह पदों पर नियुक्ति की जाएगी. एसीबी की ओर से जारी विज्ञापन में कहा गया है कि आवेदक की उम्र सीमा 64 साल से कम होनी चाहिए. इच्छुक आवेदक आवेदन पत्र एसीबी मुख्यालय रांची के अलावा एसीबी के प्रमंडलीय कार्यालय जमशेदपुर, हजारीबाग, पलामू, धनबाद और दुमका में भी जमा कर सकते हैं.

झारखंड में हर दिन महिला हिंसा के 17 मामले हो रहे दर्ज

संवाददाता। रांची

झारखंड में हर दिन महिला हिंसा के 17 मामले दर्ज हो रहे हैं. पिछले एक माह के दौरान राज्य के अलग-अलग जिलों में महिला हिंसा से संबंधित 511 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें दुष्कर्म के 143, अपहरण के 121, छेड़खानी 89 और दहेज प्रताड़ना के 158 मामले शामिल हैं.

किस जिले में कितने हिंसा संबंधित मामले हैं दर्ज

जिला	दुष्कर्म	अपहरण	छेड़खानी	दहेज प्रताड़ना
रांची	26	15	06	11
खूंटी	04	04	04	00
गुमला	08	05	01	04
सिमडेगा	06	02	00	01
लोहरदगा	04	01	00	02
चाईबासा	10	02	04	02
सराइकेला	01	01	02	02
जमशेदपुर	05	06	07	15
पलामू	05	03	01	07
लातेहार	05	01	03	01
गढ़वा	08	05	04	08
हजारीबाग	06	13	02	20
रामगढ़	04	02	00	04
कोडरमा	02	05	06	04
चतरा	09	05	01	05
गिरिडीह	07	11	01	08
धनबाद	06	06	26	17
बोकारो	03	08	06	06
दुमका	01	06	05	01
गोड्डा	08	08	04	11
जामताड़ा	02	02	02	01
देवघर	06	08	02	07
साहिबगंज	06	03	01	11
पाकुड	01	01	01	08
कुल	**143**	**121**	**89**	**158**

सफलता पुलिस ने किया 24 घंटे में खुलासा, कारोबारी के रिश्ते में साला लगता था आरोपी

पेंट कारोबारी के घर चोरी मामले में रिश्तेदार गिरफ्तार

संवाददाता । आदित्यपुर

दशहरा मनाने पुरुलिया गए पेंट कारोबारी के घर लाखों की हुई चोरी मामले का 24 घंटे में आदित्यपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है. चोरी के इस मामले में पेंट कारोबारी गौतम चटर्जी का रिश्ते का साला ही चोरी की घटना को अंजाम दिया था. आरोपी को पुलिस ने बोकारो से पकड़ा है. वहां वह एक रिश्तेदार के यहां छुपा हुआ था. रिश्तेदार के घर दो जगहों पर रखे क्रमशः 6.43 लाख और 3.50 लाख रुपये पुलिस ने बरामद कर लिया है. आरोपी ने चोरी के 57 हजार रुपये खर्च कर दिये हैं. यह जानकारी प्रेसवार्ता में जिले के एसपी डॉ विमल कुमार ने दी. उनके साथ

आरोपी के साथ एसपी व पुलिस टीम, बरामद रुपये, गहना नहीं हुआ बरामद.

इस कांड के उद्भेदन में लगे थाना प्रभारी राजन कुमार, एसआई अभिषेक कुमार, मनीष कुमार एवं अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे.

एसपी ने बताया कि दूर के साले पुरुलिया के जोयपुर का बप्पा चटर्जी को यह बात पता थी कि गौतम चटर्जी के घर कैश रहता है. जैसे ही उसने गौतम को सपरिवार पुरुलिया में देखा. इसके बाद वह यहां आकर घर का ताला तोड़कर चोरी कर ली और अपने रिश्तेदार के घर बोकारो के पिंदराजोरा में जाकर छुप गया था. पुलिस ने तकनीक सेल की मदद से मोबाइल का लोकेशन लेकर बोकारो में पकड़ा और चोरी गए रुपये बरामद कर लिये हैं. बता दें कि दशहरा मनाने पुरुलिया गए पेंट कारोबारी के घर में 7-8 लाख रुपए के गहने और 10.50 लाख रुपये की चोरी हुई थी. घटना गम्हरिया स्टेशन से सटे आदित्यपुर थाना क्षेत्र के विजय नगर में हुई थी. इस घटना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

घर में नहीं थे लोग, हो गई चोरी

सिंदरी । सिंदरी थाना क्षेत्र के एफसीआईएल आवास संख्या एल 309 में चोरी का मामला प्रकाश में आया है. अवधेश कुमार ठाकुर के घर से गुरुवार सुबह चोरों ने ताला तोड़कर दो हजार नकद चुरा लिये. सिंदरी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पड़ोसियों और रिश्तेदार से जानकारी प्राप्त की. सिंदरी थाना प्रभारी आदर्श कुमार ने बताया कि उक्त घर में चोरी की घटना संज्ञान में है. लिखित शिकायत के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी. ठाकुर के रिश्तेदार रवि शर्मा ने बताया कि अवधेश ठाकुर अपनी मां शारदा देवी के साथ रहते हैं. लेकिन विगत 20 अक्टूबर को अपने बच्चों के पास दिल्ली गये हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बारहवें चंद्र के प्रभाव में हैं. विदेश में व्यापार वालों को अच्छा लाभ होगा. किसी नए कार्य पर खर्च अधिक होगा और कार्य क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. अपनी योग्यता में वृद्धि करें, कार्य के प्रति उत्साह बना रहेगा.

वृषभ समय अनुकूल है. आय होगी, आपको मेहनत का फल अवश्य मिलेगा, दिन सामान्य रहेगा. अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करेंगे. यात्रा के दौरान कोई नई वस्तु की प्राप्ति होगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन सरकार से लाभ होगा. पिता और सत्कर्म के सहयोग से कर्म का लाभ मिलेगा, पर शरीर में आलस्य की प्रधानता बनी रहेगी. शिक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं.

कर्क समय उत्तम है. भाग्य और धर्म बढ़ेगा. परिवार में आपका या किसी और का स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. किसी से बिना वजह के तकरार से बचना चाहिए. जल और अन्न का दान करें.

सिंह कोई बड़ा नुकसान होगा मन पर परिवार का सुख भी उत्तम स्तर का प्राप्त होगा. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. गलत संगति की ओर मन आकर्षित हो सकता है. किसी से बिना वजह की लड़ाई हो सकती है. मीठा वस्तु का दान करें.

कन्या जीवनसाथी का सुख मिलेगा. पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा. वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें. आप मिथ्या आरोप लग सकते हैं. धन से संबंधित दिक्कतें आ सकती हैं. मंदिर में जल और अन्न का दान करें.

तुला कोई पुराना रोग परेशान कर सकता है. खान-पान पर ध्यान दें. शत्रु से बचें. अपनी इच्छा अनुसार कार्य करेंगे. घर में किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा. गुस्से पर काबू नहीं रहेगा. अकारण क्रोध से बचें. अन्न और मिठाई का दान करें.

वृश्चिक शिक्षा में कोई नया जिम्मेवारी मिल सकती है. मित्रों की सहायता से लाभदायक फलों की प्राप्ति होगी. पढ़ाई-लिखाई में पूरी तरह से मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है. पक्षी को जल और अन्न दें.

धनु किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकता है. जवान पर नियंत्रण आवश्यक है. मेहनत और समझदारी से जीवन को सुखमय बनेगा. बड़ों का आदर करने में आगे रहेंगे. परिवार का सुख मिलेगा. गृहस्थ सुख में मधुरता बनी रहेगी.

मकर समय अनुकूल है. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. पारिवारिक सुख मिलेगा. मन में नया उत्साह और जोश देखने को मिलेगा. आपके प्रभाव से कामकाज ठीक-ठाक रहेगा. मिठाई का दान बच्चों को करें.

कुंभ परिवार में मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. वाणी का प्रभाव दूसरों पर अच्छा बना रहेगा. मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. धन का संचय होगा. कोई बड़ा कार्य करने का मन होगा. शनि को दीपक दान करें.

मीन कोई बड़ा कार्य होगा. मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन खर्च होगा. यात्रा करते समय सावधानी बरतें. मिठाई का दान करें.

28-29 अक्टूबर की दरमियानी रात चंद्रग्रहण के दौरान बृहस्पति-यूरेनस के बीच होगा चंद्रमा

शरद पूर्णिमा की रात अद्भुत होगा सौर मंडल का नजारा

अमरनाथ पाठक । हजारीबाग

शरद पूर्णिमा की रात सौर मंडल का नजारा अद्भुत होगा. दरअसल चांद और सूर्य के बीच में जब धरती आ जाती है, तब चंद्रग्रहण लगता है. लेकिन इस बार चंद्रग्रहण के दौरान बृहस्पति और यूरेनस के बीच चंद्रमा दिखाई देगा. इसलिए इस साल का दूसरा और अंतिम चंद्रग्रहण खगोलप्रेमियों के लिए खास बन गया है. इस वर्ष पांच मई को पहला चंद्रग्रहण लगा था.

यह जानकारी देते हुए विज्ञान लेखक सह खगोल के जानकार हजारीबाग निवासी अभिषेक मिश्र ने 'शुभम संदेश' को बताया कि इस बार यह दिलचस्प नजारा होगा कि भारत समेत दुनिया के कई देशों में चंद्रग्रहण नजर आएगा. उन्होंने कहा कि 28-29 अक्तूबर को चंद्रग्रहण के साथ ही एक खूबसूरत नजारा देखने को मिलने वाला है. चंद्रमा के पास एक तरफ बृहस्पति और दूसरी तरफ यूरेनस ग्रह होगा. बृहस्पति ग्रह तो नग्न आंखों से दिखाई देगा, लेकिन यूरेनस को दूरबीन से देखा जा सकता है. जिन्हें खगोल विज्ञान में रुचि है, वे आसमान में खूबसूरत नजारे का आनंद ले सकते हैं. 28 अक्तूबर को यूरोप, अफ्रीका, एशिया और ऑस्ट्रेलिया में भी आंशिक चंद्र ग्रहण दिखेगा. 28 अक्तूबर को पूर्णिमा भी है, जो बृहस्पति ग्रह के साथ दिखेगा.

क्यों लगता है चंद्रग्रहण : चांद सूर्य की रौशनी से प्रकाशित रहता है. धरती के बीच में आ जाने से सूर्य की किरणें चांद तक नहीं पहुंच पाती हैं. इस वजह से चांद पर अंधेरा छा जाता है.

दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप में नहीं दिखेगा चंद्रग्रहण

खगोल प्रेमी अभिषेक मिश्र ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात लगनेवाला चंद्रग्रहण भारत में 28 अक्तूबर की रात 11.30 बजे से लगेगा, जो 29 अक्तूबर की अहले सुबह 2.24 बजे समाप्त होगा. खगोलीय वैज्ञानिकों की मानें, तो 28 अक्तूबर को होने वाला चंद्रग्रहण भारत में भी दिखाई देगा. यह ग्रहण उन देशों में दिखाई देगा, जहां चंद्रमा क्षितिज से ऊपर होता है. दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप को छोड़कर यह चंद्रग्रहण सभी जगह दिखाई देगा. यह चंद्रग्रहण क्षितिज से 62 डिग्री ऊपर स्थित होगा. अंतिम समय में चंद्रग्रहण सबसे अच्छे तरीके से देखा जा सकेगा.

आओ जानें

रामायण पर आधारित सामान्य ज्ञान

- रामायण की रचना मूल रूप से किसने की थी? – ऋषि वाल्मीकि
  व्याख्या : रामायण की रचना मूल रूप से ऋषि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में की थी.
- लक्ष्मण को किसका अवतार माना जाता है? – शेषनाग
  व्याख्या : भगवान राम को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, जबकि लक्ष्मण को शेषनाग का अवतार माना जाता है.
- किस वैद्य ने भगवान राम को लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी के बारे में बताया था? – सुषेण
  व्याख्या : सुषेण वैद्य ने भगवान राम को लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी के बारे में बताया था.
- भगवान राम के पिता का नाम क्या था? – दशरथ
  व्याख्या : दशरथ भगवान राम के पिता थे. वह अयोध्या के राजा थे और उनकी तीन पत्नियां थीं, जिनका नाम कौशल्या, कैकयी और सुमित्रा था.

सात दिवसीय 53वें गुरुमत सिखिया कैंप का समापन

झारखंड में सिखी का झंडा बुलंद है : ग्रेवाल

संवाददाता । रांची/ जमशेदपुर

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि.

सिख फोरम कोलकाता की ओर से श्रीगुरु सिंह सभा और पीपी कंपाउंड स्थित गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 53वें गुरुमत सिखिया कैंप का समारोहपूर्वक समापन हुआ. समारोह को संबोधित करते हुए सिख संसद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने आयोजकों को बधाई दी. उन्होंने कहा कि आप लोगों ने सिख धर्म के मूल आनंदपुर साहिब से हजारों किलोमीटर दूर झारखंड में सिखी का झंडा बुलंद रखा है. यहां के सिख बधाई के पात्र हैं, जो पंथ के रास्ते पर नई पीढ़ी को अग्रसर कर रहे हैं.

गुरु नानक देव जी की यात्राओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सिख धर्म कभी किसी धर्म का विरोधी नहीं रहा है. सिखों को निर्भय रहना है. जोर-जबरदस्ती एवं जुल्म का विरोध करना है. फिर केवल गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष झुकना है और गुरु और पंथ के मामले में किसी तरह का समझौता जीवन में नहीं करना है. उनके अनुसार गुरु पर भरोसा रखना है, जीवन में कभी कमी नहीं होगी. उन्होंने गुरु अर्जन देव जी, गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादे के बलिदान के साथ ही देश की आजादी और देश निर्माण में सिखों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें कथनी नहीं बल्कि कर्म से महान बनना है. उन्होंने यह भी बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी देश एवं दुनिया में किसी कोने में रहने वाले सिख की पहचान और धार्मिक आजादी की रक्षा के लिए काम करती है और श्री गुरु सिंह सभा रांची ने कैंप का आयोजन कर हमसे भी अच्छा काम किया है. नई पीढ़ी को समृद्ध विरासत व इतिहास से जोड़ा है. उन्होंने एसजीपीसी की ओर से संस्था को एक लाख रुपये का उपहार भी भेंट किया.

कैंप में झारखंड, बिहार एवं बंगाल से तकरीबन 400 बच्चे बच्चियां शामिल हुए, जिन्हें प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया. कैंप को गुरु गोविंद सिंह जी की जन्मस्थली तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव सरदार इंद्रजीत सिंह, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह सेठी, सीजीपीसी अध्यक्ष भगवान सिंह अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, कोलकाता के जगमोहन सिंह, बोकारो के सुरेंद्र पाल सिंह कालरा, परमजीत सिंह रिंकू, कुलतार सिंह, हरजीत सिंह हन्नी आदि ने संबोधित किया. राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मठारू, गगनदीप सिंह सेठी, जमशेदपुर के पत्रकार एवं अधिवक्ता कुलविंदर सिंह, जत्थेदार कुलदीप सिंह सीजीपीसी के महासचिव अमरजीत सिंह, सेंट्रल सिख नौजवान सभा के पूर्व महासचिव दमनप्रीत सिंह, जसवंत सिंह रघुवीर सिंह सहित सैकड़ों बुद्धिजीवी शामिल हुए.

खास बातें

- जुल्म का विरोध करना है. केवल गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष झुकना है
- झारखंड, बिहार व बंगाल से करीब 400 बच्चे बच्चियां शामिल हुए

सांस्कृतिक एकता की मिसाल है सुआ कौड़िया की जनता : अविनाश

डालटनगंज । दुर्गापूजा शांतिपूर्वक बीतने के बाद यंग जागृति संघ कौड़िया की ओर से भक्ति जागरण का आयोजन किया गया. संत मरियम स्कूल के चेयरमैन सह सदस्य माटी कला बोर्ड झारखंड सरकार अविनाश देव मुख्य अतिथि थे. उन्होंने इस भक्ति जागरण का उद्घाटन किया. यंग जागृति संघ के अध्यक्ष का फूलमाला व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया. श्रोताओं को को संबोधित करते अविनाश देव ने कहा, हमारी संस्कृति एकता का मिशाल है. कहा कि सुआ कौड़िया की जनता आपसी भाईचारा के साथ रहती है. यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्म के लोग साथ बैठकर सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेते हैं. कहा कि नौ देवियों की प्रतीक नौ कन्या के पूजन नवरात्र में जिस तरह किए जाते हैं. उसी तरह कन्या को शिक्षित कर समाज को समर्पित करें, जिससे वह कन्या समाज के आसुरी शक्तियों से लड़कर जीवन संवार सके. इससे आगे कहा कि इस मंच से हम घोषणा करते हैं कि यंग जागृति संघ समाज में जागृति लाना चाहती हैं, इसके लिए नौ बेटियों को चिन्हित करें और गोद लें.

लुकुइया आश्रम में 28 अक्टूबर रक्तदान शिविर का आयोजन

लातेहार । संत प्रवर पूज्य श्री विज्ञानदेव जी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर आगामी 28 अक्टूबर को लुकुइया आश्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा. इस आशय की जानकारी विहंगम योग के जिला संयोजक नवाहिर उरांव ने दी. उन्होंने विहंगम योग समिति के सभी अधिकारीओं गुरु भाई बहनों से इस रक्तदान शिविर में भाग लेने की अपील की है.

'ए रोहित, कोहली इंडिया के वर्ल्ड कप जितावे' का पोस्टर हुआ जारी

संवाददाता । जमशेदपुर

देश में क्रिकेट विश्व कप का खुमार लोगों पर साफ दिख रहा है. शहर के कलाकारों द्वारा भारत को क्रिकेट विश्व कप जिताने के लिए एक नया वीडियो गीत तैयार किया जा रहा है, जिसका नाम ' ए रोहित, कोहली इंडिया के वर्ल्ड कप जितावे' है. वीडियो का पोस्टर गुरुवार को भुईयांडीह स्थित इंग्लिश विद सूरज क्लासेज के बच्चों ने लांच किया.

वीडियो 1 नवम्बर को रिलीज किया जायेगा. इस गीत को देश के महान उद्योगपति रतन टाटा पर गीत गाकर चर्चित हुए गायक अजीत अमन ने आवाज दी है. वहीं इस वीडियो के निर्माता नेहिष सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के चेयरमैन अवनीश श्रीवास्तव हैं. पोस्टर लांच होने के मौके पर झारखंड-बिहार के चर्चित गायक अजीत अमन ने बताया कि शहर के कलाकारों द्वारा वर्ल्ड कप पर बनाए गए इस गीत में काफी कुछ नया देखने को मिलेगा. इसके निर्माता अवनीश श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ल्ड कप में पहली बार इस तरह का एल्बम बन रहा है जिसमें इंडिया टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज कोहली से इस बार इंडिया को वर्ल्ड कप जिताने की गुहार लगायी जा रही है. इस अवसर गायक अजीत अमन, निर्देशक मनोज पांडे, अंग्रेजी शिक्षक सूरज महाली, संपूर्णा प्रमाणिक, प्रियंका, शंकर दास उपस्थित थे.

अजीत अमन कई विषयों पर गा चुके हैं गाना

झारखंड बिहार के चर्चित गायक अजीत अमन ने पिछले दो वर्षों में लगभग दो दर्जन वीडियो गीत लांच कर चुके है, जिसमें हिंदी, भोजपुरी गीत शामिल हैं. सभी गीत वे सामाजिक, बायोपिक, भक्ति गाएं हैं. उनके गाये गीतों में विशेष रूप से महान उद्योगपति रतन टाटा को भारत रत्न की मांग को लेकर भारत रत्न, भारत रत्न 2.0, मां, चंद्रयान 3, महेंद्र सिंह धोनी समेत कई शामिल हैं.

आईटी इंजीनियर ने निर्माण में किया सहयोग : वीडियो एल्बम के निर्माण में नेहीश सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन के चेयरमेन अवनीश श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उन्होंने इससे पहले रतन टाटा पर बने वीडियो एलबम 'भारत रत्न-2' में भी निर्माता के भूमिका में थे. वीडियो के निर्माण में 'फिजिक्स एंड मैथ वाला क्लासेज' के शिक्षक आलोक राज सिंह और शहर के जाने माने चिकित्सक डॉ. मनीष दुडिया ने सहयोग किया है.

वीडियो में काम करने वाले कलाकार : **निर्माता :** अवनीश श्रीवास्तव, **गायक :** अजीत अमन, **निर्देशक :** मनोज पांडे, **गीत :** अनिल वर्मा, **स्टोरी :** अमित तिवारी, **सहयोग :** आलोक राज सिंह, डॉ. मनीष डुडिया, उदय मूवीज, तिरियो मीडिया प्रा. लिमिटेड, उदय साहू, सूर्या सिंह हेम्ब्रम, थोर टूडू.

खलील शाह का उर्स मुबारक शुरू

बेंगाबाद (गिरिडीह) । बेंगाबाद प्रखंड अंतर्गत चपुआडीह पंचायत के बुच्चा नावाडीह स्थित हजरत खलील शाह बाबा का 38वां उर्स मुबारक कुरआन खानी और संदली चादर पोशी के साथ गुरुवार से शुरू हो गया. कुरआन खानी के बाद मजार के गद्दीनशीन मास्टर मो सलाम, मो मेंहदी हसन की अगुवाई में मजार पर संदली चादर चढ़ाया गया. चादरपोशी के बाद लोगों ने मुल्क में अमन व शांति और क्षेत्र की खुशहाली की दुआएं मांगी. बताया गया कि उर्स के मौके पर मजार समिति की तरफ से यहां तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. इस अवसर पर यहां भव्य मेला लगता है और दूर दराज के लोग बाबा के दरबार में आकर मन्नतें मांगते हैं. मन्नतें पूरी होने पर लोग मजार पर चादर पोशी करते हैं.

पूजा-नमाज की महत्ता एक समान

नीलांबर पीतांबरपुर, पलामू । वरिष्ठ समाजसेवी रामदास साहू ने कहा है कि पूजा और नमाज का महत्व एक समान है. आप जिसको जिस जिस चश्मे से देखेंगे वह वैसा ही दिखाई पड़ेगा. समाज में जहर घोलकर जो लोग राजनेता बनना चाह रहे हैं, उन्हें जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी. रामदास साहू दुर्गा पूजा महोत्सव के उपरांत पदमा में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से पदमा में दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जा रहा है. इसमें दोनों संप्रदाय के लोग समान रूप से भाग लेते हैं और त्योहार मनाते हैं. उन्होंने कहा कि समाज कोई एक धर्म और एक मजहब से नहीं बनता है. सनातन धर्म सभी का सम्मान करता है और मानव से मानव को जोड़ने में विश्वास करता है. उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल रहा है आज भी मां दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन में पदमा में सैकड़ों मुस्लिम युवा शामिल हुए और मां को विदाई दी.

केदारनाथ बद्रीनारायण धाम के लिए 19 तीर्थ यात्री हुए रवाना

संवाददाता । घाटशिला

केदारनाथ बद्रीनारायण धाम तीर्थ यात्रा समिति का 19 सदस्यीय दल गुरुवार की सुबह पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से रवाना हुआ. तीर्थ यात्रियों को भाजपा नेता लखन मार्डी ने माला पहनाकर रेलवे स्टेशन से विदा किया. उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रा पर जाने वाले लोग सौभाग्यशाली हैं कि बाबा केदारनाथ तथा बद्री धाम की यात्रा पर जा रहे हैं. सभी की यात्रा मंगलमय हो, यही ईश्वर से प्रार्थना है. समिति के अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से नई दिल्ली तक यात्रा की जाएगी. इसके बाद दिल्ली से जनशताब्दी एक्सप्रेस से हरिद्वार और हरिद्वार से वाहन से पहाड़ियों की यात्रा शुरू होगी. कुल 12 दिन की यात्रा है. तीर्थ यात्रा में जाने वालों में सक्सेस ट्यूटोरियल क्लासेस के चेयरमैन जय किशोर प्रसाद, विश्वनाथ दंडपाठ, भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष कौशिक कुमार, अभिषेक कुमार दंडपत, किरण प्रसाद, उर्मिला प्रसाद, वीणा पानी दंडपात, संध्या कुमारी, संगीता कुमारी, अमरजीत कुमार, विश्वजीत कुमार, श्याम वर्मा, रवि कुमार सहित अन्य तीर्थ यात्री शामिल हैं.

नया बाजार पूजा समिति के सदस्यों ने मृतकों के परिजनों से भेंट की

50-50 हजार की आर्थिक मदद की गई

संवाददाता । जमशेदपुर

मृतक के परिवार को चेक सौंपते पूजा समिति के पदाधिकारी.

बेली बोधनवाला घाट पर विसर्जन के दौरान हुई दुर्घटना में मारे गए दो लोगों के आश्रितों की मदद को कई लोग व संगठन सामने आ रहे हैं. इसी कड़ी में आजसू जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह के प्रयास से जुगसलाई नया बाजार श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ने मृतक के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद की है. गुरुवार को जुगसलाई नया बाजार पूजा समिति के अध्यक्ष प्रिंस सिंह भाटिया और महासचिव संजीव तिवारी ने पीड़ित परिजनों को चेक सौंपा. साथ ही मृतक परिवार के प्रति पूरी संवेदना व्यक्त करते हुए सदैव साथ खड़े रहने और सहयोग करने का आश्वासन दिया.

सभी समितियों से सहयोग करने की अपील : इस अवसर पर आजसू जिला अध्यक्ष ने भी इस घटना की निंदा करते हुए विसर्जन घाट की अव्यवस्था पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए जिला प्रशासन और राज्य सरकार के गैर जिम्मेदार कदम बताया. कहा कि घाट मरम्मत के नाम पर कुछ भी नहीं हुआ, बल्कि खानापूर्ति कर मौत को दावत देने जैसा कार्य किया गया था. उन्होंने कहा कि जिस तरह से नया बाजार जुगसलाई की श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ने अपना कदम बढ़ाया है. मृतक परिवार से मिलने वालों में मुख्य रूप से बॉबी सिंह, संटू दा, शशि जी महेश सिंह, अप्पू तिवारी ललन झा, उमा शंकर सिंह, आनंदी ओझा, श्याम गुप्ता आदि मौजूद थे.

पांच दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ 1 नवंबर से

बोकारो। चिन्मय मिशन बोकारो की ओर से पांच दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ आगामी 1 से 5 नवंबर तक गीता भवन, जगन्नाथ मंदिर, बोकारो में आयोजित की जाएगी. चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या परमपूज्य स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती ज्ञान यज्ञ की प्रवचनकर्ता होंगी. वे इस ज्ञान यज्ञ में अपने प्रवचन से भगवद्गीता के अध्याय 15 पुरुषोत्तम योग पर व्याख्यान करेंगी. ज्ञात हो कि परम पूज्य स्वामी संयुक्तानंद सरस्वती भगवद्गीता, रामायण एवं वेदों पर देश के विभिन्न प्रांतों में सैकड़ों ज्ञान-यज्ञ का आयोजन कर चुकी हैं. इस दौरान स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती ने बताया कि भगवद्गीता एक धर्म ग्रंथ के साथ-साथ जीवन जीने की अद्भुत शैली है.

कार्यक्रम | निर्विशेषानंद तीर्थ ने जनजातीय बच्चों के साथ किया संवाद

तेजस्वी बनो, मिल कर आगे बढ़ो : स्वामी निर्विशेषानंद

संवाददाता । जमशेदपुर

बच्चों को संबोधित करते स्वामी निर्विशेषानंद तीर्थ.

जमशेदपुर के सर्किट हाउस एरिया स्थित आत्मीय वैभव विकास केन्द्र (सीआईआरडी) में गुरुवार को जनजातीय युवाओं एवं बच्चों के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें शिक्षक एवं कार्यक्रम के समन्वयक करण भी उपस्थित थे. कार्यक्रम में हाता के आसपास के कुछ गांवों के लगभग 80 बच्चे और युवा शामिल हुए. कार्यक्रम के आरंभ में स्वामी निर्विशेषानंद तीर्थ ने ॐ सहनाववतु सहनौ भुनक्तु....का उच्चारण कराया. साथ ही उन्होंने इसका अर्थ भी बताया. उन्होंने बताया कि हमें किसी के साथ द्वेष नहीं करना चाहिए. किसी सहपाठी या फिर अपने शिक्षक से भी नहीं. हमें तेजस्वी बनना चाहिए. सबके साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहिए.

इस दौरान स्वामी जी ने बच्चों के बारे में ली जानकारी और उन्हें भारतीय संस्कृति के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आज के वैज्ञानिक हैं, उसी प्रकार प्राचीन भारत में ऋषि-मुनि विभिन्न प्रकार के अनुसंधान करते थे. यह बहुत पुरानी बात है. हजारों वर्ष से भी पहले की बात है. उन्होंने जो प्रयोग किए उन्हें पुस्तकों में संस्कृत भाषा में लिखा. उन्हें हम शास्त्र कहते हैं.

स्वामी निर्विशेषानंद तीर्थ ने बच्चों को बताया कि संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध भाषा है. ये शास्त्र बहुत ही पुराने हैं. कितने पुराने हैं यह कोई नहीं जानता. फिर भी उसमें लिखी हुई बातों को हम आज भी पढ़ और समझ सकते हैं. यह बहुत अद्भुत बात है. इन शास्त्रों में बताया गया है कि विद्या दो प्रकार की होती है-'परा' (उच्च श्रेणी) और 'अपरा' (साधारण). पुस्तकों में लिखित सभी ज्ञान 'अपरा' है. उसमें वेदों एवं उपनिषदों में लिखित ज्ञान भी है. फिर 'परा' क्या है? पुस्तकों में लिखे या सुने हुए को जब हम स्वयं अनुभव करते हैं तो उस अनुभूति ज्ञान को 'परा' कहते हैं. इसके बाद सातवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को खेल एवं योगाभ्यास कराया गया. अन्य सभी के साथ स्वामी जी ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से संवाद किया. स्वामी जी ने सभी को उपहार स्वरूप स्कूल बैग प्रदान किया. सभी ने स्वामी जी को प्रणाम कर प्रसाद प्राप्त किया. स्वामी जी की उपस्थिति में उपस्थित भक्तों ने सभी को भोजन कराया.

खास बातें

- कार्यक्रम में गांवों के लगभग 80 बच्चे व युवा शामिल हुए
- बताया गया- विद्या दो प्रकार की होती है -'परा' और 'अपरा'

स्वदेशी जागरण मंच ने किया था कार्यक्रम का आयोजन

पेंटिंग के लिए अदिति को सम्मानित किया

संवाददाता । गढ़वा

अदिति पांडे का बढ़ाया गया उत्साह

कार्यक्रम में रंका प्रखंड 10 प्लस टू विद्यालय के विद्यार्थी अदिति पांडे को ऑनलाइन पेंटिंग बेचने और अपने हुनर के बदौलत अच्छी पेंटिंग बनाने के लिए सम्मानित किया गया. वहीं, क्षेत्रीय सह संयोजक झारखंड प्रदेश के अंजनी कुमार सिंह को अंग वस्त्र देकर कमलेश नंदन सिन्हा ने सम्मानित किया. इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण तथा काफी संख्या में विद्यालय के बच्चे मौजूद रहे.

जिला मुख्यालय के आरके गोविंद 10 प्लस टू विद्यालय में स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा विश्व उद्यमिता पखवाड़ा के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश के क्षेत्रीय सह संयोजक अंजनी कुमार सिन्हा ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की.

कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वदेशी जागरण मंच गढ़वा के जिले के संयोजक राम सरीख चंद्रा, सह संयोजक कमलेश नंदन सिन्हा, स्वावलंबी भारत अभियान के जिले के संयोजक मुरली श्याम तिवारी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे. मौके पर झारखंड प्रदेश के क्षेत्रीय संयोजक अंजनी कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत विश्व का 83% निर्यातक देश रह चुका है. पहले के लोग बेरोजगार नहीं हुआ करते थे. वहीं गढ़वा जिला के संयोजक राम सरीख चंद्रा ने कहा कि दूध, दही थाली में, पेप्सी कोला नाली में. भारत माता की जय.

राज्य के ग्रीन कार्डधारियों को सात माह से राशन नहीं

- केन्द्र सरकार का चावल देने से इनकार **मुश्किल में 4.90 लाख कार्डधारी**
- राज्य सरकार की ओर से मार्च तक राशन उपलब्ध कराई गई
- ज्यादतर कार्डधारी रोज कमाने खाने वाले, बच्चों की फीस नहीं भर पा रहे

घर चलाना मुश्किल...

राज्य के ग्रीन कार्डधारी इस समय परेशानी में जीवन यापन कर रहे हैं. पिछले सात माह से उन्हें राशन नहीं मिला है. जिसकी वजह से वे मुश्किल में हैं. अगर उन्हें शीघ्र राशन उपलब्ध नहीं कराया गया तो उनकी हालत और खराब हो जाएगी. आर्थिक दृष्टि से कमजोर ये कार्डधारी बहुत कठिनाई से अपना भोजन जुगाड़ कर पा रहे हैं. उनका कहना है कि बहुत मुश्किल से किसी तरह घर चल पा रहा है. खर्च की वजह से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है. फीस भरना मुश्किल हो रहा है. इन ग्रीन राशन कार्डधारियों में रोज कमाने खाने वाले लोग जैसे राजमिस्त्री, दर्जी, सब्जी बेचने वाले लोग ज्यादा हैं. जिस परिवार में पांच से छह लोग हैं, उनका घर चलना मुश्किल हो रहा है. वे कहते हैं कि सरकार की ओर से राशन मिलने से काफी राहत होती है. इससे बचत होने वाले पैसे का इस्तेमाल अन्य कार्यों में होता है. घर में अगर कोई बीमार हो जाए तो स्थिति और भी खराब हो जाती है. मालूम हो कि एफसीआई, भारत सरकार की ओर से चावल देने से इनकार करने की वजह से राज्य भर के करीब 4.90 लाख ग्रीन राशन कार्डधारियों को सात महीने से राशन नहीं मिल पा रहा है. राज्य सरकार ने अपने स्तर से व्यवस्था कर मार्च तक का राशन 53 प्रतिशत कार्डधारियों को उपलब्ध करा दिया है. लेकिन अप्रैल से अबतक का राशन नहीं मिला है और चना दाल भी नहीं मिल पाई है. शुभम संदेश की टीम ने इस संबंध में विभिन्न जिलों में लाभुकों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

बच्चों की फीस नहीं भर पा रहे, किसी के बीमार पड़ने के घर में आ जाती है आफत

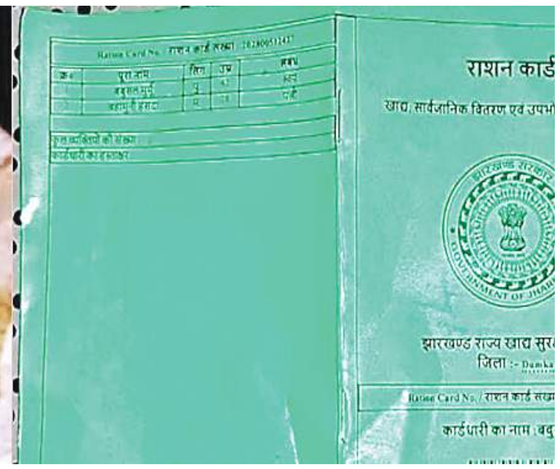

जमशेदपुर

किसी तरह घर चल रहा है, राशन खरीदने को मजबूर : देवाशीष सरकार

जमशेदपुर के बागबेड़ा निवासी देवाशीष सरकार ग्रीन कार्डधारी है. उनका कार्ड नंबर 202800689547 है.

देवाशीष कहते हैं कि वे ट्रक चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं. परिवार में पत्नी, माता-पिता और बच्चों को मिलाकर कुल छह सदस्य हैं. इस महंगाई में परिवार चलाना काफी मुश्किल हो गया है. उनके पास ग्रीन कार्ड है, पर कई माह से राशन ही नहीं मिला है. राशन खरीदने को मजबूर हैं. किसी तरह घर चल रहा है.

अब तो हमने राशन मिलने की आशा भी छोड़ दी : विकास महतो

सुंदरनगर निवासी विकास महतो पेशे से राज मिस्त्री हैं और घर पर खेती बाड़ी भी करते हैं. विकास के पास जो ग्रीन कार्ड

है उसका नंबर 202800489653 है. विकास कहते हैं कि जब काम मिलता है तब किसी तरह घर चलता है. खेती बाड़ी कर कुछ अनाज उगा लेते हैं जो घर में उपयोग हो जाता है. कई माह से राशन नहीं मिला है. अब तो राशन मिलने की आस भी छोड़ दी है. विकास अब राशन दुकान पर भी नहीं जाते, क्योंकि वे जब भी राशन दुकान पर राशन लेने गए हैं उन्हें निराशा ही हाथ लगी है.

सात माह ने नहीं मिला राशन, आर्थिक स्थिति भी कमजोर : मनोज कुमार

मनोज कुमार सुंदरनगर में रहते है. मनोज के पास ग्रीन कार्ड है, जिसका नंबर 202800689775 है. मनोज मजदूरी करते

हैं. मनोज कहते हैं कि उनके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं. हमेशा काम नहीं मिलता है. ग्रीन कार्ड से राशन मिलने से राहत मिलती थी. लेकिन सात माह हो गए, राशन नहीं मिल रहा है. पत्नी भी साथ में मजदूरी करती है, जिस कारण किसी तरह घर खर्च निकल पाता है. कई बार राशन डीलर के चक्कर भी लगा चुके हैं पर हर बार डीलर द्वारा कहा जाता है कि राशन नहीं आया है.

घर खर्च चलाना मुश्किल, बच्चों को पढ़ा भी नहीं पा रहे : कमल कुमार

जमशेदपुर से सटे पदमदा निवासी कमल कुमार ग्रीन कार्ड धारक हैं. उनका कार्ड नंबर 202800390556 है. कमल ने

बताया कि कार्ड के तहत प्रत्येक महीना 25 किलो अनाज मिलता था. पर कई माह से अनाज नहीं मिला है. अनाज मिलने से काफी राहत मिलती थी. खाद्य सामग्री इतनी महंगी हो गई है कि उसे खरीदना मुश्किल हो गया है. वे मजदूरी करने शहर आते हैं. उनकी मजदूरी भी ज्यादा नहीं है. बच्चों को उच्च शिक्षा देना चाहते हैं. मगर घर खर्च से पैसे ही नहीं बचा पाते है.

चक्रधरपुर

समय पर नहीं मिल रहा अनाज : जुरेन बोदरा

चक्रधरपुर के गुलकेड़ा पंचायत के पोकुवाबेड़ा गांव निवासी ग्रीनकार्डधारी जुरेन बोदरा ने कहा कि

समय पर राशन दुकान से अनाज नहीं मिलने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जुरेन के राशन कार्ड का संख्या 20800947419 है. उन्होंने ने बताया कि मार्च महीने का राशन उन्हें सितंबर महीने में मिला है. पिछले कई महीनों का अनाज डीलर द्वारा नहीं दिया गया है.

पहले समय पर मिलता था अनाज सरकार ध्यान दे : लक्ष्मी जामुदा

चक्रधरपुर के ग्रीन कार्डधारी लक्ष्मी जामुदा ने कहा कि पहले राशन दुकान से समय पर अनाज मिलता था, लेकिन पिछले

कुछ महीनों से अब समय पर अनाज नहीं दिया जा रहा है. इनका कार्ड संख्या 202800924081 है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गरीबों को ही परेशान किया जाता है. पहले चावल के साथ-साथ दाल, चीनी, केरोसिन इत्यादि भी मिलते थे, लेकिन धीरे-धीरे यह सारा सामान जन वितरण प्रणाली दुकान से मिलने बंद हो गए. केन्द्र व राज्य सरकार को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है.

धनबाद

साल में सिर्फ एक बार मिलता है राशन, योजना फेल : अतिसी चौधरी

महुदा थाना क्षेत्र के सिंगडा निवासी अतिसी चौधरी ने बताया

कि राज्य सरकार की ग्रीन कार्ड योजना फेल है. सात महीना छोड़िए हमारे गांव में तो साल में सिर्फ एक बार ही राशन मिल रहा है. शेखर सिंह नामक पीडीएस डीलर कहते हैं कि एक बार राशन मिल गया है न, अब जाकर सो जाइए, अगले साल आइएगा. हालांकि अन्य जगहों पर मार्च तक का राशन कई लोगों को मिला है, दिक्कत तो हो रही है, लेकिन क्या करे, कोई सुनने वाला नहीं है.

नियमित राशन नहीं देना है तो योजना बंद कर दें : चंपा देवी

तोपचांची प्रखंड के चैता पंचायत अंतर्गत खेड़ाबेड़ा गांव की चंपा

देवी ने बताया कि मार्च तक का चावल पिछले महीने मिला है. इस महीना अनाज नहीं मिला. पिछले साल से ही यह समस्या आ रही है. चना दाल तो अभी तक नहीं मिली है. क्या करें, डीलर बोलते हैं, सरकार ही अनाज नहीं दे रही है तो हम क्या करे. हम सरकार से यही कहना चाहते हैं कि राशन समय से नहीं देना है तो योजना बंद कर दे. बेकार ही हमलोग हर माह आस लगाए रहते हैं.

लालकार्ड की तरह हमें भी मिले पूरा राशन : तुलसी

पेतरा निवासी तुलसी महतो ने कहा कि ग्रीन कार्ड योजना का लाभ तो हमलोग को नियमित रूप से नहीं मिल रहा है. धनबाद के सुदूरवर्ती क्षेत्र में हमलोग रहते हैं. रोजगार के साधन भी नहीं हैं, अनाज नहीं मिलने से काफी दिक्कत होती है. एक तो इस कार्ड से सिर्फ चावल मिलता है, जो गलत है. लाल कार्ड की तरह हमलोग को भी चावल के साथ गेहूं, चीनी, नमक मिलना ही चाहिए. आधी अधूरी योजना का लाभ देने से किस गरीब का भला होगा.

हजारीबाग

कई बार शिकायत की, लेकिन कोई असर नहीं : अशरफ खान

हजारीबाग स्थित बरही पश्चिमी पंचायत मल्लाह टोली के अशराफ खान कहते हैं कि अप्रैल से अबतक का राशन नहीं

मिला है और न ही चना दाल दी गई है. कई बार डीलर से शिकायत की, लेकिन कोई असर नहीं हुआ. उनकी पत्नी ताहिरा खातून के नाम से ग्रीन कार्ड है. किसी प्रकार सिलाई कर घर-परिवार चला रहे हैं. मुझे अपना परिवार चलाने के लिए हर माह सरकार से दी जाने वाली राशन की जरूरत है.

हर माह राशन मिलता, तो सब को बहुत राहत मिलती : राजिया खातून

बरही पश्चिमी पंचायत चौक मोहल्ला निवासी मो. शहजाद खान की पत्नी राजिया खातून ने बताया कि ग्रीन कार्ड से एक माह का

राशन मिलता है. इससे पहले जब से यह कार्ड बना है, मात्र पांच माह ही राशन मिला है. उनके पति सिलाई का काम करते हैं, तब उनलोगों के परिवार में शामिल पांच सदस्यों का गुजर-बसर चलता है. अगर राशन हर महीना मिलता, तो राहत होती. सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है.

मार्च के बाद नहीं मिला राशन, चना दाल भी नहीं : शहजादी खातून

बरही पश्चिमी पंचायत हजारीबाग रोड निवासी जफर उद्दीन की पत्नी शहजादी खातून ने बताया कि उनका ग्रीन कार्ड

लॉकडाउन से पहले बना है. इस कार्ड में इस साल मे मार्च का राशन उठाया है. बीच-बीच में पहले भी एक-दो महीना राशन मिला है. उसके बाद से राशन नहीं मिल रहा है. चना दाल का तो नामोनिशान नहीं है. उन्होंने बताया कि माली हालत ठीक नहीं है. उनके पति दिव्यांग और ससुर काफी बुजुर्ग हैं. बच्चे की फीस जमा नहीं कर पा रही हूं, तो राशन कहां से खरीदें.

मार्च के बाद राशन नहीं, सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए : शमीदा खातून

चौपारण स्थित ताजपुर की शमीदा खातून ने बताया कि ग्रीन कार्ड पर राशन नहीं मिल रहा है. मार्च के बाद से अनाज नहीं

मिला है. चना दाल के बारे में तो जानकारी तक नहीं दी जाती है. कईबार डीलर से शिकायत की, लेकिन अनाज नहीं आने की बात कही जाती है. दौड़ लगाते-लगाते थक चुकी हैं, अब उनसे नहीं दौड़ा जाता है. सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए. समय पर राशन नहीं मिलने से लोगों को काफी परेशानी का समाना करना पड़ता है. इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

सालभर से नहीं मिला है राशन,दाल का पता नहीं : कांति देवी

पदमा सरैया की कांति देवी ने बताया कि ग्रीन कार्ड पर सालभर से राशन नहीं मिल रहा है. चना दाल के बारे में उन्हें पता भी नहीं है. डीलर ने भी कभी जानकारी नहीं दी. कई बार डीलर से शिकायत की, लेकिन बहाना बनाकर मामले को टाल दिया जाता है. उनके पति की मौत पांच वर्ष पहले ही हो चुकी है. दो बेटे मजदूरी कर घर चला रहे हैं. राशन मिलती, तो थोड़ी सुविधा होती.

चाईबासा

ग्रीन कार्ड को अहमियत नहीं दी जाती ,सरकार ध्यान दे: जेमा कुई

राशन कार्ड धारी जेमा कुई ने कहा कि पिछले दो महीने से

राशन नहीं मिला है. जिसके कारण स्थिति खराब हो जा रही है. ग्रीन कार्ड को अहमियत नहीं दी जाती है. लगातार प्रयास करने के बाद भी डीलर की ओर से राशन नही मिल रहा है. इससे काफी परेशानी होती है. रोजगार भी सही से नहीं मिल रहा है. इस कारण आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो चुकी है. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है.

अप्रैल माह का अभी तक राशन नहीं मिला,खराब हो रही स्थिति : रमेश

ग्रीन कार्डधारी रमेश बोदरा ने कहा कि अप्रैल माह का अभी तक

राशन नहीं मिला है, जबकि अधिकतर स्थान पर राशन मिल चुका है. हमारे क्षेत्र में ही राशन नहीं मिल रहा है. तांतनगर प्रखंड के अधिकतर डीलर के यहां राशन नहीं मिलने से स्थिति खराब हो रही है. सरकार को इस पर विचार करना चाहिए और राशन मुहैया कराना चाहिए. पलाश को रोकने के उद्देश्य से ही ग्रामीण क्षेत्र में सरकार अपनी योजना के तहत राशन का वितरण किया जाता है.

सही मॉनिटरिंग की जरूरत है तभी स्थिति सुधरेगी : लाल सिंह

कार्डधारी प्रधान बंकिरा ने कहा कि पिछले दो माह से मुझे राशन नहीं मिला है. इसके कारण स्थिति खराब हो

गई है. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है. जब तक सही मॉनिटरिंग नहीं होगी तब तक राशन का वितरण सही से नहीं होगा. जिला स्तर से उपायुक्त को इस पर गंभीरता से मॉनिटर करना चाहिए, ताकि समय पर लाभुक को राशन का वितरण हो सके. लगातार राशन वितरण को लेकर अनियमितता जिला में हो रही है, लेकिन इसमें सुधार करने का किसी तरह का विकल्प सरकार के पास नहीं है. न ही स्थानीय प्रशासन के पास है.

वार महीने से राशन नहीं, प्रशासन शीघ्र उपलब्ध कराए : प्रधान बंकिरा

कार्डधारी प्रधान बंकिरा ने कहा कि पिछले 4 महीने से राशन

नहीं मिला है. इसको लेकर शिकायत प्रखंड विकास पदाधिकारी से की गई है. लेकिन किसी तरह की कार्रवाई नहीं हो पाई है. जिला प्रशासन से मांग है कि मुझे राशन उपलब्ध कराया जाए. डीलर इस पर गंभीर नहीं है. जब भी राशन लेने के लिए डीलर के पास जाते हैं तो डीलर की ओर से राशन नहीं होने की बात कही जाती है. अधिकतर गांवों में लाभुक को राशन नहीं मिल रहा है. इसकी जांच होनी चाहिए. यह स्थिति ग्रीन कार्ड धारक की है. सरकारी नियम के अनुसार जैसे राशन मिलना चाहिए उस तरह राशन नहीं मिल रहा है.

गिरिडीह

बच्चों के भरण पोषण में परेशानी हो रही है : कुंती देवी

जिले के घनवार प्रखंड की ग्रीन कार्डधारी लाभुक बरजो गांव निवासी कुंती देवी ने कहा कि मार्च महीने के बाद से राशन नहीं मिला है. राशन नहीं मिलने से दो छोटे बच्चे के भरण पोषण में काफी परेशानी हो रही है. समय पर राशन नहीं के कारण मेरे पति को मजदूरी के लिए दूसरे राज्य में जाना पड़ा है. उन्होंने कहा कि मेरा ग्रीन राशन कार्ड संख्या 202800584812 है. समय पर राशन मिलने से परिवार को बड़ी राहत मिलती है.

मार्च के बाद राशन नहीं, सबकी परेशानी बढ़ गई है : लक्ष्मी देवी

जमुआ प्रखंड के मनकडीहा गांव की ग्रीन कार्ड की लाभुक लक्ष्मी देवी ने कहा कि मार्च 2023 के बाद से राशन नहीं मिला है. पिछले छह महीने से राशन नहीं मिलने के कारण परेशानी बढ़ गई है. ग्रीन कार्ड धारियों के प्रति सरकार का रवैया ठीक नहीं है. समय पर राशन मिलना चाहिए. उन्होंने कहा कि उनका ग्रीन कार्ड का संख्या 202800329841 है.सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए कि सभी को समय पर राशन मिल सके.

जामताड़ा

अब तक राशन नहीं, उपेक्षा का शिकार होना पड़ रहा है : रिंकू

करमाटांड़ की रिंकू देवी का कहना है कि ग्रीन राशन कार्डधारियों को मार्च का बैकलॉग खाद्यान्न अक्टूबर महीने में दिया जा रहा है ,जबकि अप्रैल-अक्टूबर तक का खाद्यान्न अब तक नहीं मिला है ,कहा गया कि ग्रीन राशन कार्डधारियों को उपेक्षा का शिकार होना पड़ रहा है.

राशन के लिए हर महीने निराश होकर लौटना पड़ता है : भरत मंडल

करमाटांड के भरत मंडल का कहना है कि खाद्यान्न नहीं मिलने से परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है ,जहां बाजार से चावल खरीदना काफी महंगा है.वहीं पीएमजीकेवाई कार्डधारियों को प्रत्येक महीने खाद्यान्न मिल जाता है ,जबकि हमलोगों को खाद्यान्न के लिए हर महीने निराश होकर लौटना पड़ता है.

राशन का चावल मिलने से बहुत राहत मिलती है : प्रतिमा देवी

करमाटांड की प्रतिमा देवी कहती है कि हर महीने चावल उठाव के लिए पीडीएस दुकान पहुंचते हैं.परंतु चावल नहीं दिया जाता है.इस महीने पिछले मार्च महीने का चावल मिला है,जिससे परिवार पर थोड़ा आर्थिक बोझ कम हुआ है.बाजार मे चावल के दाम काफी अधिक है.

साहिबगंज

राशन नहीं मिलने से परेशानी हो रही है : मुशर्रफ शेख

उधवा प्रखंड के निवासी मुशर्रफ शेख का कहना है कि मेरे ग्रीन कार्ड में 5 सदस्यों का नाम जुड़ा हुआ है. उन्होंने कहा कि मार्च 2023 तक राशन मिला गया है. इसके बाद राशन नहीं दिया गया है. राशन नहीं मिलने से काफी परेशानी हो रही है. महंगाई वैसे भी चरम पर है. ग्रीन कार्ड से चावल मिलता था तो थोड़ी राहत मिलती थी. लेकिन अब स्थिति दयनीय होती जा रही है. उसमें से भी हम लोगों से हर यूनिट पर 1 केजी राशन डीलर काट कर ही देता है. इस मुद्दे को लेकर जिला आपूर्ति पदाधिकारी अमर प्रसाद ने बाते की तो उन्होंने कहा कि मार्च तक ग्रीन कार्ड धारियों को नंबर 2022 से लेकर 2023 अप्रैल तक का टेंडर के माध्यम से अनाज वितरण किया जा चुका है.

कोई सुनने वाला नहीं है : चंदन कुमार

शहर के पाइप रोड निवासी चंदन कुमार ने पाइप रोड निवासी चंदन कुमार ने बताया कि राज्य सरकार ने ग्रीन कार्ड योजना का राशन दिसंबर 2022 तक का दिया है. हालांकि अन्य जिलों में मार्च तक का राशन कई लोगों को मिला है ,राशन नहीं मिलने से काफी दिक्कत होती है. लेकिन क्या करे, कोई सुनने वाला नहीं है. अगर ऐसा ही रहा तो मुश्किल बढ़ जाएगी.

बेरमो

राशन नियमित नहीं मिलने से परेशानी होती है : प्रियंका देवी

प्रियंका देवी (पति पुनीत महतो) उग्रवाद प्रभावित झुमरा पहाड़ की रहने वाली है. उनका कहना है कि छह माह में एक बार दो महीने का राशन मिलता है. परिवार में एक बेटा और दो बेटी है. पति मजदूरी करते है. नियमित राशन मिलता तो काफी सहूलियत होती. राशन नहीं मिलने से काफी परेशानी होती है .सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है. ताकि सभी को राहत मिल सके.

अप्रैल से राशन नहीं मिला है ध्यान दे : अफसाना परवीन

अफसाना परवीन गोमिया प्रखंड के सयांग उतरी पंचायत की रहने वाली है. उनका कहना है कि अप्रैल माह से अबतक का राशन नहीं मिला है. चना दाल भी नहीं मिली है. राशन नहीं मिलने से काफी परेशानी होती है. महंगाई वैसे भी चरम पर है. ग्रीन कार्ड से चावल मिलता था तो थोड़ी राहत मिलती थी, लेकिन अप्रैल मे अब तक स्थिति दयनीय होती जा रही है. केंद्र सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए.

सरकार समय पर राशन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें

राज्य सरकार ने अपने स्तर से व्यवस्था कर मार्च तक का राशन 53 प्रतिशत कार्डधारियों को उपलब्ध करा दिया है.

जिलावार कार्ड संख्या और चावल वितरण की स्थिति

जिला	ग्रीन कार्ड	वितरण की प्रतिमाह मात्रा	वितरण की स्थित
बोकारो	30087	468925	0
चतरा	18094	246990	0
देवघर	21553	351330	0
धनबाद	41201	606350	0
दुमका	21014	323080	0
पूर्वी सिंहभूम	30975	459700	0
गढ़वा	20823	315300	0
गिरिडीह	32058	546210	0
गोड्डा	22655	353800	0
गुमला	13031	230030	0
हजारीबाग	20463	340395	0
जामताड़ा	14889	230895	0
कोडरमा	10044	180955	0
लातेहार	10764	171115	0
लोहरदगा	8708	130780	0
पाकुड़	16773	279470	0
पलामू	29145	439620	0
रांची	33130	477070	0
साहिबगंज	22933	410285	0
सरायकेला	17923	250270	0
सिमडेगा	7385	98760	0
प. सिंहभूम	30219	351455	0
खूंटी	9472	116960	0
रामगढ़	11175	205845	0
कुल	494514	#####	0

गोड्डा

डीलर की मनमानी तो कभी नाप से दिक्कत : अब्दुल सत्तार

बसंतराय प्रखंड अंतर्गत ग्राम राहा के ग्रामीण अब्दुल सत्तार का कहना है कि नियमित अनाज नहीं मिलने से बहुत दिक्कत होती है. कभी डीलर की मनमानी तो कभी कम नाप के कारण दिक्कत होती है. अनाज कब आता है इसकी भी सूचना नहीं मिल पाती है. डीलर के पास हमेशा बहाना तैयार रहता है. अनाज ऊपर से नहीं मिलने का बहाना कह कर टाल देते हैं. किसी प्रकार से हम लोगों की जिंदगी कट रही है.

सरकार बहुत कुछ कहती है पर सब नहीं मिलता : गुलाम

ग्रामीण गुलाम रसूल बताते हैं कि सरकार कहती है कि चावल के साथ दाल भी दे रहे हैं, नमक दे रहे हैं, तेल भी दे रहे हैं, मगर यहां तो नियमित चावल मिलने पर भी आफत है. पिछला राशन कब मिला था यह भी याद नहीं है. शिकायत होने पर अधिकारी डीलर के पास जाते हैं और सारा कागज सही दिखा देते हैं और सब मैनेज हो जाता है. शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं होती है.

सब डीलर के भरोसे, अधिकारी झांकने नहीं आते: जमील अख्तर

ग्राम पछुवाकिता के ग्रामीण जमील अख्तर कहते हैं कि राशन प्रणाली पूरी तरह से डीलर के भरोसे है. डीलर को ऊपर से दबाव मिलता है तो वह गरीब जनता को परेशान करता है. समय पर राशन नहीं मिलने से अनाज की उपयोगिता काम हो जाती है. सरकार कई तरह की सुविधाओं की घोषणा करती है. मगर वह सुविधा जनता तक पहुंच नहीं पाती है. कोई भी अधिकारी मौके पर झांकने नहीं आते हैं.

किरीबुरू

इस समय राशन नहीं मिलने से दिक्कत हो रही है : रोहित कुमार

ग्रीन कार्डधारी सीता देवी का पुत्र रोहित कुमार ने बताया कि मार्च 2023 का राशन अगस्त 2023 में मिला. उसके बाद

राशन नहीं मिला. राशन नहीं मिलने की वजह से बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. हमारी आर्थिक स्थिति कमजोर है और हम बेरोजगार है. सरकारी राशन मिलने से काफी राहत मिलती है. हमलोग को कभी बना दाल नहीं मिली. राशन डीलर कहते हैं कि अप्रैल माह का राशन आया है, लेकिन हमें अभी बांटने का निर्देश नहीं मिला है.

मार्च के बाद राशन नहीं मिला, जल्द उपलब्ध कराए सरकार : शोभा देवी

हरा कार्डधारी शोभा देवी ने बताया कि सरकार सात माह से राशन नहीं दे रही है. ऐसे में हम लोग कैसे जीवन यापन करेंगे,

क्या खायेंगे. उन्होंने कहा कि मार्च माह का राशन अगस्त में मिला है. मार्च के बाद का राशन नहीं मिला है. दुकान से चावल 40-50 रुपये किलो मिल रहा है. ऐसे में हमारा घर-परिवार चलाना मुश्किल हो गया है. सरकार हर माह राशन देना सुनिश्चित करें तथा बकाया राशन भी जल्द उपलब्ध कराये.

मार्च के बाद राशन नहीं मिला है, क्या खाएंगे : रेहाना खातून

हरा कार्डधारी रेहाना खातून का कहना है कि हम गरीबों को सरकारी राशन से बहुत सहारा मिलता है. आखिरी बार

अगस्त माह में मार्च महीने का बकाया राशन दिया गया. मार्च के बाद का राशन नहीं मिला है. डीलर कहते हैं कि अप्रैल माह का राशन आया है, लेकिन बांटने का अभी आदेश नहीं आया है. ऐसी स्थिति में हम गरीब क्या खायेंगे. महंगाई चरम पर है. दुकान से राशन खरीदना काफी महंगा पड़ता है. सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

बाजार से चावल खरीदना काफी मुश्किल हो रहा है : सुमन पात्रो

हरा कार्डधारी सुमन पात्रो ने बताया कि मार्च माह के बाद का राशन अब तक नहीं मिला. आखिरी बार अगस्त माह में राशन

दिया गया. महंगाई इतनी है कि दुकान से महंगा चावल खरीदना मुश्किल हो रहा है. डीलर कहते हैं कि जब सरकार राशन भेजेगी तो हम देंगे. ऐसी स्थिति में हम गरीब क्या खायेंगे. सरकार से हर माह मिलने वाली राशन से काफी सहारा मिलता था. सरकार जल्द बकाया राशन उपलब्ध कराये, ताकि सभी को राहत मिल सके. नहीं तो घर चलाना मुश्किल हो रहा है.

सरकार जल्द इसका समाधान निकाले : सरोज देवी

हरा कार्डधारी सरोज देवी का कहना है कि सरकार हम गरीबों को भूख से मारने की कोशिश नहीं करें. एक तरफ बेरोजगारी व दूसरी तरफ महंगाई है. उन्होंने कहा कि मार्च माह के बाद का राशन अब तक नहीं मिला. आखिरी बार अगस्त माह में मार्च महीने का राशन दिया गया. राशन दुकान में चावल 50 रुपये किलो बिक रहा है. यह हमारे लिये खरीदना संभव नहीं है. सरकार इस समस्या का जल्द समाधान निकाले.

ब्रीफ खबरें

इको पार्क के विरोध में एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

बेरमो। बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति की एक बैठक तेनुघाट में समिति के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा की अध्यक्षता में हुई. मिश्रा ने बैठक में बताया कि समिति के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो को एक ज्ञापन दे कर जानकारी दी जा रही है कि सीसीएल द्वारा इको पार्क बनाए जाने के बेरमो के जनता विरोधी नहीं है. लेकिन, सवांग में हवाई अड्डा बहुत समय से है. बेरमो अनुमंडल का बहुमूल्य धरोहर है. जो वर्तमान एवं भविष्य में भी अत्यंत उपयोगी है व रहेगा .

योजनाओं को 15 नवंबर तक करें पूर्ण : डीडीसी

बोकारो। बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड सभागार में गुरुवार को उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री जी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा बैठक की. बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास जिला कृषि पदाधिकारी, सहायक अभियंता, विद्युत अवर प्रमंडल, चंदनकियारी, वरीय लेखा पदाधिकारी तथा अन्य शामिल थे. समीक्षा क्रम में उप विकास आयुक्त ने योजनाओं को आगामी 15 नवम्बर तक पूर्ण करने का निर्देश दिया.

दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बची एक्सप्रेस

जमशेदपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल के टुनिया रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक मेंटेनर की सूझबूझ से एक बड़ा रेल हादसा टल गया है. टुनिया रेलवे स्टेशन के पास पोल नंबर 338/20/22 पर रेल पटरी टूटी हुई मिली. इसमें ट्रैक मेंटेनर की सूझबूझ से इसी पटरी पर आ रही अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गयी. गुरुवार को रेलवे ट्रैक मेंटेनर द्वारा रेल पटरी की पेट्रोलिंग की जा रही थी. इसी दौरान ट्रैक मेंटेनर ने टुनिया स्टेशन के पास रेल पटरी पर दरार देखी.

डीसी ने मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम की दी जानकारी

बोकारो। बोकारो समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन कर 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 की विस्तृत जानकारी संवाददाताओं को दी. मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हत्ता तिथि 01 जनवरी 2024 के आधार पर मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2024 का कार्यक्रम घोषित किया है.

27 को प्रारूप मतदाता सूची का होगा प्रकाशन

पाकुड़। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के निमित्त सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन, दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने एवं उसका निष्पादन तथा मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन के आयोग की ओर से निर्धारित तिथियों के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी गई. इसके तहत दिनांक 27 अक्तूबर 2023 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा. मतदाता सूची में नाम शामिल करने, नाम विलोपन एवं त्रुटि में सुधार के लिए दिनांक 27 अक्तूबर से 09 दिसंबर 23 तक दावा एवं आपत्ति प्राप्त करने के लिए तिथि निर्धारित है.

बोकारो जिले के सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत कई दुकानों में छापेमारी कर वसूला गया जुर्माना, दी गई खख्त चेतावनी

सिगरेट का विज्ञापन लगाना कोटपा कानून का उल्लंघन

संवाददाता। बोकारो

बोकारो जिले के सिटी थाना क्षेत्र के नयामोड़, दुन्दीबाग मार्केट समेत बोकारो बस स्टैंड के कई दुकानों में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि व जिला तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला परामर्शी मो असलम ने छापेमारी कर सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पाद बेच रहे 57 दुकानदारों से 2140 रुपये जुर्माना की वसूली की. उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा गया कि सिगरेट, गुटखा समेत अन्य तंबाकू पदार्थों की बिक्री कोटपा कानून का उल्लंघन है. अगली बार जो भी गुटखा व सिगरेट बेचते पकड़े गए तो उन दुकानदारों पर कार्रवाई निश्चित है.

बोकारो के दुन्दीबाग में दुकान में छापेमारी करते जिला परामर्शी.

दी चेतावनी

- 57 दुकानदारों से वसूला गया 2140 रुपये जुर्माना
- अगली बार तंबाकू उत्पाद बेचे, तो होगी कार्रवाई

कोटपा कानून सुनिश्चित हेतु हो रही छापेमारी

इस दौरान जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि कोटपा 2003 की धारा 6ए का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने हेतु छापेमारी की जा रही है. जिला परामर्शी के अनुसार वैसे सभी विक्रेता व दुकानदार जिन्होंने कोटपा 2003 की धारा 6 ए में वर्णित प्रावधानों के आलोक में वैधानिक चेतावनी वाले बोर्ड नहीं लगाया है, उनपर भी कार्रवाई की जाएगी.

तम्बाकू उत्पाद का विज्ञापन करना प्रतिबंधित

जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि कोटपा कानून के अंतर्गत किसी भी तम्बाकू उत्पाद का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विज्ञापन करना भी प्रतिबंधित है. बार बार दुकानदार को चेतावनी देने के बाद भी कुछ दुकानदार अभी भी तम्बाकू उत्पाद का प्रचार प्रसार कर रहे है. ऐसे सभी दुकानदारों को चेतावनी दी जाती है कि वह अपने दुकानों पर सिगरेट वाला प्रचार-प्रसार का पोस्टर न लगवायें, अन्यथा उनके विरुद्ध शिकायत दर्ज कर कानूनी कारवाई की जायेगी.

आओ जानें

झारखंड सामान्य ज्ञान

झारखंड में दामिन ए कोह की घोषणा किस वर्ष हुई ?
उत्तर : सन् 1824

पलामू में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था ?
उत्तर : नीलांबर और पितांबर

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ था ?
उत्तर : 1908

झारखंड में क्रिश्चन स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन का गठन किसने किया था ?
उत्तर :- जे बर्थोमान

छोटा नागपुर उन्नति समाज की स्थापना किस वर्ष हुई ?
उत्तर : 1915

आदिवासी नामक पत्रिका का प्रकाशन किस वर्ष किया गया था?
उत्तर : 1915

छोटानागपुर कैथोलिक सभा का गठन किस वर्ष किया गया था ?
उत्तर : 1932-33

झारखंड पार्टी का गठन किसके द्वारा किया गया ?
उत्तर : जयपाल सिंह

जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ उपायुक्त शशि रंजन ने की बैठक

मुख्यमंत्री 31 को पलामू में युवाओं को देंगे ऑफर लेटर

संवाददाता। पलामू

- नियोजन विभाग के तहत भी दिया जाएगा ऑफर लेटर
- 4 हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर सौंपेंगे सीएम

पदाधिकारियों के साथ बैठक करते उपायुक्त

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 31 अक्टूबर को मेदनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में बेरोजगार युवाओं को ऑफर लेटर देंगे. इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन कराने को लेकर उपायुक्त शशि रंजन सक्रीय है. इसी के निमित उन्होंने गुरुवार को समाहरणालय के सभागार में जिला स्तरीय विभिन्न पदाधिकारियों संग बैठक की. उन्होंने सभी पदाधिकारी को अलग-अलग टास्क सौंपा. 31 अक्टूबर के दिन सीएम पलामू प्रमंडल अंतर्गत कौशल विकास के तहत 4 हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर सौंपेंगे. वहीं, नियोजन विभाग के तहत 600 से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर दिया जायेगा. उपायुक्त शशि रंजन ने भवन निर्माण के अभियंता को स्टेज की गुणवत्ता व चिंयाकी हेलीपैड पर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया. नगर आयुक्त को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही. सुरक्षा की दृष्टि से सभी तैयारी को फुल प्रूफ करने को लेकर संबंधितों को निर्देश दिये. साथ ही उन्होंने रुट लाइनिंग, सेफ हाउस, ट्रैफिक मैनेजमेंट, क्राउड मैनेजमेंट, वाहन पार्किंग, विधि-व्यवस्था सहित अन्य बिंदु पर विभिन्न निर्देश दिये. मौके पर उप विकास आयुक्त रवि आनंद, अपर समाहर्ता सुरजीत कुमार सिंह, प्रशिक्षु आईएएस रवि कुमार,जिला आपूर्ति पदाधिकारी समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

डिग्री कॉलेज खोलने को लेकर आजसू दो नवंबर को देगा धरना

लातेहार। जिला मुख्यालय में उदघाटन के बाद से बंद दो डिग्री कॉलेजों को खुलवाने की मांग को ले कर आजसू पार्टी आगामी दो नवंबर को जिला मुख्यालय में धरना देगा. आजसू जिला अध्यक्ष अमीत कुमार पांडेय ने इस आशय की जानकारी यहां आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी. उन्होने कहा कि गत फरवरी माह में सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लातेहार के दो दिवसीय दौरे के क्रम में यहां एक डिग्री कॉलेज व एक महिला डिग्री कॉलेज भवन का ऑनलाइन उदघाटन किया था. लेकिन उदघाटन के आठ माह बाद भी इन कॉलेजो में पढ़ाई चालू नहीं हो पाई. उन्होने कहा कि यह यहां के छात्रो के साथ सरासर धोखा है. उदघाटन होने के बाद लगा कि अब यहां के छात्रो को उच्च शिक्षा के लिए अन्यत्र भटकना नहीं पड़ेगा, लेकिन सरकार की उदासीनता के कारण आज यहां के छात्र छले जा रहे हैं. पांडेय ने आगे कहा कि इन कॉलेजों को खोलने की मांग को ले कर आजसू पार्टी हस्ताक्षर अभियान भी चलायेगी. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव, सचिव शयाम प्रसाद व अंकित कुमार उपस्थित थे.

कोल्हान जंगल में पुलिस का सर्च अभियान जारी

नक्सलियों का कैंप किया ध्वस्त

संवाददाता। किरीबुरु

कोल्हान जंगल में भाकपा माओवादी नक्सलियों के खिलाफ संचालित अभियान के क्रम में टोन्टो/गोईलकेरा थानान्तर्गत रेस्डाकोचा और हुसिपी के आस-पास जंगली/पहाड़ी क्षेत्र में बनाये हुए नक्सली कैंप को सुरक्षा बलों ने गुरुवार को ध्वस्त कर दिया. साथ ही टोन्टो थानान्तर्गत सरजोमबुरू और लोवाबेड़ा ग्राम से एवं नक्सली कैंप से दैनिक उपयोग एवं अन्य सामग्री बरामद की गयी है. नक्सल विरोधी अभियान जारी है.

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि प्रतिबंधित माकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता के सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं. इसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209, 203, 205 बटालियन, झारखंड जगुआर एवं सीआरपीएफ 60, 197, 157, 174, 193, 134, 26 बटालियन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान चलाया जा रहा है.

अभियान के दौरान गुरुवार को गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम हाथीबुरू और लिमसाडीह के आस-पास जंगली/पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये रास्ते में गड्ढा करके लोहे का रड और तीर में एसआई परविंदर सिंह, सीआरपीएफ 60 बीएन का पैर पड़ने के कारण स्पाइक होल में लगे रड से जख्मी हो गये. आगे सर्च के दौरान गड्ढा करके लोहे का रड और तीर (6 स्पाइक होल) बरामद कर सुरक्षा की दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से नष्ट किया गया है.

रेल यात्री के छूटे लैपटॉप को सुरक्षित आरपीएफ ने लौटाया

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दो यात्रियों के ट्रेन में छूटे सामान को सकुशल वापस लौटाया है. इससे यात्रियों ने राहत की सांस ली है. पहली घटना में उत्कल एक्सप्रेस में सफर कर रहे नितीश कुमार का लैपटॉप व अन्य सामानों से भरा बैग टाटानगर स्टेशन के प्लेटफोर्म नंबर-4 पर छूट गया था. इसकी सूचना मिलने पर आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और बैग को बरामद कर पोस्ट ले आई. विडियो कॉल पर यात्री से सामान की पहचान कराई गई. इसके बाद नितीश कुमार ने अपने काशीडीह में रहने वाले दोस्त साहिल सिंह को बैग रिसीव करने के लिए आरपीएफ पोस्ट भेजा. जहां पूछताछ और उचित पहचान व सत्यापन के बाद सभी सामान उनके सुपुर्द कर दिया गया.

पेज एक का शेष

सेंसेक्स धड़ाम : निवेशकों के 3 लाख करोड़ स्वाहा

निवेशकों की बिकवाली और बाजार के गुरुवार को सेंसेक्स 1000 तो निफ्टी 300 अंकों को गिरावट आई. एनएसई का मिड कैप इंडेक्स 900 अंक नीचे फिसल गया. बीएसई सेंसेक्स 900 अंकों की गिरावट के साथ 63,148 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 265 अंकों की गिरावट के साथ 18,857 अंकों पर बंद हुआ.

लाल निशान पर ही खुला था बाजार : लगातार गिरवाट की वजह से बाजार में कमजोरी का महौल बना रहा. बाजार में सुबह ओपनिंग के समय से ही गिरावट देखी गई. बीएसई पर सेंसेक्स 336 अंकों से टूट कर 63,675 पर खुला. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 95 अंकों के गिरावट के साथ 19,002 पर ओपेन हुआ .

6 दिनों में निवेशकों के डूबे 22 लाख करोड़ रुपए : बता दें कि बीते कुछ दिनों से शेयर बाजार में हाहाकार मचा हुआ है. बीते 6 दिनों में बीएसई के मार्केट कैप में 22 लाख करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई. बड़ी गिरावट वाले शेयरों में एमएंडएम 3 फीसदी, बजाज फाइनेंस 2.8 फीसदी, टेक महिंद्रा 2.8 फीसदी, नेस्ले 2.4 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.4 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.1 फीसदी नीचे रहे.

22 की मौत, 60 घायल

लेविस्टन पुलिस ने इससे पहले फेसबुक पोस्ट में कहा, लगभग 4 मील दूर एक बॉलिंग एली, स्कीमेंजेस बार और ग्रिल तथा स्पेयरटाइम रिक्रिएशन में एक शूटर लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहा था. एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने अपने फेसबुक पेज पर संदिग्ध की दो तस्वीरें जारी कीं, जिसमें एक बंदूकधारी अपने कंधे पर हथियार उठाए हुए गोलीबारी कर रहा है.

मैं सदमें में हूं... : एक पुलिस कर्मी ने बताया कि, सच कहूं तो मैं सदमे की स्थिति में हूं. मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी टीम ने तुरंत प्रतिक्रिया दी उनमें हर कोई सुरक्षित है. लेकिन इस घटना से मैं सुन्न महसूस कर रहा हूं. लेविस्टन के लिए अलर्ट रात 8 बजे के तुरंत बाद जारी किया गया था. जैसा कि शेरिफ कार्यालय ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां "दो सक्रिय शूटर घटनाओं" की जांच कर रही थीं. बयान में कहा गया, "जब तक अधिकारी पूरी तरह स्पष्ट नहीं कर देते, तब तक इस क्षेत्र से दूर रहें."क्षेत्र और किसी भी व्यवधान से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों की तलाश करें.

हमास के 250 ठिकाने ध्वस्त

नेतन्याहू ने कहा- आने वाले समय में 7 अक्टूबर को हमास का हमला न रोक पाने के लिए मेरे साथ ही सभी को जवाब देना पड़ेगा. वहीं, इजराइली सेना ने बताया कि वो बुधवार रात टैंकों के साथ उत्तरी गाजा में घुसे. उन्होंने हमास के कई ठिकानों और रॉकेट लॉन्च पोजिशन को निशाना बनाया. दूसरी तरफ, येरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल अमेरिका की बात मान कर जमीनी हमले को कुछ समय तक टालने के लिए तैयार हो गया है.

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी : यह हमला ऐसे वक्त में किया गया है जब संयुक्त राष्ट्र ने आगाह किया है कि गाजा पट्टी में ईंधन खत्म होने की कगार पर है. इससे उसे क्षेत्र में राहत प्रयास को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. इजराइल-फलस्तीन के दशकों से चल आ रहे संघर्ष में गाजा में अभी हो रहा खूनखराबा अभूतपूर्व है. अगर इजराइल हमास के खात्मे के मकसद से जमीनी आक्रमण शुरू करता है, तो गाजा में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है.**कतर में नेवी के आठ पूर्व अफसरों को मौत की सजा :** सभी कांसुलर और कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे. फैसले को कतर के अधिकारियों के सामने भी उठाएंगे.'' मंत्रालय ने कहा कि इस मामले की कार्यवाही की गोपनीय प्रकृति के कारण, इस समय कोई और टिप्पणी करना उचित नहीं होगा.

इजरायल के लिए जासूसी का है आरोप : ये सभी ऑफिसर भारतीय नौसेना में अलग-अलग पोस्ट पर काम कर चुके हैं. उनके ऊपर इजरायल के लिए जासूसी करने का आरोप है. इन 8 लोगों में प्रतिष्ठित ऑफिसर भी शामिल हैं. इन्होंने कभी प्रमुख भारतीय युद्धपोतों की कमान संभाली थी. फिलहाल डहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज के लिए काम कर रहे थे. ये एक प्राइवेट फर्म है, जो कतर के सशस्त्र बलों को ट्रेनिंग और इससे जुड़ी सर्विस मुहैया करती है.

वे डोलत रस आपने, उनके फाटत अंग...

कमलेश सिंह एनसीपी में विभाजन के बाद दिल्ली में पवार की मीटिंग में गये थे, लेकिन अब पटेल को अपना नेता बता रहे हैं. झारखंड से कांग्रेस की एकमात्र लोकसभा सीट प. सिंहभूम पर झामुमो दावा ठोंक रहा है. उसका कहना है कि इस लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटों पर झामुमो का कब्जा है. इसलिए यहां दावा तो झामुमो का ही बनता है. कांग्रेस यह तथ्य भलीभांति जानती है कि भाजपा विरोधी लगभग सभी पार्टियां कांग्रेस के वोट बैंक पर कब्जा कर चुकी हैं और यह वोट बैंक है अल्पसंख्यकों का. इसमें ईसाई और मुस्लिम दोनों शामिल हैं. कर्नाटक के नतीजों के बाद कांग्रेस को यह इत्मीनान हो गया है कि मुसलमान कांग्रेस की ओर लौट रहे हैं. अब यदि आसन्न पांच विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहा और एमपी भाजपा से छीन लेती है, तो फिर वह नवगठित इंडिया अलायंस को डिक्टेट करने का लोभ संवरण नही कर पाएगी. वैसे तो केजरीवाल की पार्टी छत्तीसगढ में बघेल सरकार को भ्रष्ट बता ही रही है और राजस्थान में बसपा, एमपी में सपा अपनी ताकत के हिसाब से लड रही हैं, लेकिन कांग्रेस का सर्वाधिक जोर एमपी पर ही है. तभी तो कमलनाथ ने इंडिया अलायंस की भोपाल रैली रद करवा दी. यदि वह रैली हो जाती तो उसमें स्टालिन भी आते और तब सनातन का मुद्दा भभक उठता, जिसे उन्होंने अपने ठगजाल से ठंडा करने का भरपूर प्रयास किया है. कमलनाथ ने जानबूझ कर सपा को घास नहीं डाली. उन्हें अंदेशा है कि यदि कांटे के मुकाबले में सरकार बनाने के लिए कुछ सीटें कम पड गईं, तो भाजपा सपा वगैरह के विधायकों को उड़ा ले जाएगी. लेकिन क्या यही है बडप्पन या दिल बड़ा करने के अनुरोध का प्रतिफल. अगर इस अलायंस के सभी घटक अपने मित्र दलों के लिए अपने प्रभाव क्षेत्र की कुछ सीटें नहीं छोड़ेंगे, एक -दूसरे को भाजपा की बी टीम कहेंगे और शक की नजर से देखेंगे, तो गंठबंधन का औचित्य क्या रह जाएगा ? यदि क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस पैर पसारने का मौका नहीं देगी, तो वे उसे अपने घर में जगह क्यों देंगे ? शायद इन्हीं हालात के मद्देनजर रहीम ने कहा है

कह रहीम कैसे निभे, केर बेर को संग,
वो डोलन रस आपने, उनके फाटत अंग...

ओएनजीसी ने कराया नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मनुष्य के जीवन में नेत्रों का विशेष महत्व : लम्बोदर महतो

संवाददाता। बेरमो

गोमिया प्रखंड के साड़म पश्चिमी पंचायत भवन परिसर में 26 अक्टूबर को ओएनजीसी के सौजन्य से नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर को अनुग्रह नारायण स्वयं सेवी संस्था, दिल्ली और अग्रवाल लेजर एवं इम्प्लांट सेंटर बोकारो के तत्वाधान में निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया. मौके पर गोमिया के विधायक डॉ लम्बोदर महतो व स्थानीय मुखिया शोभा देवी ने विधिवत रूप से शिविर का उदघाटन किया. इस दौरान संस्था के संजय ओटवाल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे. वहीं, इस शिविर में ओएनजीसी के कोई भी अधिकारी नहीं रहने के कारण विधायक ने नाराजगी जाहिर की.

इस अवसर पर विधायक डॉ लम्बोदर महतो ने कहा कि नेत्र हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है. मनुष्य के जीवन में नेत्रों का विशेष महत्व रहता है. यदि नेत्र ही ठीक न हो तो व्यक्ति के लिए अनेक विकट परिस्थितियां का सामना करना पड़ता है. इसलिए हमें इनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए.

खास बातें

- शिविर में 252 लोगों ने आंखों की करवाई जांच
- 65 लोगों के आंखों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए

बीसीसीएल, सेल, हर्ल जैसी कंपनियों से कर वसूलने में नाकाम रहे

घोषणावीर साबित हुए पूर्व नगर आयुक्त

संवाददाता। धनबाद

धनबाद नगर निगम के गठन के बाद लंबे समय तक निवास करने वाले नगर आयुक्त सतेंद्र कुमार की अब विदाई हो चुकी है. निगम में उनका कार्यकाल 27 जुलाई 2020 से 25 अक्टूबर 2023 तक रहा. अभी तक के नगर आयुक्तों में से सबसे ज्यादा दिन वे निगम में टिके लेकिन, अपने काम से ज्यादा वे सोखी बघेरने के लिए ज्यादा मशहूर रहे. निगम में स्वतंत्र अधिकार मिलने के बाद भी एक भी कार्य पूरा नहीं सके. शहर से निकलने वाले कचरे के निपटारे के लिए एक प्रोसेसिंग प्लांट का भी निर्माण नहीं करा सके. फंड की व्यवस्था होने के बाद भी शहर को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने में भी नाकाम साबित हुए. 10 करोड़ खर्च कर पॉल्यूशन मोनेटरिंग सिस्टम लगा, 7 करोड़ खर्च कर वाटर स्प्रिंकल मशीन की खरीद हुई लेकिन, नियमित रूप से इनका उपयोग भी नहीं हुआ और ना हरे-भरे पेड़ लगे. 120 इलेक्ट्रिक और सीएनजी बस का काम भी पूरा नहीं करा सके. इतना ही नहीं इनके कार्यकाल में तालाबो सौंदर्यकरण के नाम पर पैसे का जमकर बंदरबांट हुआ. इसके बाद भी अलग-अलग 10 से अधिक वार्ड में तालाब का सौंदर्य करण अधूरा रह गया.

- पूर्व नगर आयुक्त सतेंद्र कुमार झमाडा के मृत कर्मियों के आंदोलन और निगम के सुपरवाइजरों को हटाने को लेकर सुर्खियों में रहे. कई मौके पर मीडिया कर्मियों पर भी जमकर बरसे. अब इनके जाने के बाद कई तरह का चर्चा भी शुरू हो चुका है. आने वाले समय में कई राज भी समाने आ सकता है.

कंपनियों से कर वसूलने में रहे नाकाम

ज्ञात हो कि पूर्व नगर आयुक्त सतेंद्र कुमार रानीबांध तालाब के पास सड़क पर जल जमाव से निपटने में नाकाम साबित रहे. तीन महीने से अधिक समय तक राहगीर परेशान रहे. उन्होंने जाते-जाते ज्यादातर लोगों पर कर नहीं देने का भी आरोप लगाया, लेकिन बीसीसीएल, सेल, हर्ल जैसी कंपनियों से कर वसूलने में खुद भी नाकाम साबित हुए.

बैठक

मतदाता पुनरीक्षण में झारखंड में वोटर्स की कुल संख्या 02,50,59,746

एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन आज

प्रमुख संवाददाता। रांची

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर को एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा रहा है. 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक दावा एवं आपत्ति संबंधी आवेदन देने का समय निर्धारित किया गया है. वहीं 28 और 29 अक्टूबर को सभी बीएलओ अपने-अपने बूथ पर बैठेंगे. लोग चाहें तो इसका लाभ उठा सकते हैं. उन्होंने बताया कि कई जिलों में जरूरत के मुताबिक मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन भी किया गया है.

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी.

राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने की अपील

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे सभी मतदान केंद्रों के लिए बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति जरूर कर लें, ताकि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान त्रुटिरहित मतदाता सूची के निर्माण में उनका भी सहयोग लिया जा सके. उन्होंने राज्य के सभी बीएलओ के सम्मान में शुक्रवार को सोशल मीडिया में चलाये जाने वाले एक घंटे के अभियान में भी राजनीतिक दलों से सहभागी बनने का आग्रह किया. सभी से अपील की गई कि वे वोटर हेल्पलाइन एप का भी अपने स्तर से प्रचार-प्रसार करें. साथ ही किसी प्रकार की नागरिक सहायता के लिए निर्धारित टोल फ्री नंबर 1950 का भी प्रचार-प्रसार करें.

मतदाता पुनरीक्षण की महत्वपूर्ण तारीखें

गतिविधियां	तारीख
एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन	27 अक्टूबर
दावा और आपत्ति संबंधी आवेदन देने की तिथि	27 अक्टूबर से 9 दिसंबर
विशेष अभियान दिवस	28-29 अक्टूबर, 04-05 नवंबर
प्राप्त दावा और आपत्तियों पर सुनवाई	26 दिसंबर
मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति	1 जनवरी 2024
अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन	5 जनवरी 2024

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के आंकड़े

राज्य की अनुमानित जनसंख्या	-	42396021	18-19 साल के कुल मतदाताओं की संख्या	-	401105
मतदाताओं की संख्या	-	25059746	18-19 साल के थर्ड जेंडर मतदाता	-	24
पुरुष मतदाताओं की संख्या	-	12824009	लिंगानुपात	-	954
महिला मतदाताओं की संख्या	-	12235359	मतदाता जनसंख्या अनुपात	-	59.11
थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या	-	78			

मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसक झड़प, 10 गिरफ्तार

संवाददाता । बेगूसराय

दुर्गा पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान बुधवार की रात बेगूसराय में दो पक्षों में जमकर रोड़ेबाजी हुई. इस दौरान आगजनी भी की गई. घटना बलिया थाना क्षेत्र के बलिया बाजार की है. मां की प्रतिमा बलिया बाजार के कर्पूरी चौक के पास पहुंची तो हंगामा शुरू हो गया. बताया गया कि इस जगह पर एक झंडा लगा हुआ था. इसी झंडे को हटाने के कारण विवाद शुरू हो गया. इस मामले में दोनों ओर से 10 लोगों की अब तक गिरफ्तारी की गई है. घटना को लेकर बेगूसराय जिला पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि, बलिया में पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग के बाद स्थिति अब सामान्य है. बलों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है. एरिया डोमिनेशन की जा रही है. उपद्रव करने वाले 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. मूर्ति विसर्जन में शामिल एक व्यक्ति अमित रस्तोगी के द्वारा खंभे में लगे दूसरे समुदाय के झंडे को निकाला गया, जिसके बाद एक पक्ष ने पत्थर चलाया और फिर दूसरे पक्ष ने उपद्रव किया. घटना के संबंध में यह जानकारी भी सामने आई है कि विसर्जन के दौरान कुछ पुलिसकर्मी भी साथ चल रहे थे. जब यह घटना हुई तो उन लोगों ने समझाने का प्रयास किया लेकिन उग्र भीड़ पर कोई असर नहीं हुआ. जब तक पुलिस बल या अधिकारी पहुंचते तब तक स्थिति तनावपूर्ण हो चुकी थी. कई गाड़ियों को आग के हवाले किया जा चुका था.

घटना के बाद गुरुवार की सुबह क्षेत्र में फिर दोनों पक्षों मे भारी तनाव उत्पन्न हो गया. स्थिति अनियंत्रित होने लगी तो एसपी ने आकर मोर्चा संभाला. एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है.

प्रतिमा विसर्जन के दौरान भोजपुर में भी पथराव

भोजपुर । शाहपुर में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान बुधवार को पथराव हुआ. घटना शाहपुर बाजार के पास एनएच 84 पर हुई है. पत्थरबाजी की सूचना मिलते ही भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और लोगों को समझा बुझा कर मामले को शांत कराया गया. जानकारी के मुताबिक शाहपुर में मूर्ति विसर्जन के दौरान छत के ऊपर से पथराव किया गया, जिसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई. घटना के बाद आस- पास की दुकानें बंद कर दी गईं. पथराव की सूचना मिलते ही सीडीपीओ व इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया.

आओ जानें

बिहार राज्य के राजकीय प्रतीक की सूची

बिहार का राजकीय चिन्ह	बोधिसत्व
बिहार का राजकीय गीत	मेरा भारत के कंठहार, तुझको,शत शत वंदन बिहार
बिहार का राजकीय प्रार्थना	मेरे रफ्तार पर सूरज की किरणें नाज करें
बिहार का राजकीय भाषा	हिन्दी, उर्दू
बिहार का राजकीय पशु	गौर (बैल)
बिहार का राजकीय पक्षी	गौरैया
बिहार का राजकीय फूल	गेंदा
बिहार का राजकीय खेल	कबड्डी
बिहार का राजकीय व्यंजन	लिट्टी-चोखा
बिहार का राजकीय मिठाई	दुधौरी
बिहार का राजकीय मछली	मांगुर
बिहार का राजकीय वृक्ष	पीपल

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने 3 अपराधियों को किया गिरफ्तार

नवादा । नवादा नगर थाने की पुलिस ने गुरुवार को पटेल नगर मोहल्ले से दो कट्टे तथा तीन जिंदा कारतूस के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. जो किसी बड़े अपराध की योजना बना रहा था. नगर थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि अपराधी पटेल नगर में कोई बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए एकजुट हुए हैं. इसी बीच उन इलाके की घेराबंदी कर तलाशी शुरू कर दी गई. तलाशी के दौरान राजू कुमार, धनंजय कुमार तथा राहुल कुमार को दो कट्टे तथा तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया.

15 वर्षीय छात्रा का शव मिला, लगाया आरोप

गोपालगंज । गोपालगंज में नाबालिग का शव बरामद किया गया है. नगर थाना क्षेत्र में स्थित किराए के मकान में एक 15 वर्षीय नौवीं के छात्रा का शव मिला है. वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की जांच में जुट गई है. मृतका की पहचान बरौली थाना क्षेत्र की निवासी के रूप में हुई है. घटना के संदर्भ में मृतका की फुफेरी बहन ने बताया कि मृतका की मां का एक युवक के साथ एक साल से अवैध संबंध था. पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था.

शरद पूर्णिमा 28 को दिखेगा चंद्रग्रहण

सहरसा । ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा ने बताया कि मिथिला विवि पंचांग के अनुसार, शरद पूर्णिमा (कोजागरा) 28 अक्टूबर को ही मनेगी, संपूर्ण भारत में ये ग्रहण प्रभावी रहेगा एवं दिखेगा. खंडग्रास चंद्र ग्रहण भारतीय समय के अनुसार रात में 01.05 से शुरू होगा एवं 01.44 बजे दिखेगा. रात्रि के 02.25 में होगा मोक्ष. ज्ञात हो की ग्रहण के 09 घंटा पहले सूतक लगेगा साथ ही एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी जो रात्रि में चंद्रमा के सामने खीर रख कर सोरस कला प्राप्त की जाती है वो बिल्कुल नहीं किया जायेगा. आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के अगले दिन शरद पूर्णिमा मनाई जाती है.

श्री कृष्ण सिंह की जयंती पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद, बोले-

देशभर में हम आएंगे और जातीय जनगणना करवाएंगे

संवाददाता । पटना

कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय (सदाकत आश्रम) में गुरुवार को डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 136वीं जयंती मनाई गई. इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद भी पहुंचे थे. वर्षों बाद यह पहला मौका था जब लालू यादव कांग्रेस कार्यालय पहुंचे. उन्होंने श्री बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित की. इस मौके पर लालू प्रसाद ने कहा कि आज देश संकट से गुजर रहा है. देश में सांप्रदायिक ताकतें आंख फाड़ के खड़ी है. संविधान के ऊपर संकट पैदा कर रहे हैं. इसलिए हमलोग विभिन्न दलों में बंटे हुए लोग इकट्ठा हुए और इंडिया गठबंधन बना.

पटना की ऐतिहासिक जगह से बैठक कर कर्नाटक से लेकर मुंबई तक मीटिंग हुई और आज देश के 23 दल हम लोग तैयारी कर रहे हैं. लालू ने कहा कि ये लोग पूछते हैं नेता कौन होगा. नेता हमलोग चुन लेंगे आसानी से उसमें कहीं कठिनाई दिक्कत नहीं होगी. पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हमलोग भारी रैली करने वाले हैं. भाजपा हटाओ देश बचाओ. यहां से हवा देश भर में फैलेगी और नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस का सूपड़ा साफ होगा. कोई दिक्कत नहीं होगी. ये जा रहे हैं इसलिए छटपटा रहे हैं. छापा, छापा मारते रहते हैं. मुकदमा-मुकदमा और कोई काम नहीं है. कुछ प्राप्त नहीं होने वाला है.

उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में अभी विधानसभा चुनाव होने वाला है वहां हर जगह से सूपड़ा साफ हो जाएगा. ये लोग कहीं नहीं हैं. देश को धोखा देकर आए थे. गलत प्रचार करके आए थे कि देश का पैसा विदेश में जमा है. वहां से लाएंगे और सबके खाते में 15-15 लाख रुपया देंगे. सबका खाता खुल गया. हम भी खोलवा लिए थे. अब कहते हैं कि वहां खाते में पैसा ही नहीं है. इतना बड़ा धोखा देशवासियों को दिया इसलिए धूल चटा देना है. कहा, हमको कोई बता रहा था कि जातीय गणना के बाद पटना लोकसभा सीट को छोड़कर बिहार में इन्हें कहीं सीट नहीं मिल रही है.

राहुल गांधी ने भी कहा है कि देश भर में हम आएंगे और जातीय गणना कराएंगे. जातीय गणना जरूरी है. इस मौके कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के अलावा कांग्रेस के शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व से मीरा कुमार, प्रमोद तिवारी, तारिक अनवर, बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास, अजय कपूर, प्रेम चंद मिश्रा और अन्य नेता भी मौजूद रहे.

मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जजुआर की घटना

अपराधियों ने 4 को मारी गोली, भर्ती

संवाददाता । पटना/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जजुआर में अपराधियों ने घर में घुसकर एक ही परिवार के चार लोगों को गोली मार दी. स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी लोगों को बैरिया स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने घटनास्थल से आधा दर्जन से अधिक खोखा बरामद किया है. पीड़ितों में 55 वर्षीय हेमा ठाकुर, उनकी 45 वर्षीय पत्नी मोती देवी, उनका 26 वर्षीय लड़का अंकित और अमन है. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना है. पुलिस कैंप कर रही है. डीएसपी पूर्वी सहरियार अख्तर ने गुरुवार को सभी घायलों से घटना की जानकारी ली. उन्होंने घटना का कारण आपसी विवाद बताया है. डीएसपी पूर्वी ने बताया कि इलाके की नाकेबंदी कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

ग्रामीणों ने कहा कि हेमा ठाकुर के परिवार के लोग बुधवार की देर रात करीब 12 बजे खाना खाने के बाद सोने जा रहे थे. तभी बाइक सवार अपराधियों ने उनके घर पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी. गोलियों की तड़तड़ाहट की आवाज से पूरा इलाका गूंज उठा. आवाज बंद होने पर जब हेमा ठाकुर के घर पर लोग पहुंचे तो सभी जख्मी हालत में पड़े थे.

दुकान में लगी आग 45 लाख की संपति राख

मधुबनी । नगर थाना क्षेत्र के बाटा चौक के पास स्थित मेहंदी साड़ी पैलेस वाली गली में उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल हो गया, जब बिजली के शार्ट सर्किट से घर में भीषण आग लग गई. देखते ही देखते आग विकराल रूप ले लिया और घर और दुकान जलकर राख हो गये. इस अगलगी में करीब 45 लाख रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई. फायर बिग्रेड की कई गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया.

लखीसराय में नाम कटने से गुस्से में विद्यार्थी

छात्राओं ने सड़क जाम की

लखीसराय । लखीसराय जिले में स्थित दुर्गा गर्ल्स स्कूल की छात्राएं गुरुवार को उग्र हो गई. 400 से अधिक छात्राओं ने लखीसराय, जमुई और पटना मुख्य मार्ग को जाम कर दिया. इस दौरान कई घंटों तक यातायात प्रभावित रहा. जाम की मुख्य वजह परीक्षा नहीं देने तथा स्कूल से नाम काट देना था. इस बात से छात्राएं काफी आक्रोशित हैं. दरअसल, शिक्षा विभाग के आदेश के बाद स्कूल प्राचार्या कुमारी अर्चना द्वारा अनुपस्थित छात्राओं का नाम रजिस्ट्रर से काट दिया गया था. यहीं नहीं बिना सूचना दिए अचानक 9 और 10 वीं की परीक्षा ले ली गयी. इसी बात को लेकर छात्राओं ने आज विरोध किया है. प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने प्राचार्या पर स्कूल में पढ़ाई नहीं होने का भी आरोप लगाया है. इधर, इस संबंध में कबैया थाना अध्यक्ष वैभव कुमार ने बताया कि गुरुवार को दुर्गा गर्ल्स स्कूल की छात्राओं द्वारा अपनी मांग को लेकर सड़क जाम किया गया.

कारोबार

इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ 1,988 करोड़ पहुंचा

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 62% बढ़कर 1,988 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 1,225 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया था. चेन्नई स्थित बैंक ने बयान में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी ब्याज आय बढ़कर 13,743 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 10,710 करोड़ रुपये थी. बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां सितंबर अंत तक घटकर कुल कर्ज का 4.97 प्रतिशत रह गईं.

होनासा के आईपीओ के लिए शेयर तय

नयी दिल्ली । होनासा कंज्यूमर लि. ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 308 से 324 रुपये प्रति शेयर तय किया है. मामाअर्थ और द डर्मा कंपनी जैसे नए जमाने के रोजमर्रा के इस्तेमाल के उत्पाद (एफएमसीजी) ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी होनासा कंज्यूमर लिमिटेड की आईपीओ से 1,701 करोड़ रुपये की राशि जुटाने की योजना है. कंपनी का आईपीओ 31 अक्टूबर को खुलकर दो नवंबर को बंद होगा. एंकर निवेश 30 अक्टूबर को शेयरों के लिए बोलियां लगा सकेंगे. आईपीओ के तहत 365 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे.

आईआरएम एनर्जी के शेयर में गिरावट

नयी दिल्ली । शहर गैस वितरण कंपनी आईआरएम एनर्जी की बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों में काफी कमजोर शुरुआत हुई. कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 505 रुपये पर पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ सूचीबद्ध हुआ. बीएसई पर कंपनी का शेयर 479 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य पर 5.14 प्रतिशत की गिरावट है. बाद में यह 10.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 450.05 रुपये पर आ गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी का शेयर 5.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 477.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ.

किसानों को गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराएगी नई सहकारी समिति : शाह

भाषा । नयी दिल्ली

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने का आह्वान किया है. उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) का गठन बीजों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के अलावा प्रमाणित बीजों के निर्यात के लिए किया गया है.

नवगठित भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा आयोजित 'सहकारी क्षेत्र के जरिये बेहतर और परंपरागत बीजों के उत्पादन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शाह ने बृहस्पतिवार को यह बात कही. बीबीएसएसएल को भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लि. (इफको), कृषक भारती कोऑपरेटिव लि. (कृभको) भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने संयुक्त रूप से प्रवर्तित किया है. इस कार्यक्रम में शाह ने बीबीएसएसएल का प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और विवरण पुस्तिका जारी की. उन्होंने बीबीएसएसएल के सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र भी वितरित किए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बीबीएसएसएल ने अभी छोटी शुरुआत की है, लेकिन यह सहकारी समिति देश के बीज उत्पादन में बड़ा योगदान देगी. उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में यह सहकारी समिति देश में बीज संरक्षण, संवर्द्धन और बीज क्षेत्र के शोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

शाह ने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक तरीके से उत्पादित प्रमाणित बीज नहीं मिल रहे हैं. इससे न केवल किसान, बल्कि देश का खाद्यान्न उत्पादन भी प्रभावित हो रहा है. उन्होंने कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि किसानों को वैज्ञानिक तरीके से उत्पादित प्रमाणित बीज मिलें. नई सहकारी समिति यह काम करेगी. उन्होंने कहा कि बीबीएसएसएल बेहतर परंपरागत बीजों को भी बढ़ावा देगी. शाह ने इस बात पर क्षोभ जताया कि वैश्विक बीज निर्यात में भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है. उन्होंने कहा कि बीबीएसएसएल भारत से प्रमाणित बीजों का निर्यात बढ़ाने पर काम करेगी.

उन्होंने कहा कि इस सहकारी समिति के पूरे लाभ को किसानों में बांटा जाएगा. शाह ने कहा कि प्रमाणित बीजों का कुल उत्पादन 465 लाख क्विंटल है, जिसमें सहकारी क्षेत्र का हिस्सा करीब एक प्रतिशत है.

भारत में विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही टोयोटा कंपनी

एजेंसी । टोक्यो

जापान की वाहन कंपनी टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन ने भारत में विनिर्माण क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. देश में उसके दो संयंत्र पूरी क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं. कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही. यहां 'जापान मोबिलिटी शो' के मौके पर मीडिया से अलग से बात करते हुए टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के बोर्ड के सदस्य और कार्यकारी उपाध्यक्ष योइची मियाजाकी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि कंपनी भारत में अपने संयंत्र के पूरे क्षमता इस्तेमाल पर पहुंच गई है. यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी देश में क्षमता बढ़ाने के लिए नया निवेश करेगी, उन्होंने कहा, हमने इस बारे में चर्चा शुरू कर दी है. उन्होंने कहा कि भारत में कोविड-महामारी के बाद ऊंचे खंड की कारों की मांग विशेषरूप से बढ़ी है. मियाजाकी ने कहा, कोविड के बाद अन्य देशों की तुलना में भारत में बाजार का पुनरुद्धार काफी मजबूत है. ऐसे में हमारा मानना है कि भारत में मांग भी बहुत मजबूत है. बेंगलुरु स्थित टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, टोयोटा मोटर कंपनी और किर्लोस्कर समूह का संयुक्त उद्यम है. यह उद्यम दो संयंत्रों का परिचालन करता है.

पुलिस बल के हेलमेट, अनिवार्य गुणवत्ता मानदंड किया जारी

भाषा । नयी दिल्ली

सरकार ने घटिया वस्तुओं के आयात पर अंकुश लगाने और इनके घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए पुलिस बल के लिए हेलमेट, बोतलबंद पानी के डिस्पेंसर और दरवाजे की फिटिंग (डोर फिटिंग्स) के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानदंड जारी किए हैं.

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस बारे में 23 अक्टूबर को तीन अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं. ये हैं पुलिस बल, नागरिक सुरक्षा और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए हेलमेट (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2023, बोतलबंद पानी डिस्पेंसर (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2023, और डोर फिटिंग (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2023. इन अधिसूचनाओं के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निशान के बिना इन वस्तुओं का उत्पादन, बिक्री, व्यापार, आयात और भंडारण नहीं किया जा सकता है. डीपीआईआईटी ने कहा कि ये आदेश अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह महीने से प्रभावी होंगे. घरेलू लघु, सूक्ष्म उद्योगों को संरक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के सुगमता से क्रियान्वयन तथा कारोबार सुगमता के लिए लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को इनकी समयसीमा से कुछ छूट दी गई है. लघु उद्योगों को इसके लिए जहां नौ माह का अतिरिक्त समय दिया गया है वहीं सूक्ष्म उद्योगों को 12 माह का अतिरिक्त समय मिलेगा.

डीपीआईआईटी बीआईएस और अन्य अंशधारकों के साथ विचार-विमर्श में उन महत्वपूर्ण उत्पादों की पहचान कर रहा है जिनके लिए क्यूसीओ जारी करने की जरूरत है. इसके चलते 318 उत्पाद मानदंडों को शामिल करते हुए 60 से अधिक नए क्यूसीओ जारी किए गए हैं. बीआईएस कानून के पहली बार उल्लंघन पर दो साल की सजा या कम से कम दो लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है.

खुशखबरी अमेरिका से बिहार राज्य में प्रवेश करने वाली पहली आईटी कंपनी बन गई है

सिलिकॉन वैली की एआई कंपनी पटना में खोला कार्यालय

एजेंसी । वॉशिंगटन

सिलिकॉन वैली की एक कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी ने बिहार में कार्यालय खोला है, जिससे यह अमेरिका से राज्य में प्रवेश करने वाली पहली आईटी कंपनी बन गई है. सांता क्लारा मुख्यालय वाली टाइगर एनालिटिक्स ने इस महीने पटना में अपना पहला कार्यालय खोला है.

टाइगर एनालिटिक्स के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) महेश कुमार ने हाल में एक साक्षात्कार में कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमने जो शुरुआती कदम उठाए हैं, उनसे आगे चलकर काफी प्रगति हो सकती है.

फिलहाल कंपनी के भारत में लगभग 4,000 कर्मचारी हैं. इनमें से ज्यादातर चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में हैं. कुमार, जो खुद बिहार से आते हैं, ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान कंपनी के ज्यादातर कर्मचारी बिहार अपने घर चले गए और उन्होंने वहीं से काम करना शुरू किया. उन्होंने कहा, अभी हमारे पास बिहार और झारखंड में लगभग सौ लोग हैं. वे घर से काम कर रहे हैं और वहां खुश हैं, वे वापस नहीं आना चाहते.

उन्होंने कहा, ऐसे में हमें महसूस हुआ कि ये काफी प्रतिभाशाली लोग हैं. वे अपने घर बिहार में रहना चाहते हैं, लेकिन उनके पास वहां काम का अवसर नहीं है. जब हमने यह कार्यालय (पटना में) स्थापित किया, तब भी सोशल मीडिया पर बहुत सारी प्रतिक्रियाएं आईं. लोग वहां (बिहार में) टाइगर (एनालिटिक्स) के बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे वापस जा सकें और वहां से काम कर सकें. कुमार सिलिकॉन वैली में बिहार के अन्य सफल उद्यमियों के साथ नियमित रूप से बातचीत करते हैं.

उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अधिक समान विचारधारा वाले लोगों को एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित करना है. टाइगर एनालिटिक्स मुख्य रूप से कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में एक सलाहकार कंपनी है.

बिहार के उद्योग विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप पौंड्रिक ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस पहल को ध्यान में रखते हुए इसी तरह कई और कंपनियां बिहार आएंगी. बिहार के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल इन गर्मियों में बिहार के सफल प्रौद्योगिकी उद्यमियों के साथ बैठक के लिए सिलिकॉन वैली गया था.

उम्मीद बढ़ी

- फिलहाल कंपनी के भारत में लगभग 4,000 कर्मचारी हैं
- ज्यादातर चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में हैं

आवास क्षेत्र में संस्थागत निवेश 71% बढ़ा : रिपोर्ट

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश में चालू कैलेंडर साल की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान आवासीय संपत्तियों में संस्थागत निवेश 71 प्रतिशत बढ़कर 29.83 करोड़ डॉलर हो गया है. रियल एस्टेट सलाहकार वेस्टियन की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. एक साल पहले समान अवधि में आवास खंड में संस्थागत निवेश का आंकड़ा 17.43 करोड़ डॉलर था.

वेस्टियन की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र को 2023 कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही में कुल मिलाकर 67.99 करोड़ डॉलर का संस्थागत निवेश मिला है, जो पिछले साल की समान अवधि के 37.43 करोड़ डॉलर से 82 प्रतिशत अधिक है. हालांकि, विदेशी कोषों के प्रवाह में उल्लेखनीय गिरावट की वजह से जुलाई-सितंबर की अवधि में इससे पिछली तिमाही की तुलना में कुल संस्थागत निवेश में 57 प्रतिशत की गिरावट आई है. वेस्टियन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीनिवास राव ने कहा, चुनौतीपूर्ण वृहद आर्थिक माहौल में विदेशी निवेशकों की रुचि घटने से सितंबर तिमाही में संस्थागत निवेश सुस्त पड़ा है.

रिपोर्ट जारी

- संस्थागत निवेश 71% बढ़ कर 29.83 करोड़ डॉलर हुआ
- संस्थागत निवेश का आंकड़ा 17.43 करोड़ डॉलर था

अच्छे दिनों का नया नरेटिव

देश में सबकुछ राजनीतिक हो गया है. किसी भी परिस्थिति के राजनीतिक इस्तेमाल करने की एक नयी प्रवृत्ति पिछले एक दशक से देश में चल रही है. कामयाबी चाहे वैज्ञानिकों की हो या फिर खिलाड़ियों की, हर एक का इस्तेमाल करने की सियासत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि कोई भी कामयाबी सिर्फ एक सरकार की उपलब्धि नहीं मानी जानी चाहिए. विकास करने की एक प्रक्रिया जो आजादी के बाद देश में आरंभ की गयी थी, उसी का नतीजा है कि आज देश एक खास मुकाम पर है, लेकिन प्रचार तंत्र के अंध प्रयोग में विवेक से निर्णय संभव नहीं होता है. यह एक ऐसा दौर है, जिसमें चारो ओर केवल इवेंट मैनेजमेंट और कामयाबियों की सियासी फसल काटने का शोर है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विकसित भारत' को 2024 के आम चुनाव के लिए अपना मुख्य कथानक बना लिया है. इसकी झलक हाल के उनके भाषणों में मिली है. यही पहलू दशहरा के मौके पर दिए गए उनके भाषण में भी झलका.

> पीएम मोदी ने 'विकसित भारत' को 2024 के आम चुनाव के लिए अपना मुख्य कथानक बना लिया है. इसकी झलक हाल के उनके भाषणों में मिली है. यही पहलू दशहरा के मौके पर दिए गए उनके भाषण में भी झलका.

कुछ समय पहले खबर आई थी कि नीति आयोग भारत को विकसित देश बनाने का रोडमैप तैयार कर रहा है. वही दस्तावेज अगले आम चुनाव में भाजपा के प्रचार की थीम बनेगा. विकसित भारत की कहानी चंद्रयान, गगनयान, सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, दुनिया में भारत की बढ़ती धाक और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसी कुछ वास्तविक और कुछ काल्पनिक उपलब्धियों के सहारे बुनी जाएगी. चूंकि इन तमाम उपलब्धियों के बावजूद भारत में गरीबी एक हकीकत है तो अब प्रधानमंत्री ने हर सक्षम परिवार का आह्वान किया है कि वह एक गरीब परिवार को गरीबी से बाहर निकालने की जिम्मेदारी ले ले. इसी नैरेटिव के पेश और प्रचारित करने की योजना के तौर पर सरकार ने सरकारी अधिकारियों को विकसित भारत रथ का प्रभारी बनाने की योजना बनाई है. आने वाले महीनों में इस प्रचार में इतनी ताकत और संसाधन झोंके जाएंगे कि उनसे 'अच्छे दिन' के वादे जैसा प्रभाव पैदा किया जाएगा. कहा जा सकता है कि इस रूप में 'विकसित भारत' 'अच्छे दिन' का ही अगला संस्करण है. इस कहानी को समावेशी बताने के लिए भाजपा की तरफ से क्षेत्रवाद और जातिवाद के विरोध को भी इसमें शामिल किया जाएगा. यहां जातिवाद और क्षेत्रवाद का मतलब इन आधारों पर अपनी पहचान जताने वाली ताकतों से होगा. इन ताकतों को भारत के 'विकिसित' होने की राह में रुकावट और यहां तक कि इस बड़ी परियोजना के शत्रु के रूप में भी पेश किया जाएगा. जाहिर है, इसके जरिए पूरे विपक्ष को घेरने की कोशिश होगी. अभी तक इस बात के संकेत नहीं हैं कि विपक्ष को इस बन रहे नैरेटिव का अंदाजा भी है. हकीकत यह है कि उनके इंडिया गठबंधन के अंतर्विरोध खुल कर सामने आने लगे हैं, जबकि विभिन्न पार्टियों के अंदर खासकर बड़े उद्योगपतियों पर निशाना साधने के एजेंडे को लेकर फूट पड़ती दिख रही है.

सुभाषित

नाक्षरं मंत्रहीतं नमूलंनौधिम्।
अयोग्य पुरुषं नास्ति योजकस्तत्रदुर्लभः ॥

ऐसा कोई भी अक्षर नहीं है, जिसका मंत्र के लिए प्रयोग न किया जा सके. ऐसी कोई भी वनस्पति नहीं है, जिसका औषधि के लिए प्रयोग न किया जा सके और ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है, जिसका सदुपयोग के लिए प्रयोग न किया जा सके, किन्तु ऐसे व्यक्ति अत्यन्त दुर्लभ हैं जो उनका सदुपयोग करना जानते हों.

स्वार्थ की सत्ता के कारण युद्ध

'हमास' ने जिस तरह इजरायल पर हमला किया वह उसकी मूढ़ता, हृदयहीनता व अदूरदर्शिता का प्रमाण है. 'हमास' के शीर्ष राजनीतिक नेता खालिद मशाल ने कहा कि हम ऐसी चोट मारना चाहते थे कि इजरायल बिलबिला जाए; और वही हुआ, लेकिन ख़ालिद को क्या अब यह नहीं दीख रहा कि दोनों तरफ के सामान्य निर्दोष नागरिक बिलबिला रहे हैं? प्रधानमंत्री ने तुरंत बयान दे डाला कि भारत इजरायल के साथ खड़ा है. ऐसा कहने का अधिकार उन्हें कैसे मिला?

• देश-काल

कुमार प्रशांत

साल भर से ज्यादा हुए, मन बेतरह घायल है. कान यूक्रेन की चीख से गूंजते रहते हैं. अपनी असहायता का तीखा बोध लगातार चुभता रहता है. यह शर्म भी कम नहीं चुभती कि हमारा देश भी नागरिकों की इस जघन्य हत्या में भागीदार है और यूक्रेन व रूस में बहते खून में से तेल छानकर जमा करने में लगा है. यह सब था कि तभी 7 अक्तूबर 2023 आया. फिलिस्तीनी 'हमास' ने इजरायल पर ऐसा पाशविक हमला कर दिया जिसने शर्म से झुके माथे पर टनों बोझ लाद दिया. शर्म से झुका सर लगातार झुकता ही जा रहा है क्योंकि यह गुस्सा नहीं, आत्मग्लानि का बोझ है.असहमति,विवाद, गुस्सा, प्रतिद्वंद्विता, बदला, घृणा, कायरता व क्रूरता सबकी अपनी जगह है, लेकिन इंसानियत की भी तो जगह है न ! सिकुड़ते-सिकुड़ते वह जगह अब सांस लेने लायक भी नहीं बची है. फिलिस्तीन-इजरायल समस्या का इतिहास बहुत लंबा व पुराना है - उतना ही पुराना जितना मानव जाति की मूढ़ता का इतिहास. यहां उसे दोहराने की जरूरत नहीं है. 'हमास' ने जिस तरह इजरायल पर हमला किया वह उसकी मूढ़ता, हृदयहीनता व अदूरदर्शिता का प्रमाण है. 'हमास' के शीर्ष राजनीतिक नेता खालिद मशाल ने कहा कि हम ऐसी चोट मारना चाहते थे कि इजरायल बिलबिला जाए; और वही हुआ, लेकिन ख़ालिद को क्या अब यह नहीं दीख रहा कि दोनों तरफ के सामान्य निर्दोष नागरिक बिलबिला रहे हैं? प्रधानमंत्री ने तुरंत बयान दे डाला कि भारत इजरायल के साथ खड़ा है. ऐसा कहने का अधिकार उन्हें कैसे मिला? आजादी के पहले से इस विवाद के संदर्भ में भारत की भूमिका स्पष्ट रही है. महात्मा गांधी ने स्वयं इस मामले में हमारी विदेश-नीति की बुनियाद रख दी थी. उसे बदलने का अधिकार केवल भारत की जनता को है, किसी भी सरकार को नहीं कि वह अपने खोखले बहुमत के घमंड में राष्ट्रीय नीतियों से खिलवाड़ करे. प्रधानमंत्री ने जो कह दिया, अब विदेश मंत्रालय दबी-ढकी जुबान में उस पर लीपापोती कर रहा है. उसने बयान दिया है कि भारत 'हमास' की हिंसा का निषेध करता है, लेकिन फिलिस्तीनों की आजादी पर किसी भी तरह के हमले को समर्थन नहीं देता.इधर देखिए कि सारा अमरीकी खेमा, पश्चिम के आका मुल्क इजरायल के समर्थन में खड़े हो गए हैं जैसे हमें पता ही नहीं है कि यही वह खेमा है जिसने फिलिस्तीन के सीने पर खंजर की नोक से इजरायल लिखा था. महात्मा गांधी ने तब भी कहा था कि हमें एक-एक यहूदी अपनी जान से भी ज्यादा प्यारा है, लेकिन पश्चिमी शैतानी का सहारा लेकर वे फिलिस्तीनी घर में घुस जाएं, इसका हम समर्थन नहीं कर सकते.1938 में गांधी ने एक विस्तृत आलेख में भारत का रुख साफ कर दिया था : "मेरी सारी सहानुभूति यहूदियों के साथ है. मैं दक्षिण अफ्रीका के दिनों से उनको करीब से जानता हूं. उनमें से कुछ के साथ मेरी ताउम्र की दोस्ती है और उनके ही माध्यम से मैंने उनके साथ हुई ज्यादतियों की बावत जाना है. ये लोग ईसाइयत के अछूत बना दिए गये हैं. अगर तुलना ही करनी हो तो मैं कहूंगा कि यहूदियों के साथ ईसाइयों ने जैसा व्यवहार किया है, वह हिंदुओं ने अछूतों के साथ जैसा व्यवहार किया है, उसके करीब पहुंचता है. दोनों के साथ हुए अमानवीय व्यवहारों के संदर्भ में धार्मिक आधारों की बात की जाती है.'' "फिलिस्तीन उसी तरह अरबों का है जिस तरह इंग्लैंड अंग्रेजों का है या कि फ्रांस फ्रांसीसियों का है. यह गलत भी होगा और अमानवीय भी कि यहूदियों को अरबों पर जबरन थोप दिया जाए. आज फिलिस्तीन में जो हो रहा है उसका कोई नैतिक आधार नहीं है. पिछले महायुद्ध के अलावा उसका कोई औचित्य नहीं है. गर्वीले अरबों को सिर्फ इसलिए दबा दिया जाए, ताकि पूरा या अधूरा फिलिस्तीन यहूदियों को दिया जा सके, तो यह एकदम अमानवीय कदम होगा.'' "उचित तो यह होगा कि यहूदी जहां भी जन्मे हैं और कमा-खा रहे हैं वहां उनके साथ बराबरी का सम्मानपूर्ण व्यवहार हो. जैसे फ्रांस में जन्मे ईसाई को हम फ्रांसीसी मानते हैं वैसे ही फ्रांस में जन्मे यहूदी को भी फ्रांसीसी माना जाए; और अगर यहूदियों को फिलस्तीन ही चाहिए तो क्या उन्हें यह अच्छा लगेगा कि उन्हें दुनिया की उन सभी जगहों से जबरन हटाया जाए जहां वे आज हैं? या कि वे अपनी मनमौज के लिए अपना दो घर चाहते हैं? 'अपने लिए एक राष्ट्रीय घर' के उनके इस शोर को बड़ी आसानी से यह रंग दिया जा सकता है कि इसी कारण उन्हें जर्मनी से निकाला जा रहा था."अमरीकी व पश्चिमी खेमे की कुल कोशिश यही है कि युद्ध भी हमारी मुट्ठी में रहे और विराम भी ! दोनों ही कमाई के अंतहीन अवसर देते हैं. भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे विफल प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मौके का फायदा उठाकर इजरायल के राजनीतिक नेतृत्व को अपने साथ ले लिया है. यह घटिया अवसरवादिता है. जब पूरा इजरायल उनके खिलाफ खड़ा था और वे न्यायपालिका को अपनी मुट्ठी में करने का भद्दा खेल खेल रहे थे, तब उनके हाथ ऐसा अवसर आ गया जिसने उन्हें नई बेईमानी का मौक़ा दे दिया. यह पूरी कहानी बेईमानी से ही शुरू हुई थी और बेईमानी से ही आज तक जारी है. यह नया भारत है जो इस बेईमानी में साझेदारी कर रहा है. दरअसल किसी को, किसी की विरासत तो संभालनी नहीं है. सबको संभालनी है गद्दी ! गांधी सत्ता की यह भूख पहचान रहे थे और इसलिए कैंपबेल से कहते-कहते कह गए : "यह एक ऐसी समस्या बन गया है जिसका करीब-करीब कोई हल नहीं है." गांधी ने जो आशंका प्रकट की थी, उसके करीब 76 साल पूरे होने को हैं, लेकिन युद्ध व विराम के बीच पिसते फिलिस्तीनी-इजरायली किसी हल के करीब नहीं पहुंचे हैं. विश्व की महाशक्तियां व दोनों पक्षों के सत्ताधीश पीछे हट जाएं तो येरूशलम की संतानें अपना रास्ता खुद खोज लेंगी,लेकिन सत्य, प्रेम, करुणा के ऐसे रास्ते पर उन्हें कौन चलने देगा?

• बोधि-वृक्ष | अज्ञात

मुक्ति की राह को भीतर ही है

गौतम बुद्ध जैसे महान विचारक को कौन नहीं जानता होगा उनकी जिंदगी में ऐसी बहुत सी कथाएँ हैं जो हमें शिक्षा देते हैं.इन कथाओं मे मनोरंजन के माध्यम से नीति और धर्म को समझाने का प्रयास किया गया है इसलिए गौतम बुद्ध की प्रेरणादायक कहानी में यह भी दिया गया है कि कौन से कर्म करने योग्य हैं और किन्हें नहीं करना चाहिए इस प्रकार इस लेख में महात्मा बुद्ध द्वारा कही गई ऐसी कथाएं हैं जो व्यक्ति को नैतिकता सत्य, धर्म, प्रेम और भाईचारे का संदेश देती हैं बुद्ध की बहुत की कथाएँ हैं. इन्हीं प्रेरक कथाओं में एक है.एक दिन, एक व्यक्ति गौतम बुद्ध को मिलने आया बुद्ध एक छोटे से बाड़े में अकेले बैठे थे, और वह आदमी दो मुट्ठी फूल लेकर आया था क्योंकि भारत में, अपने गुरु को नमस्कार करने,उनके प्रति अपना आदर दिखने का यह एक सामान्य तरीका है जैसे ही वह व्यक्ति बुद्ध की ओर आया, उन्होंने उसकी ओर देखा और कहा, 'इसे फेक दो' बुद्ध के ऐसा कहने पर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया क्योंकि वह इन फूलों को प्रसाद के रूप में लाया था बुद्ध उसे इन्हे छोड़ने के लिए कह रहे थे फिर उसने सोचा, 'शायद मेरी ही गलती हुई है क्योंकि मैं इन्हें अपने बाएं हाथ में ला रहा हूं' यह भी पुरानी संस्कृति का एक हिस्सा है कि अगर आप अपने बाएं हाथ से किसी को कुछ देते हैं तो इसे अशुभ माना जाता है .इसलिए उसने अपने बाएं हाथ के फूल गिराए और फिर उचित तरीके से आगे बढ़ा बुद्ध ने एक बार फिर उसकी ओर देखा और कहा, 'इसे फेक दो' अब उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे फूलों में क्या खराबी थी? उसने अब सभी फूल गिरा दिए. तब बुद्ध ने फिर से कहा, 'मैंने कहा, इसे फेक दो, फूलों को नहीं' जो तुम अपने साथ पुराने विचारो के फूल लाए हो, तुम्हें उन्हें फेंकना होगा, नहीं तो तुम बुद्ध को नहीं जान पाओगे तुम आओगे, तुम झुकोगे, तुम सुनोगे और तुम जाओगे, लेकिन तुम नहीं जानोगे कि एक प्रबुद्ध व्यक्ति के साथ होने का क्या मतलब है.अगर आप अपने जीवन में एक बिल्कुल नया आयाम जोड़ना चाहते हैं, तो आपको पुराने विचार छोड़ने होंगे, कुछ और नहीं आपको अपना काम, परिवार, या बाकी कुछ भी छोड़ने कि जरूरत नहीं है. जीवन में सबसे जरूरी बात है स्वयं को पहचानना और स्वयं के कार्यो की निरंतर समीक्षा करना.

जनहित का जरूरी मुद्दा-शराबबंदी

• समाज

भारत डोगरा

अभी तक के अनुभव से यह स्पष्ट हुआ है कि केवल कानूनी कार्यवाही से शराब के नशे को दूर नहीं किया जा सकता, इसके साथ नशे के विरुद्ध व्यापक जन-अभियान की भी जरूरत है. यदि पिछले कुछ दशकों को देखें तो समय-समय पर शराब के विरुद्ध बहुत सफल जन-आंदोलन हुए हैं. छत्तीसगढ़ के दल्ली-राजहरा क्षेत्र में हजारों लौह अयस्क खनन मजदूरों ने अपने श्रमिक संगठन के बहुत प्रेरणादायक माहौल में शराब को छोड़ा.समय-समय पर उत्तराखंड, आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश व हरियाणा से भी शराब विरोधी आंदोलनों की सफलता के समाचार मिले हैं. सहारनपुर जिले (उत्तरप्रदेश) में पठेड़ का शराब विरोधी आंदोलन बहुत चर्चित रहा और यहां की महिलाओं के दृढ़ निश्चय को बहुत सम्मान मिला. अंत में इस दृढ़ निश्चय के बल पर ही उन्हें सफलता मिली. पंजाब में शराब का प्रचलन बहुत अधिक है, पर यहां के कई गांवों से भी शराब के विरुद्ध आवाज उठने लगी है.ऐसे सब जन-अभियान व आंदोलन बहुत सार्थक तो रहे हैं, पर एक बड़ा सवाल यह है कि क्या उनकी निरंतरता को बनाए रखा जा सकता है? कुछ समय बाद आंदोलन व अभियान ढीले पड़ते हैं तो शराब की कमाई से जुड़े तत्त्व फिर हावी हो जाते हैं. शराब का ठेका हटा दिया गया तो भी वे अन्य तरह से अवैध शराब बेचने लगते हैं. अतः यह जरूरी है कि जहां आंदोलन होते हैं व शराब के विरुद्ध लोग एकजुट हों वहां स्थाई तौर पर नशा विराधी समितियों का गठन हो जाना चाहिए व इनकी बैठकें भी नियमित होनी चाहिए, ताकि नशे के विरुद्ध जो चेतना लोगों में आई है, वह बनी रहे. इस तरह के प्रयास जगह-जगह होते रहें तो सरकारों पर भी दबाव बनेगा कि वे शराब की आय के मोह से मुक्त होकर इस बुराई को कम करने के लिए सक्रिय हों. शराब के विरुद्ध माहौल बनने पर जो लोग शराब की लत छोड़ना चाहते हैं उनके लिए अनुकूल माहौल तैयार करना चाहिए. इसके लिए डाक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग प्राप्त करना चाहिए. सरकारी स्वास्थ्य तंत्र में नशा छोड़ने के लिए सहायता उपलब्ध करवाने पर समुचित ध्यान देना चाहिए. इस तरह यह किसी एक सरकारी विभाग का कार्य नहीं है, अपितु इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे कई विभाग अपने-अपने योगदान के साथ जुड़ सकते हैं.शराबबंदी की सफलता के लिए जरूरी है कि जिस तरह जीवन-मूल्यों में गिरावट आ रही है उसे अधिक व्यापक स्तर पर रोकने के प्रयास हों. इन प्रयासों में परिवार व शिक्षा संस्थानों का महत्त्वपूर्ण स्थान है. जीवन-मूल्यों के गिरने से ही समाज में शराब के विरुद्ध जो भावना थी, वह कमजोर हुई है. अब समाज में व्यापक स्तर पर शराब-विरोधी भावना को फिर मजबूत करना बहुत जरूरी हो गया है.अतः अब यह समय आ गया है कि देश भर में बहुत स्पष्ट शराब विरोधी नीति बनाई जाए. इसका आधार यह होना चाहिए कि शराब के व्यापक व गहरे स्वास्थ्य व सामाजिक दुष्परिणाम भली-भांति प्रमाणित हैं व शराब की खपत को जितना हो सके उतना कम करना है. शराब के गंभीर दुष्परिणामों के बारे में सरकार को निरंतरता से व्यापक अभियान चलाना चाहिए व ऐसे अन्य सामाजिक अभियानों को प्रोत्साहित करना चाहिए. शराब के दुष्परिणामों पर पर्याप्त जानकारी शिक्षा संस्थानों में मिलना चाहिए.शराब विरोधी अभियानों में भरपूर प्रामाणिक जानकारी होनी चाहिए, इसमें शालीनता को बनाए रखना चाहिए, पर साथ ही इसे मनोरंजक व लोकप्रिय बनाने के प्रयास भी होने चाहिए. इस अभियान में रेडियो, टीवी, वीडियोमेंट्री,पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तिकाओं, पर्चे, कविता-कहानी, नाटक, नुक्कड़ नाटक, गीत, लोकगीत सभी विधाओं का उपयोग करना चाहिए. शराब की बोतल व पाऊच पर इसके गंभीर स्वास्थ्य व सामाजिक दुष्परिणामों की चेतावनी बड़े अक्षरों में स्थानीय भाषा में लिखी होनी चाहिए. शराब को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति को कई तरह से नियंत्रित किया जा सकता है.एक स्पष्ट नीति यह होनी चाहिए कि किसी भी गांव में यदि 50 प्रतिशत व्यक्ति शराब की दुकान के या ठेके के विरुद्ध आवाज उठाते हैं तो वहां शराब का ठेका नहीं खुल सकता है. यदि यह पहले से खुला है तो 50 प्रतिशत लोगों के विरोध का हस्ताक्षरित आवेदन मिलने पर इसे बंद करना होगा. इसके साथ जहां भी अवैध शराब बिकती है उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही होनी चाहिए.सरकार को शराब-विरोधी कार्यवाहियों में जन-भागीदारी को बढ़ाना चाहिए जिससे विभिन्न स्थानों की जरूरत के अनुसार शराब-विरोधी कदम उठाए जा सकें.

> शराब के गंभीर दुष्परिणामों के बारे में सरकार को निरंतरता से व्यापक अभियान चलाना चाहिए व ऐसे अन्य सामाजिक अभियानों को प्रोत्साहित करना चाहिए. शराब के दुष्परिणामों पर पर्याप्त जानकारी शिक्षा संस्थानों में मिलना चाहिए.शराब विरोधी अभियानों में भरपूर प्रामाणिक जानकारी होनी चाहिए, इसमें शालीनता को बनाए रखना चाहिए.

पांच राज्यों में गर्म हुआ सियासी माहौल

• सियासत

विश्वनाथ सचदेव

पांच राज्यों के चुनाव का बुखार चढ़ने लगा है. उम्मीदवार, राजनीतिक दल और चुनावी कार्यकर्ता सबने कमर कस ली है. चुनाव संबंधी खबरें मीडिया की सुर्खियां बन रही हैं. इन्हीं खबरों में से एक है 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) द्वारा मध्य प्रदेश के बारे में जारी की गई एक जानकारी. यह जानकारी राज्य के उन विधायकों के बारे में है जो अपने आपराधिक रिकार्ड के बावजूद पिछले पांच साल से राज्य के विधानसभा में बैठकर राज्य के भावी विकास की योजनाएं बनाते रहे हैं. 'एडीआर' के मुताबिक राज्य के 230 मौजूदा विधायकों में से 93 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं और इनमें ऐसे विधायक भी हैं जिन पर हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगे हैं. आरोपी तब तक सज़ा का भागीदार नहीं होता जब तक अदालत में अपराध प्रामाणित न हो जाये. लेकिन सवाल यह उठता है कि वह क्या मजबूरी होती है जिसके चलते राजनीतिक दलों को ऐसे लोगों को चुनाव के लिए टिकट देना पड़ता है, जिन्हें अपने हलफनामे में अपने पर लगे आरोपों की पूरी जानकारी देनी होती है.एडीआर द्वारा मध्य प्रदेश के लिए जारी की गई इस रिपोर्ट के अनुसार दाग़ी राजनेता लगभग सभी दलों में पाये जा सकते हैं. उदाहरण के लिए आरोपी 93 विधायकों में से 39 भाजपा के हैं, 52 कांग्रेस के, एक बसपा का और एक निर्दलीय. राज्य में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच है. इस बार कितने दाग़ी उम्मीदवार होंगे, यह तो उम्मीदवारों की पूरी सूची जारी होने और उनके हलफनामे के बाद ही पता चलेगा, पर यह तो स्पष्ट है कि हमारी राजनीति और अपराध के रिश्ते बहुत मजबूत हैं. इस संदर्भ में मध्य प्रदेश और देश के बाकी राज्यों में कोई विशेष अंतर नहीं है. और यह भी सच है कि यह रिश्ता विधानसभाओं तक सीमित नहीं है. संसद तक पहुंची हुई है यह बीमारी. बहुत पुरानी बात नहीं है जब सिंगापुर के राष्ट्रपति ने भारत की संसद में आपराधिक प्रवृत्ति के राजनेताओं की बढ़ती संख्या का हवाला देकर जनतंत्र के कमज़ोर होने की बात कही थी. अच्छा नहीं लगा था किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा हमारे देश के बारे में इस तरह की बात करना और हमारी सरकार ने यह बात सिंगापुर के राष्ट्रपति तक पहुंचा भी दी थी. पर इससे यह हकीकत तो नहीं बदलती कि हमारी राजनीति पर आपराधिक तत्व और प्रवृत्तियां हावी होती जा रही हैं. हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि हमारा भारत दुनिया का सबसे पुराना गणतंत्र है और आबादी के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा जनतंत्र भी, पर भारतीय राजनीति पर आपराधिक प्रवृत्तियों का साया हमारे लिए चिंता की बात होनी चाहिए.चिंता की बात यह भी है कि हमारे राजनेताओं के साथ जिन अपराधों को जोड़ा जा रहा है वह सिर्फ 'व्हाइट कॉलर' अपराध ही नहीं है, हत्या, अपहरण, आगजनी, बलात्कार जैसे आरोप भी लगते रहे हैं. यह बात भी अपने आप में कम चौंकाने वाली नहीं है कि इन सारे आरोपों के बावजूद मतदाता ऐसे दाग़ी नेताओं को चुनता है! ऐसे लोगों को उम्मीदवार बनाये जाने और उनके चुने जाने के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं. सन् 2004 के बाद हर चुनाव में आपराधिक तत्वों की हमारी राजनीति में सक्रियता और भागीदारी बढ़ी ही है. वर्ष 2014 के चुनाव में हमारे 24 प्रतिशत निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले चल रहे थे, 2019 में यह प्रतिशत बढ़कर 43 हो गया. फरवरी, 2023 में अदालत में एक याचिका दायर की गयी थी, जिसमें कहा गया था कि 2009 से अब तक घोषित आपराधिक मामलों वाले सांसदों की संख्या में 44 प्रतिशत की वृद्धि हो गयी थी. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 159 सांसदों ने अपने खिलाफ गंभीर आरोपों की जानकारी दी थी. इन गंभीर आरोपों में बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के विरुद्ध अपराध शामिल हैं. हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था के 75 सालों का लेखा-जोखा इस बात का साक्षी है कि चुनावों में जीत को ही सर्वोपरि मान लिया गया है. यह बात भी स्पष्ट है कि इस जीत में धन-बल और बाहुबल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. बाहुबल का सीधा रिश्ता अपराधों से है और धन बल का तमाशा भी हम लगातार देखते आ रहे हैं. यह अनायास ही नहीं है कि चुनावों में जीतने वाले हमारे राजनेताओं में एक बड़ी संख्या करोड़पतियों की होती है.अभी कुछ दिन पहले ही तेलंगाना में 100 करोड़ रुपये से अधिक राशि सुरक्षा एजेंसियों ने बरामद की थी. साथ ही 145 करोड़ का सोना और अन्य सामान भी जब्त किया गया. इसी 9 अक्तूबर से 21 अक्तूबर के बीच 300 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी हुई.

> हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था के 75 सालों का लेखा-जोखा इस बात का साक्षी है कि चुनावों में जीत को ही सर्वोपरि मान लिया गया है. यह बात भी स्पष्ट है कि इस जीत में धन-बल और बाहुबल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. बाहुबल का सीधा रिश्ता अपराधों से है और धन बल का तमाशा भी हम लगातार देखते आ रहे हैं.

मीडिया में अन्यत्र

नवाज की वापसी के निहितार्थ

चौतरफा बदहाली का त्रास झेल रहे पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वापसी के गहरे निहितार्थ हैं. जेल की सजा काट रहे नवाज इलाज के लिये ब्रिटेन गये थे और चार साल आत्मनिर्वासन में रहने के बाद पाकिस्तान लौटे हैं. जाहिर है देश में इमरान खान के प्रभाव को कम करने के लिए उनकी वापसी सेना को मुफीद लगती है. जिनका उपयोग संभवतः जनवरी में पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने यानी इमरान खान का प्रभाव कम करने के लिए किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि नवाज शरीफ 14 साल की सजा काटते हुए चिकित्सा उपचार हेतु 2019 में लंदन चले गये थे. अब पाकिस्तान मुस्लिम लीग सुप्रीमो 73 वर्षीय अनुभवी राजनेता नवाज शरीफ को उम्मीद है कि वे किसी तरह प्रधानमंत्री के रूप में चौथी पारी खेल सकें. उनके आत्मविश्वास की वजह है कि पाकिस्तान की राजनीति का पर्दे के पीछे संचालन करने वाली सेना से फिलहाल उनके रिश्ते सौहार्दपूर्ण हैं. निस्संदेह, सेना के जनरलों से उनके रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं. बहुत ज्यादा समय नहीं हुआ जब पिछले चुनाव में उन्होंने सेना पर अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी इमरान खान का समर्थन करने का आरोप लगाया था. लेकिन मौजूदा स्थिति यह है कि सेना से टकराव के चलते इमरान खान इन दिनों जेल में हैं. लेकिन पाकिस्तान में उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है. इमरान की लोकप्रियता कम करने के लिए ही लंदन से नवाज शरीफ को पाकिस्तान वापस बुलाया गया है. उन्हें अब कोर्ट से भी राहत मिल गई है. हालांकि, ताजा घटनाक्रम से जुड़े तमाम किंतु-परंतु हैं, लेकिन सेना व अदालत की भूमिका महत्वपूर्ण होगी. वहीं एक बात तो तय है कि इमरान सरकार गिरने के बाद 2022 से इस साल की शुरुआत तक प्रधानमंत्री के रूप में काम करने वाले शहबाज शरीफ को अनुभवी राजनेता नवाज शरीफ की वापसी के बाद आम चुनाव में कुछ बढ़त जरूर मिलेगी. हालांकि, पाकिस्तान में खासे लोकप्रिय इमरान खान के जनाधार में सेंध लगाना शरीफ बंधुओं के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा.यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि आज पाकिस्तान को सुरक्षा, आर्थिक व राजनीतिक संकटों का सामना करना पड़ रहा है. (द ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सायंकाल/सांयकाल

शाम के समय का पर्यायवाची शब्द है सायंकाल. इस शब्द के लिखने में कई बार भिन्नता महसूस की जाती है. कुछ लोग सायंकाल को सांयकाल लिखते हैं तो कुछ लोग साँयकाल. वहीं कुछ लोग सायँ काल भी लिख डालते हैं. अधिकतर लोग इस शब्द का उच्चारण सायम्काल के रूप में ही करते हैं. वहीं कुछ लोग इसका उच्चारण सायँकाल की तरह करते हैं यानीसायँ+काल. यह उच्चारण इसलिए गलत है, क्योंकि सायंकाल में य पर चंद्र बिंदु नहीं, अनुस्वार है. सवाल है कि अनुस्वार ही क्यों? चंद्र बिंदु क्यों नहीं? आपको बता दूं कि सायंकाल दो शब्द सायम् और काल की संधि से बना है. इस संधि में 'म्' और 'का' का मेल होता है. स्पष्ट है कि यह व्यंजन संधि है. व्याकरण में व्यंजन संधि के नियम के अनुसार संधि होने पर 'म्' का उच्चारण 'ङ्' हो जाता है, लेकिन एक विशेष स्थिति में. इस नियम के अनुसार सायंकाल का उच्चारण सायङ्काल हो जाता है. वैसे किसी संधि के दौरान 'म्' का उच्चारण हर समय ऐसा नहीं होता, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि 'म्' के बाद आनेवाला वर्ण क्या है ? स्पर्श वर्ण, अंतस्थ या ऊष्म. यहां यह भी जान लेना आवश्यक है कि क वर्ग से लेकर प वर्ग तक के वर्ण को स्पर्श वर्ण कहा जाता है. उसके बाद य, र, ल और व अंतस्थ तथा श, ष, स और ह ऊष्म वर्ण कहलाते हैं. 'म्' के आगे स्पर्श वर्ण हो तो 'म्' का बदला विकल्प उसी वर्ग का अनुनासिक होगा. जैसे सम्+कल्प=संकल्प या सङ्कल्प. यानी क वर्ग में से संधि होने पर 'म्' का रूप 'ङ्' के जैसा हो जाता है. इसी प्रकार 'म्' के आगे अंतस्थ या ऊष्मवर्ण हो तो 'म्' सीधे अनुस्वार में बदल जाता है. जैसे सम्+हार=संहार. सवाल है कि सायंकाल शब्द का रूप लिखने और बोलने में कैसे बदलता चला गया? संभव है उच्चारण भ्रम के कारण सायंकाल का उच्चारण पहले सायँकाल हुआ होगा और बाद में 'य' का चंद्र बिन्दु खिसक कर 'सा' पर आ गया होगा. निष्कर्षतः सायंकाल का उच्चारण सायङ्काल ही होगा.

जब पटवारी घूस लेते पकड़े गए

• तीर-तुक्का

लतीफ़

यह जानकर दुःख हुआ कि एक पटवारी साहब सौ रुपया घूस लेते हुए पकड़ लिए गए. आश्चर्य इस लिए हुआ कि देश में ऐसे पटवारी हैं जो घूस लेकर पकड़ में आ जाते हैं. यार पटवारी, सच कहें, तुमने तो पूरे पटवारी समाज की नाक काट कर रख दी. हमारे इधर से पटवारी पाँच सौ रुपया ले लेते हैं और पकड़ाई में भी नहीं आते. एक तुम हो कि सौ रुपट्टी में ही पकड़े गए. हम पूछते हैं, कहाँ ट्रेनिंग ली थी यार तुमने? किसने बना दिया तुमको पटवारी? यार तुम पकड़ में क्या आ गए, तुमने पूरे राष्ट्र को घूसखोर सिद्ध कर दिया. हमारा देश ईमानदार कर्मचारियों का देश है. तुम जैसे लोग ही देश पर घूसखोरी और भ्रष्टाचार का कलंक लगा रहे हैं. थू है तुम्हारी पटवारी गिरी पर. डूब मरो चुल्लू भर पानी में. धिक्कार है तुम्हें कि इस देश में रहकर भी तुमको घूस लेने का तरीका नहीं आया. तुम तो विदेश चले जाओ यार, तुम इस देश में रहने के काबिल नहीं हो. अरे भइया, तुमको घूस लेना नहीं आता तो रेवेन्यू इन्सपेक्टर से पूछ लेते, किसी तहसीलदार से पूछ लेते. हम कहते हैं तुम कब सीखोगे? राजस्व विभाग में इतने वरिष्ठ अधिकारी लोग हैं, उनके अनुभवों का लाभ कब उठाओगे? किसने कहा था तुमको कि सौ रुपये का नोट लो? एक बोरा चावल ले लेते. फिर कैसे पकड़ में आते? नोट पर तो नम्बर होता है, चावल पर थोड़े होता है नम्बर. पुलिस वाले पूछते तो कह देते ससुराल वालों ने भेजा है. यार पटवारी भी तुम कच्चे हो.सुनो हो पटवारी, तुम घूस लेते हुए पकड़ में क्या आ गए, हम इधर तकलीफ में पड़ गए.

अपने हल्का पटवारी से नकल लेने जाते हैं तो पटवारी कहता है, मेरे पास खसरा फार्म नहीं है.पटवारी साहब ने हमको ऊपर से नीचे तक देखा और बोले- ये नहीं बता सकते. पटवारी को कब फुरसत मिलेगी यह कैसे बताएँ तुमको.वह बोले- फुरसत का क्या है. कहो तो अभी मिल सकती है फुरसत और नहीं तो दस साल तक भी नहीं मिल सकती. हम सरकारी काम पहले देखेंगे कि तुम्हारी नकल बनाते रहेंगे. कल के दिन तहसीलदार सिर पर चढ़ेगा तो तुम आओगे हमको बचाने?- फिर क्या करें? देखो पटवारी साहब, हमको तो बैंक से कर्ज लेना है. आप जब हमारे खाते की नकल देंगे तभी हमको बैंक से कर्जा मिलेगा.- तो हम क्या करें, बोलो?- आप तो कुछ मत करो, बस हमसे बीस रूपया ले लो और फुरसत निकाल लो तो हमारा कल्याण हो जाएगा. बैंक से कर्जा मिलेगा तो हम उसी रकम में से गुड्डी की शादी निपटा देंगे.पटवारी हँसता है. उसके चेहरे पर मुस्कान है. कहता है- देखोजी, हम तो तुमको बता देते हैं कि हम नियम से काम करेंगे... तुमसे एक पैसा नहीं लेंगे.

धर्म अध्यात्म

आदिकाव्य के रचयिता वाल्मीकि

भारतीय सभ्यता के पहले साहित्यकार, इतिहासकार एवं आदि कवि महर्षि वाल्मीकि हैं. वैदिक ऋचाओं के रचनाकार ऋषियों ने ऋचाओं का आत्म साक्षात्कार किया, जो हजार सालों तक श्रुति परंपरा में भारतीय जनमानस में जीवित रहा. इन ऋचाओं को वेद व्यास ने पांच हजार साल पूर्व पहली बार लिपिबद्ध किया. भारतीय सभ्यता के आदिकाव्य रामायण के रचयिता वाल्मीकि इनसे दो हजार साल पूर्व यानी आज से सात हजार साल पूर्व हुए. वाल्मीकि का जन्म प्राचीन भारत में प्रचेतस नाम के एक ऋषि के यहां हुआ था. उनका जन्म नाम रत्नाकर था. महर्षि नारद की प्रेरणा से उन्होंने अपने जीवन को आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर किया. अपने वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम वाल्मीकि के आश्रम में भी गए थे. भगवान वाल्मीकि को श्रीराम के जीवन में घटित प्रत्येक घटना का पूर्ण ज्ञान था. रामचरितमानस के अनुसार जब श्रीराम वाल्मीकि आश्रम आए थे तो आदिकवि वाल्मीकि के चरणों में दण्डवत प्रणाम करने के लिए वे जमीन पर डंडे की भांति लेट गए थे और उनके मुख से निकला था "तुम त्रिकालदर्शी मुनिनाथा, विस्व बदर जिमि तुमरे हाथा. अर्थात आप तीनों लोकों को जानने वाले स्वयं प्रभु हैं. यह संसार आपके हाथ में एक बैर के समान प्रतीत होता है.

डॉ मयंक मुरारी

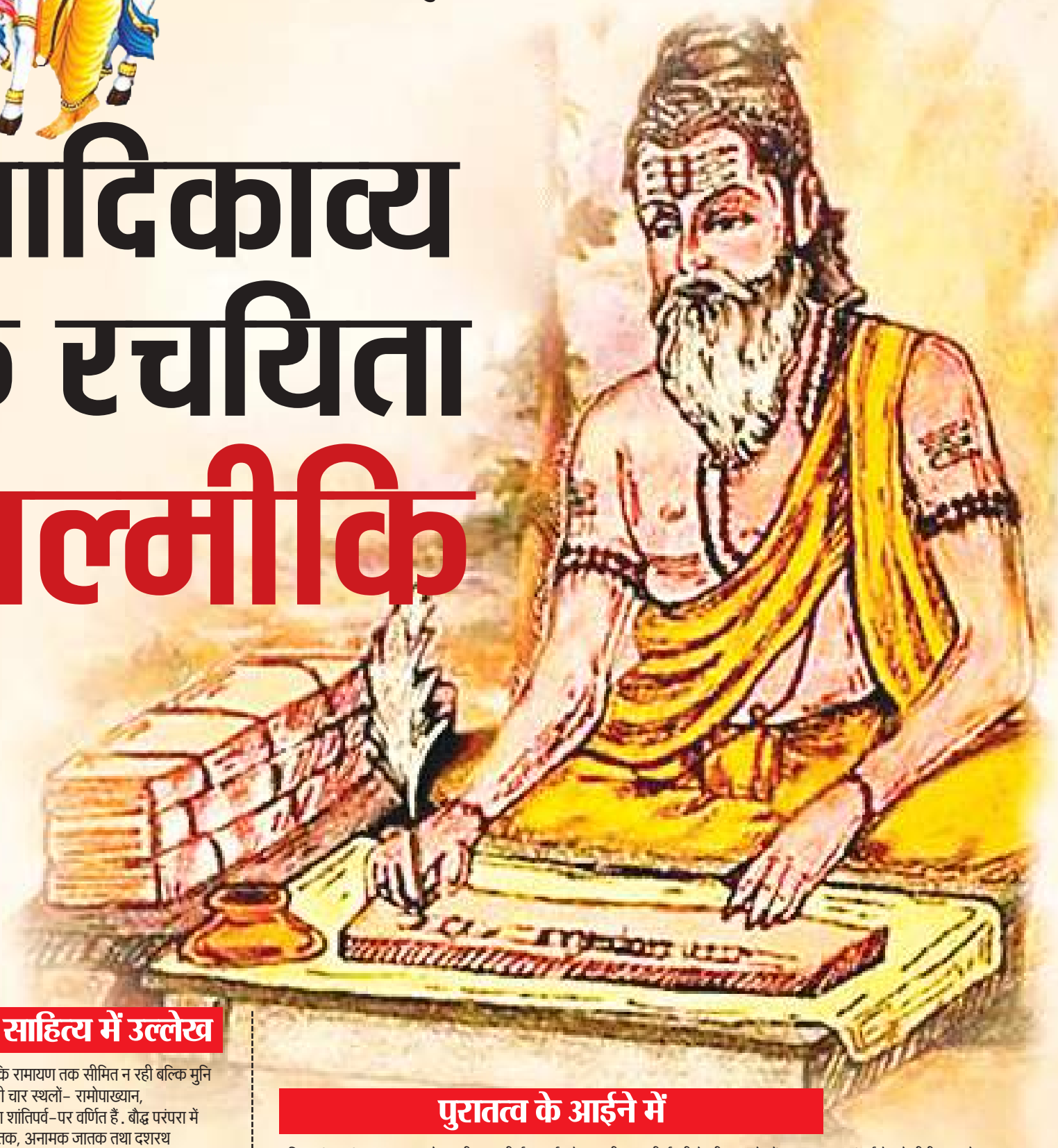

खुद ही बजने लगा शंख

महाभारत काल में भी वाल्मीकि का वर्णन मिलता है. जब पांडव कौरवों से युद्ध जीत जाते हैं तो द्रौपदी यज्ञ रखती हैं, जिसके सफल होने के लिए शंख का बजना जरूरी था. परन्तु कृष्ण सहित सभी द्वारा प्रयास करने पर भी पर यज्ञ सफल नहीं होता, तो कृष्ण के कहने पर सभी वाल्मीकि से प्रार्थना करते हैं. जब वाल्मीकि वहां प्रकट होते हैं तो शंख खुद बज उठता है और द्रौपदी का यज्ञ सम्पूर्ण हो जाता है. महाभारत में वाल्मिकी की उपस्थिति की घटना का उल्लेख कबीरदास ने भी किया है.

दो यात्राओं पर टिकी है कथावस्तु

रामायण के अयोध्याकांड और उत्तरकांड में बाद में जोड़े गए एक दो क्षेपकों को छोड़ दें तो रामायण में न कहीं बुद्ध और महावीर का जिक्र है, न मगध का और न ही बुद्ध से जुड़े शहरों का. इससे सिद्ध होता है कि रामायण बुद्ध और महावीर से पहले लिखी गई है. रामायण की कथावस्तु दो यात्राओं पर टिकी है. पहली यात्रा में विश्वामित्र राम को अयोध्या से आजमगढ़, बलिया, बक्सर, वैशाली, दरभंगा और मधुबनी होते हुए सीतामढ़ी और जनकपुर ले जाते हैं. रास्ते में जितनी भी नदियां को वे पार करते हैं और जिन-जिन स्थानों पर वे जाते हैं वे और उनके नाम आज भी कुछ भाषाई परिवर्तनों को छोड़ कर ज्यों के त्यों हैं. रामायण की दूसरी यात्रा राम के वनवास के लिए अयोध्या से दक्षिण की तरफ शुरू होती है जिसमें राम प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, सिंगरौली, प्रयाग, दंडकारण्य, नासिक, सुरेबन, हम्पी होते हुए रामनाथपुरम और रामेश्वरम और श्रीलंका जाते हैं. ये सारे स्थान भी भौगोलिक दृष्टि से ज्यों के त्यों हैं. आज तक किसी मिथक के आधार पर इतने बड़े भूभाग का भूगोल और उसके नाम दुनिया में कहीं तय नहीं हुए. इससे सिद्ध होता है कि रामायण कोरा मिथक नहीं है और वाल्मीकि ने पूरे देश का बारीकी से भ्रमण और अध्ययन करने के बाद रामायण लिखी है. आधुनिक विद्वान इसका रचनाकाल 7 वीं से 4 वीं शताब्दी ईसा पूर्व मानते हैं. भारतीय कहते हैं कि यह 600 ईपू से पहले लिखा गया. उसके पीछे तर्क यह है कि महाभारत, बौद्ध धर्म के बारे में मौन है जबकि उसमें जैन, शैव, पाशुपत आदि अन्य परम्पराओं का वर्णन है. महाभारत, रामायण के पश्चात रचित है, अतः रामायण गौतम बुद्ध के काल के पूर्व का होना चाहिए. भाषा-शैली के अनुसार भी रामायण, पाणिनि के समय से पहले का है. रॉबर्ट पी. गोल्डमैन के अनुसार, रामायण का सबसे पुराना भाग 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य का है. (प्राचीन भारत में राजनीतिक हिंसा, पृ. 502, उपिंदर सिंह).

यहां भी रामायण का संदर्भ

रामायण की कहानी का सबसे पहला संदर्भ "पुराणनुरु" में मिलता है जो पहली शताब्दी ईसा पूर्व और 5वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व का है. इसके रचनाकार कवि अनपोदिपासंकुदैयार की देन है, जो चोल राजा करिकाला की प्रशंसा में लिखा गया था. कविता एक कवि को शाही उपहार प्राप्त करने और कवि के रिश्तेदारों द्वारा पहने जाने वाले उपहारों को उनकी स्थिति के लिए रामायण की उस घटना से उपमा देती है, जहां रावण द्वारा अपहरण किए जाने पर सीता अपने गहने गिरा देती हैं और इन गहनों को लाल रंग चेहरे वाले बंदर द्वारा उठाया जाता है जो प्रसन्नतापूर्वक आभूषण पहनते थे (हार्ट और हेफेट्ज, 1999, पृ. 219-220). ईसा के जन्म के आसपास हुए संस्कृत नाटककार भास के तीन नाटकों के कथानक रामकथा पर आधारित हैं और यह दशरथ जातक की नहीं वाल्मीकि की रामकथा है. बौद्ध नाटककार अश्वघोष ने अपने बुद्धचरितम महाकाव्य में रामकथा का कोई उल्लेख नहीं किया है जिससे स्पष्ट होता है कि तब तक उन तीन जातकों की कथाएं प्रचलित नहीं हुई थीं जिन्हें रामकथा के आधार पर गढ़ा गया है. अश्वघोष ईस्वी सन 80 में पैदा हुए थे. कालिदास के रघुवंशम् महाकाव्य की कहानी भी वाल्मीकि की रामकथा पर आधारित है. प्राचीन तमिल राजवंश चोल, चेर, और पांड्य का संबंध श्रीराम से माना जाता हैं. इनमें से चोल की वंश परपंरा सूर्य, मनु और इक्ष्वाकु से शुरू होकर सौर वंश से संबंधित थे.

रामायण की 30 टीकाएं

वाल्मीकि रामायण के तीन पाठ प्राप्त होते हैं- दाक्षिणात्य पाठ, गौडीय पाठ और पश्चिमोत्तरीय पाठ. इन तीन पाठों में केवल पाठभेद ही नहीं प्राप्त होते अपितु कहीं-कहीं इसके सर्ग भी भिन्न-भिन्न हैं. इसके अलावा रामायण की 30 टीकाएं प्राप्त होती हैं. प्रमुख टीकाएं निम्नलिखित हैं- रामानुजीयम, सर्वार्थसार, रामायणदीपिका, रामायणतत्वदीपिका (महेश्वरतीर्थी, भूषण (गोविन्दराजीय), पेरियर वाचाम्बिल्लै का तनिश्लोकी आदि. आदिकवि वाल्मिकी की रचना इतनी कालजयी रही कि रामायण के बाद भिन्न-भिन्न प्रकार से गिनने पर रामायण तीन सौ से लेकर एक हजार तक की संख्या में विविध रूपों में मिलती हैं. इनमें से संस्कृत में रचित वाल्मीकि रामायण (आर्ष रामायण) सबसे प्राचीन मानी जाती है.

बौद्ध व जैन साहित्य में उल्लेख

श्रीराम कथा केवल वाल्मीकि रामायण तक सीमित न रही बल्कि मुनि व्यास रचित महाभारत में भी चार स्थलों- रामोपाख्यान, आरण्यकपर्व, द्रोण पर्व तथा शांतिपर्व-पर वर्णित हैं. बौद्ध परंपरा में श्रीराम संबंधित दशरथ जातक, अनामक जातक तथा दशरथ कथानक नामक तीन जातक कथाएं उपलब्ध हैं. रामायण से थोडा भिन्न होते हुए भी वे इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ हैं. जैन साहित्य में राम कथा संबंधी कई ग्रंथ लिखे गए. हिंदी में कम से कम ग्यारह, मराठी में आठ, बंगला मे पच्चीस, तमिल में बारह, तेलुगु में पांच तथा उडिया में छह रामायणें मिलती हैं. हिंदी में लिखित गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस ने उत्तर भारत में विशेष स्थान पाया.

पुरातत्व के आईने में

तमिल संगम ग्रंथ अकानानु, जो पहली शताब्दी ईसा पूर्व और दूसरी शताब्दी ईस्वी के बीच का है, में रामायण का संदर्भ है. प्रो बीबी लाल ने 1977-86 के मध्य रामायणकालीन स्थलों अयोध्या, भारद्वाज, चित्रकूट, आदि स्थलों की खुदवाई करायी थी, जिसका कालखंड 1900 ईसापूर्व माना जाता है. भगवान श्रीराम से सबंधित टेराकोटा प्रतिमा कौशांबी से प्राप्त हुआ है, जो दूसरी सदी ईसापूर्व का है और इलाहाबाद संग्रहालय में है. अभी हाल में महाभारतकालीन गैरिक मृदभांड हरियाणा के सोनौली से प्राप्त हुआ है, जो ईसा से हजारो साल पुराना है. इन पुरातत्व सर्वे, साहित्य एवं लोक परपंरा के आधार पर रामायण के रचनाकार आदिकवि वाल्मिकी हैं, जो खुद श्रीराम के समकालीन थे. इसका कालखंड क्या था, यह इतिहास एवं पुरातत्व के गर्भ में छिपा है, लेकिन लोक जीवन में श्रीराम की गाथा के अनन्य साधक वाल्मिकी की महत्ता इससे लगातार बढ़ती ही जाती है.

कोजागरी पूर्णिमा कल

कोजागरा 28 अक्टूबर, शनिवार के दिन है. सभी मैथिल नवविवाहित जोड़ों के घरवाले कोजागरे की तैयारी में व्यस्त होंगे. आइए, पर्व से जुड़ी मान्यताओं व विधिविधान पर करें चर्चा...

राजा जनक ने प्रारंभ किया था यह पर्व

विविध भांति के पर्व त्योहारों से संपन्न हमारे भारत देश में एक त्योहार के समाप्त होते ही दूसरे की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं. दशहरा के समाप्त होते ही हम सब आश्विन मास की पूर्णिमा (जिसे शरद पूर्णिमा भी कहा जाता है) की तैयारियां आरंभ कर देते हैं. शरद पूर्णिमा को ही कोजागरी पूर्णिमा या रास पूर्णिमा भी कहते हैं. मान्यता यही है कि पूरे वर्ष के सभी पूर्णमासियों में से मात्र इसी पूर्णिमा की रात ऐसा सुअवसर आता है जब चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण रहता है. मान्यता यह भी है कि इस रात्रि को चन्द्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है. इसीलिए उत्तर भारत में इस विशेष रात्रि को खीर बनाकर रात भर चांदनी में रखने का विधान है.

रूणा रश्मि 'दीप्त'

कहीं लक्खी पूजा जो कहीं कौमुदी व्रत मनाते हैं

देश के भिन्न-भिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों और विधियों से इस दिवस में खुशियां मनाने की परंपरा है. कहीं इसे लक्खी पूजा तो कहीं कौमुदी व्रत के रूप में मनाया जाता है. मिथिला में इस दिवस विशेष को कोजागरा के रूप में मनाने की परंपरा है. इसके विधान के अनुसार कोजागरा पर नवविवाहित दूल्हे का चुमावन कर नवविवाहिता की समृद्धि और सुखमय जीवन के लिए भगवान से प्रार्थना की जाती है. साथ ही घर के बड़े-बुजुर्गों के द्वारा दूर्वाक्षत मंत्र के साथ दांपत्य सुख प्राप्ति हेतु आशीर्वाद भी दिया जाता है.

राजा जनक से जुड़ी है कथा

दंतकथाओं के अनुसार त्रेतायुग में राजा जनक ने अपने दामाद श्रीरामचंद्र के सम्मान में इस पूजा विधान का आरंभ किया था. तभी से मिथिलांचल में कोजागरा मनाने की परंपरा चली आ रही है. नवविवाहित लड़के के ससुराल अर्थात नवविवाहिता लड़की के घर से भार आता है जिसे लड़के के स्वजन ससम्मान, सहर्ष स्वीकार करते हैं और भार में आए सभी वस्तुओं के द्वारा ही कोजागरे की समस्त पारंपरिक विधियां संपन्न की जाती हैं.

पान-मखान का त्योहार

पान, केला, मखान, लड्डू, खाजा, चूड़ा, दही, मखाना, पान, बताशा आदि विविध खाद्य सामग्रियों और पारंपरिक पकवानों के साथ ही स्वर्णाभूषण आदि सप्रेम उपहार स्वरूप प्रदान किए जाते हैं. इन सभी चीजों को ही सम्मिलित रूप से भार की संज्ञा दी जाती है. 'भार' के रूप में आए इन खाद्य सामग्रियों को ही लड़के के माता-पिता या सगे-संबंधी चंगेरा (डाली) में भरकर पूरे मोहल्ले में बांटते हैं. अब आधुनिक स्वरूप में वर के माता-पिता अपने सगे संबंधियों एवं मित्रों को निमंत्रित कर, विस्तृत भोज का भी आयोजन बड़े ही शौक से करने लगे हैं.

पारंपरिक गीत व पच्चीसी

वर को ससुराल से आए कपड़े पहनाने के पश्चात उसे ससुराल से ही आए सुसज्जित पीढ़े पर बैठाकर घर की महिलाएं वर का चुमावन करती हैं. चुमावन के बाद हंसी मजाक के वातावरण में वर अपने साले के साथ पच्चीसी का खेल खेलता है. इस खेल में हारने वाला जीतने वाले को उपहार देता है. इस सबके दरम्यान मिथिला के पारंपरिक गीतों से वातावरण सुसज्जित रहता है. पूर्व काल में तो घर-परिवार की महिलाएं ही अपने गायन से अवसर की शोभा बढ़ाती थीं. अब कहीं-कहीं इस अवसर के वृहत आयोजन के रूप में कुछ गायकों को आमंत्रित करते हुए भी कार्यक्रम को शोभायमान करते हैं.

मिथिला के पारंपरिक भोज्य पदार्थों का सेवन कर निमंत्रित अतिथिगण भी तृप्त होते हैं. यह विशेष त्योहार भी दो परिवारों के मध्य स्थापित नव संबंधों में प्रगाढ़ता लाने एवं आपस में स्नेह और सौहाद्र बढ़ाने का एक सुअवसर ही होता है.

मां लक्ष्मी बरसाएंगी कृपा कीजिए बस इतना सा...

शुरू हो रहा कार्तिक का पावन मास

आचार्य अजय मिश्रा

29 अक्टूबर को कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि है. कार्तिक मास 27 नवंबर तक रहेगा. हिंदू धर्म में सभी महीने में कार्तिक मास को उत्तम माना गया है. इस माह भगवान विष्णु चार महीने के बाद योगनिद्रा से जागृत होते हैं. इस महीने कुछ खास कार्य श्री-समृद्धि वर्द्धक माने गए हैं. आइए, कार्तिक माह में किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की चर्चा करें-

• शुक्रवार के दिन अष्ट लक्ष्मी की पूजा जरूर करें. इससे धन लाभ होगा. साथ ही संतान लाभ और सुख-शांति भी प्राप्त होगी. देवी लक्ष्मी के विजयलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी, धनलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, संतानलक्ष्मी, वीरलक्ष्मी, भाग्यलक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी और आदिलक्ष्मी आठ स्वरूप हैं. अष्टलक्ष्मी की पूजा से देवी प्रसन्न होती हैं.

• पवित्र नदी में सूर्योदय के पूर्व स्नान करने का महत्व है. यदि ऐसा संभव न हो तो नहाने के पानी में गंगाजल मिला कर स्नान करें.

• कार्तिक पूर्णिमा व्रत का भी बहुत ही महत्व है. धर्मशास्त्रों में चर्चा है कि इससे सूर्यलोक मिलता है और अग्निष्टोम यज्ञ के समान फल प्राप्त होता है. कार्तिक पूर्णिमा से प्रारम्भ करके हर माह की पूर्णिमा को व्रत रखने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं.

• इस माह में भूमि शयन करना चाहिए. गेहूं, मूंग, दूध-दही-घी आदि का सेवन करें और मांसाहार, लहसुन, प्याज का सेवन न करें.

• इस महीने दीपदान करने से स्वयं व परिजनों के जीवन से अंधकार का नाश होता है. किसी भी पवित्र नदी या फिर तालाब में सूर्यास्त के वक्त दीपदान करें.

•कार्तिक मास भगवान विष्णु की पूजा के लिए सबसे खास माना गया है. इसलिए इस महीने में विष्णुप्रिया तुलसी की पूजा करना भी बहुत अच्छा माना जाता है. इस पूरे महीने में तुलसी के पौधे के नीचे घी का दीपक जलाने की परंपरा है. इससे घर में सुख-समृद्धि का वास होता है.

• पूरे माह के दौरान शाम को घर के मंदिर में 7 कपूर जलाएं. इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होगा और यदि घर में सदस्यों के मध्य किसी भी प्रकार का मतभेद है तो वह भी सुलझने लगता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	भारत	05	05	00	10	+1.353
2	दक्षिण अफ्रीका	05	04	01	08	+2.370
3	न्यूजीलैंड	05	04	01	08	+1.481
4	ऑस्ट्रेलिया	05	03	02	06	+1.142
5	श्रीलंका	05	02	03	04	-0.205
6	पाकिस्तान	05	02	03	04	-0.400
7	अफगानिस्तान	05	02	03	04	-0.969
8	बांग्लादेश	05	01	04	02	-1.253
9	इंग्लैंड	05	01	04	02	-1.634
10	नीदरलैंड	05	01	04	02	-1.902

एक नजर में

इंग्लैंड	प्लेयर ऑफ द मैच	श्रीलंका
156/10	लाहिरू कुमारा	160/2

आगे कौन

सबसे अधिक रन

407

क्विंटन डी कॉक, द. अफ्रीका

सबसे अधिक विकेट

13

एडम जम्पा, ऑस्ट्रेलिया

सिक्सर किंग रोहित शर्मा : 17

बाउंड्री

6	4
321	1183

उलटफेर : विश्व कप में इंग्लैंड की सेमीफाइनल की राह हुई मुश्किल

श्रीलंका के सामने पस्त हुआ इंग्लैंड

भाषा । बेंगलुरु

श्रीलंका ने गुरुवार को गत चैंपियन इंग्लैंड को करारी शिकस्त देते हुए विश्व कप 2023 का एक और उलटफेर कर दिया। इस हार के बाद अब इंग्लैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल लग रहा है. एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के छोटे से मैदान पर हाई स्कोरिंग मुकाबले की उम्मीद थी. मगर बडे.हिटर्स से सजी इंग्लिश टीम सूखी और सपाट पिच पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 34वें ओवर में सिर्फ 156 रन पर ही सिमट गई. अपने गेंदबाजों के जानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए बल्लेबाज भी हावी हो गए. इस तरह श्रीलंका ने 25.4 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया. पाथुम निसंका 77 तो सदीरा समीराविक्रमा 65 रन बनाकर नाबाद लौटे. इससे पहले गेंदबाजी में लाहिरु कुमारा ने तीन विकेट झटके। श्रीलंका की ये पांच मैच में दूसरी जीत तो इंग्लैंड की इतने ही मुकाबलों में चौथी हार है.मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड अपने पांच मैच खेलने के बाद सिर्फ दो अंक और -1.63 के खराब नेट रन रेट के चलते नौवें स्थान पर मजबूती से टिकी हुई है. श्रीलंका के खिलाफ हार ने उसके सारे समीकरण बिगाड़ दिए. उसके चार मैच अभी बाकी हैं. ऐसे में अब कोई चमत्कार ही इंग्लैंड को नॉकआउट की दौड़ में बरकरार रख सकता है. मतलब चैंपियन टीम को यहां से सिर्फ जीत नहीं बल्कि दूसरी टीमों के नजीतों पर भी नजर बनाए रखनी होगी.

हर विभाग में फेल हुआ इंग्लैंड : मौजूदा वर्ल्ड कप इंग्लैंड के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा. डिफेंडिंग चैंपियन टीम हर मोर्चे पर फेल रही. विशेषकर उनके बैटर्स अपने अति आक्रामकता के चक्कर में निपटते गए. खोई फॉर्म तलाशने के लिए उन्हें एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से बेहतर बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट नहीं मिलता. डाविड मलान और जो रूट को छोड़कर इंग्लैंड का कोई भी बैटर अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया. गेंदबाजी में भी निरंतरता की कमी साफ देखी जा सकती है. जोस बटलर बतौर कप्तान और बल्लेबाज बुरी तरह विफल रहे. टीम कभी परफेक्ट कॉम्बिनेशन ही नहीं तलाश पाई.

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	बॉल	4	6
बेयरस्टो कै धनंजय डी सिल्वा बो राजिथा	30	31	3	0
मलान कै कुसल मेंडिस बो मैथ्यूज	28	25	6	0
रूट रन आउट (मैथ्यूज/कुसल मेंडिस)	3	10	0	0
स्टोक्स कै दुशान हेमंथा बो लाहिरू कुमारा	43	73	6	0
जोस बटलर कै कुसल मेंडिस बो लाहिरू कुमारा	8	6	1	0
लिविंगस्टोन एलबीडब्ल्यू बो लाहिरू कुमारा	1	6	0	0
मोईन कै कुसल परेरा बो मैथ्यूज	15	15	1	0
क्रिस वोक्स कै समरविक्रमा बो राजिथा	0	4	0	0
विली नॉटआउट	14	17	1	1
आदिल रशीद रन आउट (कुसल मेंडिस)	2	7	0	0
मार्क वुड स्ट कुशाल मेंडिस बो थीक्षाना	5	6	1	0
अतिरिक्त : 7, कुल : 156/10, 33 .2, विकेट पतन : 45-1, 57-2, 68-3, 77-4, 85-5, 122-6, 123-7, 137-8, 147-9, 156-10 . गेंदबाजी दिलशान मदुशंका :5-0-37-0, राजिता : 7-0-36-2, एम थीक्षाना : 8 .2-1-21-1, मैथ्यूज : 5-1-14-2, लाहिरू कुमारा : 7-0-35-3, धनंजय डी सिल्वा : 1-0-10-0				

श्रीलंका	रन	बॉल	4	6
निसंका नॉटआउट	77	83	7	2
कुशाल परेरा कै स्टोक्स बो विली	4	5	1	0
कुशाल मेंडिस कै जोस बटलर बो विली	11	12	2	0
सदीरा समरविक्रमा नॉटआउट	65	54	7	1
अतिरिक्त : 3, कुल : 160/2, 25 .4 ओवर, विकेट पतन : 9-1, 23-2, गेंदबाजी : क्रिस वोक्स : 6-0-30-0, डेविड विली : 5-0-30-2, आदिल रशीद : 4 .4-0-39-0, मार्क वुड : 4-0-23-0, लियाम लिविंगस्टोन : 3-0-17-0, मोईन अली : 3-0-21-0				

द. अफ्रीका के खिलाफ पाक के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

हार की हैट्रिक के बाद पाकिस्तान को विश्व कप में बने रहने के लिये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को 'करो या मरो' का मुकाबला खेलना है क्योंकि इस मुकाबले में हारने पर नॉकआउट के रास्ते बंद हो जाएंगे . दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक और हेनरिच क्लासेन ने अब तक टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिनका एडेन मार्कराम ने बखूबी साथ निभाया है . वहीं पाकिस्तान के नामी गिरामी बल्लेबाज नाकाम साबित हुए हैं, दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने अब तक 155 चौके और 59 छक्के मारे हैं जबकि पाकिस्तान पांच मैचों में 24 छक्के और 136 चौके ही लगा सका है . दक्षिण अफ्रीका के डिकॉक, क्लासेन, मार्कराम, डेविड मिलर और मार्को जानसेन का स्ट्राइक रेट 100 से ऊपर रहा है जबकि पाकिस्तानी टीम में सिर्फ सउद शकील और इफ्तिखार अहमद का स्ट्राइक रेट सौ के करीब रहा है . गेंदबाजी में शाहीन शाह अफरीदी फ्लॉप रहे हैं जबकि हारिस रऊफ भी प्रभावित नहीं कर सके हैं . पाकिस्तान को नसीम शाह की कमी बुरी तरह खली है . हसन अली वनडे के लिये मुफीद गेंदबाज नहीं है लिहाजा जमान खान या मुहम्मद वसीम जूनियर को उतारा जा सकता है . दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए 82 मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका ने 51 जीते हैं . पाकिस्तान की सबसे कमजोर कड़ी एक अच्छे स्पिनर का अभाव है.

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

महिलाओं की एशियाई हॉकी प्रति. का शुभारंभ आज से जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में

उद्घाटन मैच में भिड़ेंगी जापान और मलेशिया की टीमें

संवाददाता । रांची

- 2016 में भारतीय टीम ने जीता था खिताब
- 2013 व 2018 में उपविजेता रही थी भारतीय टीम

हाल ही में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक से चूकी भारतीय महिला हॉकी टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के जरिये इस मलाल को मिटाना चाहेगी और पहले मैच में उसके सामने थाईलैंड जैसी आसान चुनौती है. हांगझोउ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में भारत को चीन ने 4-0 से हराया लेकिन भारत ने जापान को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता. खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर सीधे पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने का लक्ष्य लेकर गई भारतीय टीम के लिये कांस्य निराशाजनक नतीजा रहा. अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के जरिये सविता पूनिया की कप्तानी वाली टीम के पास एशियाई खेल चैंपियन चीन और रजत पदक विजेता कोरिया से हार का बदला चुकता करने का सुनहरा मौका है. टूर्नामेंट में मेजबान भारत, चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड भाग लेंगे. सभी छह टीमें राउंड रॉबिन लीग चरण में एक दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. भारत की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने अपनी पूरी मजबूत टीम चुनी है.

एशियाई खेलों में टीम का हिस्सा रही अनुभवी मिडफील्डर सुशीला चानू चोट के कारण टीम से बाहर हैं. उनकी जगह बलजीत कौर को शामिल किया गया है. वैष्णवी फाल्के और शर्मिला देवी भी बैकअप के तौर पर टीम के साथ हैं. थाइलैंड के बाद भारत को 28 अक्टूबर को मलेशिया से, 30 अक्टूबर को चीन से, 31 अक्टूबर को जापान और दो नवंबर को कोरिया से खेलना है. सेमीफाइनल चार नवंबर को और फाइनल पांच नवंबर को खेला जायेगा. एशियाई खेलों में चीन के खिलाफ मुकाबले से पहले भारत का प्रदर्शन बेहतरीन रहा. उस सेमीफाइनल को भुलाकर भारतीय टीम नयी शुरूआत करने के इरादे से उतरेगी. इसके बाद इसी मैदान पर अगले साल ओलंपिक क्वालीफायर भी होने हैं.

हर मैच जीतने के इरादे से उतरेंगे: भारतीय कप्तान सविता

भारतीय कप्तान सविता ने कहा कि इस तरह के टूर्नामेंटों में किसी टीम को हलके में नहीं लिया जा सकता . हम हर मैच जीतने के इरादे से उतरेंगे . हमारी नजरें पेरिस ओलंपिक 2024 क्वालीफायर पर भी है जो रांची में ही होने हैं . उसकी तैयारी के लिये भी यह टूर्नामेंट अहम है .

ओलंपिक क्वालीफायर से पहले टूर्नामेंट अहम: शॉपमैन

भारत की मुख्य कोच शॉपमैन ने कहा कि ओलंपिक क्वालीफायर से पहले यह टूर्नामेंट काफी अहम है . इससे हमें दूसरी टीमों को आंकने और अपने खिलाड़ियों को परखने का मौका मिलेगा .

आज के मैच

- भारत बनाम थाईलैंड - रात 8:30 बजे

- चीन बनाम कोरिया - शाम 6:15 बजे

- जापान बनाम मलेशिया - शाम 4 बजे

भारत ने एशियाई पैरा खेलों में रचा इतिहास

भाषा । हांगझोउ

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने गुरुवार को यहां इतिहास रचते हुए एशियाई पैरा खेलों में सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड बनाते हुए अपने कुल पदक की संख्या को 82 तक पहुंचाया जिसमें 18 स्वर्ण भी शामिल हैं. भारत ने इंडोनेशिया में 2018 में 72 पदक जीतने के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया है. भारत ने गुरुवार को तीन स्वर्ण पदक सहित कुल 18 पदक जीते. भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 18 स्वर्ण, 23 रजत और 41 कांस्य सहित कुल 82 पदक जीते हैं. भारत हालांकि गुरुवार को काफी स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया जिससे पदक तालिका में दो स्थान के नुकसान से आठवें स्थान पर खिसक गया है. दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया भारत को पछाड़कर आगे निकल गए हैं जबकि चीन (156 स्वर्ण, 128 रजत और 108 कांस्य) शीर्ष पर चल रहा है. खेलों में अब दो दिन बाकी हैं और भारत हांगझोउ खेलों में 100 पदक जीतने के अपने लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है. भारत ने जकार्ता में पिछले पैरा एशियाई खेलों में 15 स्वर्ण, 24 रजत और 33 कांस्य पदक सहित 72 पदक जीते थे. गुरुवार को ट्रैक एवं फील्ड एथलीटों ने एक स्वर्ण पदक सहित आठ पदक जीते. भारत के कुल 82 पदक में एथलेटिक्स का योगदान 45 पदक का है जबकि 18 स्वर्ण पदक में से 14 भारत ने ट्रैक एवं फील्ड में जीते हैं. गुरुवार को पुरुष एफ46 गोला फेंक स्पर्धा में सचिन सर्जेराव ने 16.03 मीटर के खेलों के रिकॉर्ड थ्रो के साथ भारत को दिन का पहला स्वर्ण पदक दिलाया. रोहित कुमार ने 14.56 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता.

खास बातें

- रिकॉर्ड 82 पदक तक पहुंचा भारतीय दल
- भारत ने सर्वाधिक 72 पदक 2018 में जीते थे

एशियाई निशानेबाजी स्वर्ण से चुकी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम एक निशानेबाज धनुष श्रीकांत को पोशाक की मोटाई के कारण प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित किए जाने के कारण कोरिया के चांगवोन में चल रही एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और जूनियर रिकॉर्ड बनाने से चूक गई. उमामहेश मद्दिनेनी, धनुष और अभिनव साव की भारतीय टीम ने 628.5, 627.9 और 625.6 का स्कोर कर कुल 1882 अंक हासिल किए जिससे उसका स्वर्ण पदक जीतना और एशियाई जूनियर रिकॉर्ड बनाना तय था, लेकिन एक निशानेबाज को अयोग्य घोषित किए जाने के कारण भारत को पदक से वंचित होना पड़ा. धनुष प्रतियोगिता जिस पैंट का इस्तेमाल कर रहे थे, उसकी मोटाई 2.9 थी जबकि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के नियमों के अनुसार यह 3.0 से कम नहीं होनी चाहिए. निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में मोटी जैकेट और पैंट पहनना अनिवार्य होता है.

राष्ट्रीय खेल: तलवारबाज सीए भवानी ने जीता स्वर्ण पदक

भाषा । मडगांव (गोवा)

तमिलनाडु की तरफ से खेल रही ओलंपियन तलवारबाज सीए भवानी देवी ने गुरुवार को यहां महिला साबरे व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में केरल की एस सोमिया को 15-5 से हराकर राष्ट्रीय खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया. भवानी देवी ने गुजरात में 2022 में खेले गए राष्ट्रीय खेलों में इसी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था. हिमाचल प्रदेश की शिक्षा बलौरिया ने रजत और पंजाब की जगमीत कौर ने कांस्य पदक जीता. ब ाब गांवकर ने मॉडर्न पेंटाथलॉन में पुरुषों की लेजर रन स्पर्धा जीतकर गोवा को खेलों का पहला स्वर्ण पदक दिलाया. हरियाणा के अजय और रवि ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता. महिलाओं की लेजर रेस में हरियाणा की उज्जला ने महाराष्ट्र की योगिनी उमाकांत सालुंके और मध्य प्रदेश की नेहा यादव को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता. पुरुषों की लेजर रेस की टीम स्पर्धा में हरियाणा ने स्वर्ण जीता.

2036 ओलंपिक के लिए तैयार है भारत : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यहां 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार ने पिछले नौ वर्षों में खेलों पर खर्च तीन गुना बढ़ाया और दोहराया कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है . मडगांव के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि गोवा में इन खेलों का आयोजन तब किया जा रहा है जब भारतीय खेल नहीं ऊंचाइयां छू रहे हैं .

पीएम मोदी ने शिरडी में श्री साईबाबा समाधि मंदिर में पूजा-अर्चना की

शिरडी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को शिरडी स्थित श्री साईबाबा समाधि मंदिर में पूजा-अर्चना की. मोदी के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी थे.

'कुछ लोगों ने किसानों के नाम पर सिर्फ राजनीति की'

शिरडी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राकांपा के संस्थापक शरद पवार पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र के कुछ लोगों ने किसानों के नाम पर केवल राजनीति की. पीएम ने कहा कि उनकी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि किसानों को अब उनके उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का पैसा सीधे उनके बैंक खातों में मिल रहा है. पीएम अहमदनगर जिले के शिरडी में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. मोदी ने कहा कि जब वे केंद्रीय कृषि मंत्री थे तो किसानों को बिचौलियों की दया पर निर्भर रहना पड़ता था. पर अब ऐसा नहीं है.

पीएम को मिले गिफ्ट की नीलामी : एसजीपीसी, अकाली दल, कांग्रेस का विरोध

ई-नीलामी में स्वर्ण मंदिर..गरमायी राजनीति

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री को मिले उपहारों की ई-नीलामी को लेकर एक विवाद खड़ा हो गया है. खबर है कि ई-नीलामी में श्री हरमंदिर साहिब स्वर्ण मंदिर के मॉडल को भी शामिल किये जाने से पंजाब का सियासी तापमान बढ़ गया है. शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी), कांग्रेस सहित शिरोमणि अकाली दल ने इस मॉडल की नीलामी को रोक देने की मांग की है. जान लें कि यह मॉडल शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पीएम मोदी को भेंट किया था. शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने एक्स पर पोस्ट कर लिख कर सलाह दी है कि प्रधानमंत्री मोदी को मिले सम्मान और उपहारों की नीलामी में सचखंड श्री हरिमंदर साहब के मॉडल की नीलामी नहीं की जाये. उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की है कि वह श्री हरमंदिर साहिब का मॉडल अपने आवास पर रखें.

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी एक्स पर पोस्ट कर दुख जताया है. कहा कि यह जानकर बहुत दुख हुआ कि सरकार पवित्र मॉडल की नीलामी करने जा रही है. यह अकाल पुरख और गुरुओं का आदर्श है. इसे नीलाम करना अपमानजनक होगा.

पवित्र प्रतीक को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को वापस कर दिया जाये

बादल ने लिखा कि ऐसा करना सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला होगा. बादल ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि वह इस नीलामी को तुरंत रोकें. साथ ही कहा कि यदि सरकार इस पवित्र और अमूल्य उपहार को संभालने में असमर्थ है, तो इस पवित्र प्रतीक को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को वापस कर दिया जाये.

एसजीपीसी इस मुद्दे को पीएमओ के समक्ष उठाये

कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पीएम मोदी को मिले उपहारों की नीलामी की प्रक्रिया की जा रही है, जिसमें श्री हरिमंदिर साहिब जी का मॉडल भी शामिल है. राजा वड़िंग ने एक्स पर पोस्ट कर अनुरोध किया कि इसे सूची से हटा दें. इससे सिखों और पंजाबियों की भावनाएं आहत होंगी, क्योंकि श्री हरिमंदिर साहिब हर पंजाबी के लिए सर्वोच्च आध्यात्मिक और लौकिक पीठ है. उन्होंने एसजीपीसी से इस मुद्दे को तुरंत पीएमओ के समक्ष उठाने का अनुरोध किया है.

ब्रीफ खबरें

महुआ मोइत्रा को 31 अक्टूबर को बुलाया

नयी दिल्ली। लोकसभा की आचार समिति ने टीएमसी की सदस्य महुआ मोइत्रा को उनके खिलाफ लगे 'पैसे लेकर सदन में सवाल पूछने' के आरोपों के संदर्भ में 31 अक्टूबर को उसके समक्ष पेश होने के लिए कहा है. समिति ने गुरुवार को वकील जय अनंत देहाद्रई और सांसद निशिकांत दुबे के बयान दर्ज किए. भाजपा सांसद दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को 15 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में संगीन आरोप लगाए थे.

एसयूवी, टैंकर से टकराई, 13 की मौत

चिक्कबाल्लापुर (कर्नाटक)। कर्नाटक के चिक्कबाल्लापुर में गुरुवार की सुबह एक एसयूवी के सड़क पर खड़े एक टैंकर से टकरा जाने से कार में सवार 13 लोगों की मौत हो गयी. कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक जताते हुए प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की. उन्होंने इस हादसे के संबंध में अधिकारियों से जानकारी भी मांगी. पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब सात बजे चिक्कबाल्लापुर शहर के जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके में हुई.

कंगना रनौत ने राम मंदिर के दर्शन किए

अयोध्या। अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी फिल्म 'तेजस' की रिलीज से पहले गुरुवार को अयोध्या स्थित राम मंदिर के दर्शन किए और कहा कि यह मंदिर 'हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा पवित्र तीर्थ स्थल' बनेगा. इस मंदिर की 'तेजस' में अहम भूमिका है. यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज होगी. फिल्म में रनौत भारतीय वायुसेना की पायलट की भूमिका निभा रही हैं. 'तेजस' के निर्देशक एवं लेखक सर्वेश मेवाड़ा हैं. रनौत ने कहा, ईसाइयों के लिए वेटिकन सिटी का जो महत्व है, वैसे ही अयोध्या का राम मंदिर हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा पवित्र तीर्थ स्थान बनेगा.

घुसपैठ नाकाम की दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना के जवानों ने गुरुवार को घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकियों को मार गिराया. श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों द्वारा 26 अक्टूबर को चलाये गये एक संयुक्त अभियान में कुपवाड़ा सेक्टर में एलओसी पर सतर्क जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया.

महबूबा दोबारा पीडीपी अध्यक्ष चुनी गईं

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती गुरुवार को निर्विरोध, तीन वर्षों के लिए, पुनः दल की अध्यक्ष चुनी गईं. पीडीपी के महासचिव गुलाम नबी लोन हंजुरा ने अध्यक्ष पद के लिए महबूबा के नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसका समर्थन पूर्व मंत्री अब्दुल गफ्फार सोफी ने किया. निर्वाचक मंडल के सभी सदस्यों ने ध्वनि मत से नामांकन का समर्थन किया. पीडीपी अध्यक्ष के चुनाव की समान प्रक्रिया साथ ही साथ जम्मू में भी हुई जिसे वीडियो लिंक के जरिए श्रीनगर कार्यालय से जोड़ा गया था.

ईडी की कार्रवाई : अशोक गहलोत के बेटे को भेजा गया समन

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष के डोटासरा परिसरों पर रेड

भाषा। जयपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चुनावी प्रदेश राजस्थान में कथित परीक्षा पत्र लीक मामले की धन शोधन जांच के सिलसिले में गुरुवार को कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जयपुर और सीकर स्थित परिसरों पर छापे मारे तथा विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे को तलब किया है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूर्व स्कूली शिक्षा मंत्री डोटासरा (59) के परिसरों के अलावा दौसा में महवा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला व कुछ अन्य के परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है. धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत यह तलाशी ली जा रही है. ईडी के दलों के साथ सीआरपीएफ का एक सशस्त्र दल भी है.

धन शोधन का यह मामला आरोपियों के खिलाफ राजस्थान पुलिस द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकियों पर आधारित है. ईडी ने कहा था कि आरोपियों ने एक-दूसरे की मिलीभगत से वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड 2 प्रतिस्पर्धी परीक्षा 2022 के सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र को लीक किया, जो परीक्षा आरपीएससी द्वारा 21 दिसंबर 2022, 22 दिसंबर 2022 और 24 दिसंबर 2022 को होनी थी. आरोपियों ने यह प्रश्न पत्र परीक्षा दे रहे उम्मीदवारों को उपलब्ध कराया तथा प्रति उम्मीदवार आठ से 10 लाख लिए थे. ईडी ने इस मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और अनिल कुमार मीणा तथा भूपेंद्र सरन नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है.

कांग्रेस ने की कार्रवाई की आलोचना

कांग्रेस ने राजस्थान में अपने नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र की आलोचना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुनाव लड़ने में जांच एजेंसियों की मदद लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग भाजपा को करारा जवाब देंगे. मुख्यमंत्री गहलोत ने ईडी की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि देश में आतंक फैलाया गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ईडी के छापों के जरिए उन्हें निशाना बना रही है क्योंकि वे उनकी सरकार को सत्ता से नहीं हटा सकते.

टिड्डी दल की तरह किया जा रहा इस्तेमाल भाजपा की फसल चट होगी : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा ईडी का इस्तेमाल टिड्डी दल की तरह किया जा रहा है, जो अंततः उसकी ही फसल चट होने का कारण बनेगा. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस व इसके नेता इस तरह की कार्रवाइयों से घबराने वाले नहीं हैं. गहलोत ने इस मुद्दे पर यहां कांग्रेस के 'वार रूम' में मीडिया को संबोधित किया. उन्होंने कहा, हम घबराने वाले नहीं हैं. कांग्रेस पार्टी व इसके नेता घबराने वाले नहीं हैं. चाहे वे कितना ही ईडी का दुरुपयोग करें.

भाजपा ऐसे हथकंडों से डरा नहीं सकती : पायलट

जयपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने ईडी द्वारा राजस्थान में छापेमारी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया जताते हुए गुरुवार को कहा कि भाजपा इस तरह के हथकंडों से कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती. राज्य कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुटता से साथ खड़े हैं. यहां ईडी की छापेमारी की मैं कठोर शब्दों में निंदा करता हूं. ऐसी कार्रवाई से भाजपा की घबराहट साफ दिखाई देती है.

पश्चिम बंगाल : वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के आवास पर ईडी का छापा

कोलकाता। ईडी के अधिकारियों द्वारा करोड़ों रुपये के कथित राशन वितरण घोटाले को लेकर पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के आवास समेत कई स्थानों पर आज गुरुवार तड़के छापा मारे जाने की खबर है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों की एक टीम के सहयोग से कोलकाता साल्ट लेक इलाके में स्थित राज्य के वन मंत्री मलिक के दो फ्लैट पर छापा मारा. उन्होंने बताया कि मलिक के पूर्व निजी सहायक के मकानों सहित आठ अन्य फ्लैट पर भी छापा मारा गया है. प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, छापेमारी के दौरान मंत्री वहां नहीं थे. वह बाद में आये. उनका फोन ले लिया गया है. कहा कि फ्लैट के अंदर अभी आठ अधिकारी हैं. हम उनके पूर्व निजी सहायक के दमदम स्थित आवास और कुछ अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं.

'मोदी के पसंदीदा समूह में जरूर गड़बड़ है'

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अडाणी समूह से लंबे समय तक जुड़ी रही एक ऑडिट कंपनी की जांच के घेरे में आने संबंधी खबर का हवाला देते हुए गुरुवार को दावा किया कि इस कारोबारी समूह में जरूर कुछ गड़बड़ है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने जिस खबर का हवाला दिया, उसमें कहा गया है कि एनएफआरए ने ऑडिट कंपनी एसआर बाटलीबोई के खिलाफ जांच शुरू की है. रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, मई, 2023 में अडाणी टोटल गैस लिमिटेड के वैधानिक लेखा परीक्षक ने इस्तीफा दिया. यह लेखा परीक्षक कंपनी जानी मानी नहीं थी. अगस्त, 2023 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध एक अन्य वैधानिक लेखा परीक्षक ने अडाणी पोर्ट्स के वित्तीय लेनदेन पर चिंता व्यक्त करने के बाद इस्तीफा दे दिया. उन्होंने कहा, अक्टूबर, 2023 में तीसरे वैधानिक लेखा परीक्षक को लेकर खबर आयी है. इसका भी इस पेशे में बड़ा नाम है.

भाजपा की शिकायत पर प्रियंका ने निशाना साधा

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा द्वारा उनके खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत किए जाने को लेकर गुरुवार को सत्ताधारी दल पर निशाना साधा और उसके वादों को खोखला करार देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लिफाफा खाली है. उन्होंने अपने व्हाट्सएप चैनल पर कहा, मेरी एक बात पर भाजपा वाले इतने भड़क गए कि मुझ पर मामला दायर कर दिया. मैंने तो यह कहा था कि टीवी पर देखा है कि प्रधानमंत्री जी देवनारायण जी के मंदिर में लिफाफा डाल आए, खोला गया तो उसमें 21 रुपये निकले. प्रियंका गांधी ने दावा किया, ये जो काम करते हैं, उससे भी यही दिख रहा है कि मोदी जी का लिफाफा खाली है. महिला आरक्षण, ओबीसी जाति जनगणना, ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट सब खोखले वादे हैं, क्योंकि मोदी जी का लिफाफा खाली है.

आओ जानें

दुनिया में सबसे खराब ट्रैफिक वाले शहर

1. लागोस
2. लॉस एंजिल्स
3. सैन जोस
4. कोलंबो
5. ढाका
6. दिल्ली
7. शारजाह
8. कोलकाता
9. ग्वाटेमाला सिटी
10. मुंबई

देश की वायु रक्षा प्रणाली मजबूत करने पर ध्यान दें : राजनाथ सिंह

भाषा। नयी दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायु सेना की अभियानगत तैयारियां बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सेना के शीर्ष कमांडरों से गुरुवार को कहा कि वे तेजी से बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति की समीक्षा करें और भारत के संदर्भ में उसका आकलन करें. सिंह ने भारतीय वायुसेना कमांडरों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बल के शीर्ष अधिकारियों से भारत की वायु रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने और ड्रोन के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने को कहा. उन्होंने कहा कि हवाई युद्ध के क्षेत्र में नए चलन सामने आ रहे हैं. ऐसा माना जा रहा है कि कमांडर हमास-इजराइल संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध में विभिन्न हवाई मंचों के उपयोग का व्यापक विश्लेषण कर रहे हैं. सिंह ने यहां सम्मेलन में कमांडरों से कहा, वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के कारण नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं. हमें उनसे निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए. वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी और अन्य कमांडर चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा पर सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा कर रहे हैं. सिंह ने अपने संबोधन में अभियानगत तैयारियों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और तीनों सेवाओं द्वारा अभियानों की मिलकर योजना बनाने तथा उनका कार्यान्वयन करने के महत्व को रेखांकित किया.

इजराइली सेना के हमले जारी

एजेंसी। राफाह (गाजा पट्टी)

खास बातें

- सैनिकों और टैंकों ने उत्तरी गाजा में जमीनी हमला किया
- युद्ध में 6,500 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हुई है

इजराइली सैनिकों और टैंकों ने गुरुवार को उत्तरी गाजा में थोड़ी देर के लिए जमीनी हमला किया. सेना ने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय के विनाशकारी हवाई हमलों के बाद एक व्यापक संभावित जमीनी आक्रमण के मद्देनजर युद्धक्षेत्र तैयार करने के लिए कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया. यह हमला ऐसे वक्त में किया गया है जब संयुक्त राष्ट्र ने आगाह किया है कि गाजा पट्टी में ईंधन खत्म होने की कगार पर है, जिससे उसे क्षेत्र में राहत प्रयास को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. इजराइल-फिलिस्तीन के दशकों से चल आ रहे संघर्ष में गाजा में अभी हो रहा खूनखराबा अभूतपूर्व है. अगर इजराइल हमास के खात्मे के उद्देश्य से जमीनी आक्रमण शुरू करता है तो गाजा में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है.

हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पिछले 24 घंटे में 750 से अधिक लोगों की मौत हो गयी जो एक दिन पहले मारे गए 704 लोगों की संख्या से अधिक है. इजराइली सेना ने कहा कि उसने केवल आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया है और उसने हमास पर घनी आबादी वाले गाजा में नागरिकों के बीच रहकर अभियान चलाने का आरोप लगाया. युद्ध शुरू होने के बाद से ही फिलिस्तीनी आतंकवादियों ने इजराइल में रॉकेट हमले किए हैं. सेना ने बताया कि रातभर किए हमलों के दौरान सैनिकों ने हमास लड़ाकों, आतंकवादी ठिकानों और टैंक रोधी मिसाइल लॉन्चिंग स्थलों पर हमले किए. अभी किसी भी पक्ष ने हताहतों की जानकारी नहीं दी है. इस बीच, गुरुवार सुबह दक्षिणी शहर खान यूनिस में एक आवासीय इमारत पर हवाई हमला किया गया. स्थानीय लोगों ने बताया कि इस इमारत में 25 विस्थापितों समेत 75 लोग रहते थे.

इंद्र सेना ने राज्यपाल के रूप में शपथ ली

अगरतला। इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने गुरुवार को त्रिपुरा के 20वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली. यहां राजभवन में आयोजित समारोह में त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने उन्हें शपथ दिलाई. राज्यपाल के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री माणिक साहा, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी और मुख्य सचिव जे.के सिन्हा भी मौजूद थे. शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने कहा, त्रिपुरा के राज्यपाल के रूप में जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद देता हूं. मैं त्रिपुरा के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दूंगा.

'सबकी संप्रभुता का सम्मान करें'

भाषा। बिश्केक (किर्गिस्तान)

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन पर कटाक्ष करते हुए गुरुवार को कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का सख्ती से पालन करते हुए, एक-दूसरे की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करके और आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित करते हुए क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए. जयशंकर ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब वह किर्गिस्तान के बिश्केक में एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद के 22वें सत्र को संबोधित कर रहे थे. विदेश मंत्री ने कहा, एससीओ को अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का सख्ती से पालन करते हुए एक-दूसरे की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करके, आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित करके क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए. उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में मध्य एशियाई राष्ट्रों के हितों की केंद्रीयता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. बीजिंग, पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है.

एससीओ सत्र

- अंतरराष्ट्रीय कानून का सख्ती से पालन करें
- एससीओ देश के 22वें सत्र को किया संबोधित

विवाद : कांग्रेस कार्यालय पर लगे बैनर पर उत्तरप्रदेश में 'इंडिया' के दलों में मची खलबली

राहुल को 2024 का पीएम बताया, सपा का पलटवार

भाषा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के एक कार्यकर्ता द्वारा पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को देश का 'भावी प्रधानमंत्री' बताने वाला बैनर लगाए जाने के बाद लखनऊ में एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने भी पार्टी दफ्तर के सामने ऐसी ही एक होर्डिंग लगा दी है. इसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को 'वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री' और 2027 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को 'राज्य का मुख्यमंत्री' बनाने का आह्वान किया गया है. पिछले सोमवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को देश का 'भावी प्रधानमंत्री' बताने वाला एक बड़ा बैनर पार्टी कार्यालय के बाहर दिखाई दिया था, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई थी. सत्तारूढ़ भाजपा ने इसे यादव के सहयोगियों के 'मुंगेरी लाल के हसीन सपने' और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अन्य सदस्यों पर दबाव बनाने का प्रयास बताया.

इसके बाद गुरुवार को कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय के बाहर पार्टी कार्यकर्ता नितांत सिंह नितिन द्वारा लगाए गए होर्डिंग में राहुल गांधी और अजय राय की तस्वीरों के साथ लिखा है, '2024 में राहुल, 2027 में राय, देश-प्रदेश बोल रहा है, हाथ के साथ आएं.' नितिन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह कार्यकर्ताओं की भावना है. साथ ही आम लोग भी कांग्रेस के साथ आना चाहते हैं.

खास बातें

- पीएम और सीएम पद को लेकर सपा नेता चिढ़ गए
- उत्तरप्रदेश में विपक्षी गठबंधन में अनबन नजर आ रही है

कांग्रेस और भाजपा दोनों एक ही हैं : हसन

सपा कार्यालय के सामने पोस्टर लगाने वाले पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता फखरुल हसन 'चांद' ने कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा लगायी गयी होर्डिंग पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, कांग्रेस और भाजपा दोनों एक ही हैं और समाजवादी लंबे समय से यह बात कह रहे हैं. कोई भी पार्टी पोस्टर लगा सकती है। यह उसकी भावनाएं हो सकती हैं. उन्होंने कहा, पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों की लड़ाई सपा ही लड़ रही है. कांग्रेस चाहे जितने पोस्टर लगा ले पर जनता सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को ही पीएम बनाना चाहती है.

लक्खी पूजा की तैयारी...

कोजागरी पूजा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने के लिए समर्पित है. शरद पूर्णिमा के दिन कोजागरी पूजा को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है. इस माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा और व्रत किया जाता है. इस वर्ष 28 अक्टूबर को पूजा हो रही है. कोलकाता में तैयारी जोरों पर.

राजस्थान : गहलोत की योजनाएं बनाम पीएम नरेंद्र मोदी का चेहरा?

देवेंद्र शास्त्री

लम्बे समय बाद राजस्थान में कांग्रेस सरकार रीपीट करने के ख्वाब देख रही है. और यह सपना सच हो सकता है. तीसरे विकल्प के अभाव में प्रदेश की जनता एक बार फिर से कांग्रेस को मौका दे दे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए. पंजाब चुनाव के बाद राजस्थान में बदलाव की हवा बड़ी तेजी से चली. लोगों को लगा, आम आदमी पार्टी विकल्प देगी, लेकिन वो बुरी तरह विफल रही. कांग्रेस ने इस मौके का फायदा उठाया और वो सारी टेस्टेड सुविधाएं, छूट और योजनाएं घोषित कर दीं, जिनके बूते आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और फिर पंजाब में सरकारें बनाईं. जीरो बिजली बिल, 25 लाख तक का इलाज फ्री (राइट टू हेल्थ), महिलाओं को स्मार्ट फोन, महिलाओं को बस किराये में छूट, गैस सिलंडर पांच सौ रुपये में जैसी घोषणाओं ने अशोक गहलोत सरकार के प्रति जनता की नाराजगी को काफी हद तक कम कर दिया है. भाजपा इन घोषणाओं की आलोचना करती नजर आती है. कांग्रेस के लिए प्रचार का यह माहौल फायदे का सौदा साबित हो रहा है. हालांकि स्थानीय स्तर पर विधायकों के खिलाफ नाराजगी काफी है. पर लगता है कांग्रेस ने लोकप्रिय घोषणाओं के सहारे लोगों की नाराजगी और गहलोत-पायलट विवाद को काफी हद तक निष्प्रभावी बना दिया है.

विधानसभा चुनाव 2019

पार्टी	सीटें जीतीं	वोट %
कांग्रेस	100	39.30
भाजपा	73	38.77
बसपा	6	4.00
रालोपा	3	2.4
माकपा	2	1.20
बीटीपी	2	0.70
रालोद	1	0.30
निर्दलीय	13	9.50
नोटा		1.30

वैसे एंटी इंकम्बेंसी का असर कम होने के कई और भी कारण हैं. राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी और कांग्रेस का ग्राफ बढ़ रहा है और नरेंद्र मोदी का करिश्मा कमजोर पड़ रहा है. लोगों के बीच जा कर इस बदलाव को महसूस किया जा सकता है. इधर भारतीय जनता पार्टी गुटबाजी का बुरी तरह शिकार बन चुकी है. वसुंधरा राजे को केंद्रीय नेतृत्व हटा कर नए लोगों को आगे लाना चाहता है. इस स्थिति का खामियाजा पार्टी को उठाना पड़ रहा है. मोदी-शाह ने पहली सूची में वसुंधरा समर्थकों के टिकट काटे, लेकिन आगे की सूचियों में डैमेज कंट्रोल पर जाना पड़ा. भारतीय जनता पार्टी के लिए राजस्थान जैसे प्रदेश में जहां नंबर एक व नंबर दो के नेताओं को अंगूठा दिखाया जा रहा हो, वहां भितरघात का खतरा हमेशा बना रहेगा.

प्रदेश के 13 जिलों में बिजली, पानी और सिंचाई के जरिये कायापलट करनेवाली के लिहाज से प्रस्तावित ईआरसीपी योजना को भी अशोक गहलोत ने चुनावी मुद्दा बना दिया है. हालांकि यह मुद्दा भाजपा के पक्ष में होना चाहिए था, लेकिन अशोक गहलोत लगातार केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते आ रहे हैं. कांग्रेस पूर्वी जिलों में अपनी स्थिति मजबूत बना रही है. इसी तरह नए जिले बनाने की राजनीति को भी गहलोत ने बड़ी चतुराई से इस्तेमाल किया है. 33 जिलों के राजस्थान में अब कुल 53 जिले हो गये हैं. लंबे समय से चली आ रही जिलों की मांग को दिल खोल कर पूरा किया गया. इसका लाभ कांग्रेस को मिलेगा.

अशोक गहलोत ने राजनीति के गणित का जोड़ बाकी, गुणा, भाग तो सही कर लिया है. लेकिन असल लड़ाई उनको पार्टी के भीतर टिकट बंटवारे की लड़नी है. वो भी आला कमान के साथ. जिन मंत्रियों ने कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व के आदेशों की अवहेलना की थी, उनको टिकट दिलवाना अशोक गहलोत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है. उन निर्दलीय और बीएसपी से आये विधायकों को टिकट दे दिया गया है, जिन्होंने कांग्रेस सरकार को सहयोग दिया, लेकिन विधायक दल की बैठक बुलाने में आला कमान की अवहेलना करने वाले नेताओं को टिकट दिए जाने के सवाल पर खुद सोनिया गांधी ने नकारात्मक टिप्पणी कर दी है.

हालांकि लगता यही है कि कांग्रेस आलाकमान कोई न कोई बीच का रास्ता निकालेगा ताकि अशोक गहलोत की राजनीतिक चौसर न उलट जाए. लेकिन आला कमान उससे पहले अपना वर्चस्व स्वीकार कराएगा. सचिन पायलट के लगभग सभी समर्थक विधायकों और नेताओं को टिकट दे कर पार्टी आलाकमान ने साफ संदेश दे दिया कि वह चुनाव के बाद सचिन पायलट की भूमिका अभी से मजबूत कर देना चाहती है. पायलट खेमा संतुष्ट नजर आ रहा है. पर अशोक गहलोत और उनके कट्टर सहयोगियों में से तीन प्रमुख नेताओं का टिकट कट सकता है. ऐसे में कांग्रेस में कोई भगदड़ मचेगी, यह सोचना तो गलत होगा लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच एक संदेश साफ हो जाएगा कि आने वाला समय बदलाव का हो सकता है. पर कांग्रेस आला कमान को बहुत सावधानी से अपने पत्ते चलने होंगे. वरना भाजपा किसी भी स्तर पर लंगड़ी मार सकती है. खास कर चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस असल मुद्दों पर जनता के मूड को बनाये रखती है तो सफलता की सीढ़ी मिल जाएगी. वरना नरेंद्र मोदी और अमित शाह हिंदू-मुसलमान कर के प्रचार की धार को कुंद कर सकते हैं.

भारतीय जनता पार्टी लगातार कानून व्यवस्था, पेपर लीक, तुष्टिकरण जैसे सवाल खड़े कर रही है. पर जनता पर उसका कोई खास असर नहीं पड़ा है. लेकिन पैसे की ताकत से भाजपा अपने नेताओं की सभाएं और रैलियां प्रभावी तरीके से आयोजित कर रही है. भीड़ देख कर एक तबका है जो वोट देने का फैसला करता है. पर यह व्यवस्था सरकार बनाने जैसी जीत सुनिश्चित नहीं करती. भाजपा को घोषणा पत्र में भी कुछ करिश्माई वादे करने होंगे. हालांकि भाजपा के वादे पर राजस्थान की जनता ज्यादा विश्वास नहीं करती. वैसे भी भाजपा का स्थानीय कोई चेहरा प्रोजेक्ट नहीं किया गया है. कमल का फूल और मोदी जी के चेहरे पर वोट मांगे जा रहे हैं. भाजपा के अपने पारंपरिक वोट बैंक के लिए तो यह ठीक है, लेकिन बाकी जनता कांग्रेस की रेवड़ियों के मुकाबले भाजपा के वादों को कितना वजन देगी, यह देखना दिलचस्प होगा.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

छत्तीसगढ़ : आदिवासी वोटों पर टिकी हैं सबकी निगाहें

शुभम संदेश नेटवर्क। रायपुर

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने हैं और सरकार बनाने में आदिवासी मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए राज्य के राजनीतिक दलों ने आदिवासी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश शुरू कर दी है. छत्तीसगढ़ में माना जाता है कि लगभग 32 फीसदी जनसंख्या वाले आदिवासी समुदाय के आशीर्वाद के बगैर राज्य में सरकार बनाना मुश्किल है.

राज्य में अब तक हुए विधानसभा चुनाव में जिस भी दल को आदिवासियों का साथ मिला है उसे सत्ता मिली है. 2018 के चुनाव में आदिवासी सीटों पर हार का सामना करने वाली भाजपा इस बार के चुनाव में आदिवासियों का समर्थन पाने की कोशिश में है. चुनाव विशेषज्ञों के मुताबिक, आदिवासी क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा की हालिया रैलियां और आदिवासी इलाकों से पार्टी की दो परिवर्तन यात्राओं की शुरूआत को आदिवासियों को लुभाने के लिए भाजपा के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है.

90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा में 29 सीटें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं. वर्ष 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों में से 25 सीटें जीती थीं और सरकार बनाई थी. पार्टी को उम्मीद है कि सरकार की योजनाओं के कारण उसे एक बार फिर आदिवासियों का समर्थन हासिल होगा.

चुनाव विश्लेषक आर कृष्णा दास कहते हैं, "आदिवासी मतदाता राज्य में सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. वर्ष 2000 में राज्य बनने के बाद 2003 में छत्तीसगढ़ में हुए पहले चुनाव में भाजपा उन आदिवासियों के बीच गहरी पैठ बनाने में कामयाब रही जो कभी कांग्रेस के कट्टर समर्थक माने जाते थे. लेकिन अगले चुनावों में भाजपा उन पर पकड़ खोती गई."

दास ने कहा, "सत्ता विरोधी लहर के अलावा, भाजपा के शीर्ष आदिवासी नेताओं और उनके क्षेत्र के स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय की कमी तथा लंबे समय से चले आ रहे वामपंथी उग्रवाद के कारण पार्टी को आदिवासी क्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ा."

राज्य में वर्ष 2003 में हुए पहले विधानसभा चुनाव के दौरान 90 सदस्यीय सदन में 34 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित थीं. भाजपा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को हराकर इनमें से 25 सीटें जीती थी. भाजपा को तब 50 सीटें मिली थी. वहीं कांग्रेस को नौ आदिवासी सीटों पर जीत मिली थी. राज्य में परिसीमन के बाद आदिवासी सीटों की संख्या 29 हो गई. 2008 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 29 में से 19 सीटें जीती और एक बार फिर 50 सीटें जीतकर सरकार बनाई. इस चुनाव में कांग्रेस को 10 आदिवासी सीटों पर जीत मिली थी.

2013 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी वोट कांग्रेस के पाले में च गए और कांग्रेस को 29 एसटी सीटों में से 18 पर जीत मिली. हालांकि इसके बाद भी कांग्रेस सरकार नहीं बना सकी. कांग्रेस की संख्या 39 तक ही सीमित रहीं और भाजपा ने 11 आदिवासी सीटें जीतकर 49 विधायकों के साथ तीसरी बार सरकार बनाई. 2018 में कांग्रेस ने रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 15 साल के शासन को समाप्त करते हुए 90 सदस्यीय विधानसभा में 68 सीटें जीतकर शानदार जीत दर्ज की. भाजपा को 15 सीटें, जेसीसी (जे) और बसपा को क्रमशः पांच और दो सीटें मिलीं.

2018 में 29 अजजा सीटों में से कांग्रेस ने 25, भाजपा ने तीन और जेसीसी (जे) ने एक सीट जीती. बाद में कांग्रेस ने उपचुनावों में दो और अजजा आरक्षित सीट-दंतेवाड़ा और मरवाही जीत ली. दास ने कहा कि राज्य में सत्ता में वापस आने के लिए भाजपा आदिवासी सीटों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इस बार अपने पुराने नेताओं को मैदान में उतारा है. भाजपा ने अब तक 86 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें सभी 29 एसटी सीटें भी शामिल हैं. राज्य के छह पूर्व मंत्री भाजपा के प्रमुख उम्मीदवारों में से हैं, जिनमें एक मौजूदा विधायक, दो वर्तमान लोकसभा सांसद- जिनमें एक केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व केंद्रीय मंत्री, तीन पूर्व विधायक, एक पूर्व आईएएस अधिकारी हैं जो हाल ही में अपनी सेवा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं. छत्तीसगढ़ में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है भाजपा के स्टार प्रचारकों ने राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों का दौरा करना शुरू कर दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने इस महीने बस्तर क्षेत्र में पार्टी की रैलियों को संबोधित किया था.

फिर गुल खिलाएगी बघेल की फसल ऋण माफी घोषणा !

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस बार सत्ता में आने पर फिर से फसल ऋण माफ करने की घोषणा की है. पिछले विधानसभा चुनाव में कर्ज माफी का वादा कांग्रेस के लिए गेम चेंजर साबित हुआ था और पार्टी 15 साल के अंतराल के बाद छत्तीसगढ़ में सत्ता में आई थी. लेकिन इससे राज्य सरकार पर 7200 करोड़ रु का बोझ पड़ा था.इस बार भी बघेल ने ट्वीटर पर घोषणा की है कि राज्य में कांग्रेस सत्ता में आती है, तो किसानों के फसल ऋण माफ कर देगी.

गौरतलब है कि 2.06 करोड़ मतदाताओं वाले छत्तीसगढ़ में करीब 36 लाख किसान परिवार हैं.

राज्य की कांग्रेस सरकार ने इस वर्ग को पिछले पांच साल से लगातार अपने फोकस में रखा है. किसानों की निश्चित आय सुनिश्चित करने के लिए राजीव गांधी न्याय योजना लागू की गई है. इनपुट सब्सिडी योजना के तहत किसानों से 2,500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी भी की जा रही है. इस बार बघेल ने किसानों से प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदने का भी वादा किया है. अभी किसानों से प्रति एकड़ 16 क्विंटल धान खरीद हो रही है. इसके अलावा, गौठान योजना के तहत किसानों से 2 रुपये किलो गोबर की सरकारी खरीद भी की जा रही है.

मुख्यमंत्री की घोषणा से भाजपा परेशान है. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने धान खरीदी योजना का श्रेय राज्य में 15 साल मुख्यमंत्री रहे भाजपा नेता डॉ. रमन सिंह को देते हुए कहा कि भूपेश बघेल सरकार द्वारा लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाएं भ्रष्टाचार से घिरी हुई हैं. पैसा हड़पने के लिए गाय के गोबर के नाम पर मिट्टी एकत्र की जा रही है.

मप्र : कई सीटों पर रिश्तेदारों के बीच मुकाबला

शुभम संदेश नेटवर्क। भोपाल

मध्यप्रदेश की कुछ विधानसभा सीटों पर अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक ही परिवार के सदस्यों के बीच चुनावी लड़ाई देखने को मिल सकती है. सत्तारूढ़ भाजपा व विपक्षी कांग्रेस ने सत्ता की तलाश में रिश्तेदारों को टिकट देकर एक-दूसरे के मुकाबले में खड़ा कर दिया है. प्रदेश की 230 सीटों के लिए 17 नवंबर के चुनाव में भाई, चाचा-भतीजा, देवर-भाभी, समधि सहित निकट व दूर के रिश्तेदार आमने-सामने खड़े हैं.

पूर्व विस अध्यक्ष और नर्मदापुरम से भाजपा उम्मीदवार सीताशरण शर्मा का मुकाबला उनके भाई गिरिजाशंकर शर्मा से है, जो कांग्रेस उम्मीदवार हैं. भाजपा के पूर्व विधायक गिरिजाशंकर शर्मा ने हाल ही में पार्टी बदल ली. सत्तारूढ़ दल ने टिकट देने से इनकार किया, तो कांग्रेस में शामिल हो गए. सागर सीट पर कांग्रेस की निधि सुनील जैन का मुकाबला अपने जेठ और मौजूदा भाजपा विधायक शैलेन्द्र जैन से है.

विधानसभा चुनाव 2018

पार्टी	सीटें जीतीं	वोट %
कांग्रेस	114	40.89
भाजपा	109	41.02
बसपा	2	5.01
सपा	1	1.30
निर्दलीय	4	5.82
नोटा		1.42

निधि जैन, शैलेंद्र जैन के छोटे भाई और देवरी से कांग्रेस के पूर्व विधायक सुनील जैन की पत्नी हैं. इसी तरह रीवा जिले के देवतालाब में कांग्रेस ने पद्मेश गौतम को भाजपा विधायक और वर्तमान विस अध्यक्ष गिरीश गौतम के खिलाफ मैदान में उतारा है, गिरीश गौतम पद्मेश के चाचा हैं. पद्मेश गौतम ने इससे पहले पंचायत चुनाव में मौजूदा विधायक के बेटे राहुल गौतम को हराया था. एक अन्य अंतर पारिवारिक चुनावी लड़ाई में मौजूदा भाजपा विधायक व पार्टी उम्मीदवार संजय शाह हरदा जिले के टिमरनी में अपने भतीजे कांग्रेस के अभिजीत शाह के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं.

अभिजीत दूसरी बार अपने चाचा के खिलाफ मैदान में हैं. ग्वालियर जिले के डबरा में भाजपा की पूर्व राज्यमंत्री इमरती देवी अपने रिश्तेदार और कांग्रेस विधायक सुरेश राजे से मुकाबला कर रही हैं. उनकी भतीजी की शादी राजे परिवार में हुई है. इन सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ रिश्तेदारों को मैदान में उतारने के बारे में पूछे जाने पर प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने एक न्यूज एजेंसी से कहा कि मध्यप्रदेश भाजपा के लिए एक परिवार है. पार्टी कार्यकर्ता इस परिवार का हिस्सा हैं. पार्टी उपयुक्त कार्यकर्ता को मैदान में उतारने के बारे में निर्णय करती है.

चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस एक वंशवादी पार्टी है, जहां सभी प्रमुख निर्णय एक परिवार द्वारा लिए जाते हैं, जबकि भाजपा कैडर आधारित संगठन है. रिश्तेदार बनाम रिश्तेदारों की चुनावी लड़ाई के बारे में पूछे जाने पर मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने इसे महज संयोग बताया. कहा कि अलग-अलग विचारधारा वाले लोग एक छत के नीचे रह सकते हैं. यही लोकतंत्र की खूबसूरती है. तो यह संयोग चुनावी मैदान में भी हो सकता है.

वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडे ने कहा कि यह विचारधाराओं की लड़ाई नहीं है, बल्कि सत्ता व पद पाने की लड़ाई है. राजनीति नई दिशा में जा रही है. शर्मा भाई (सीताशरण व गिरिजाशंकर) नर्मदापुरम में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं. भाजपा विधायक थे उन्हें टिकट नहीं दिया गया , तो दूसरी पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं. इसी तरह सागर, टिमरनी और देवतालाब में भी परिवार के करीबी सदस्य एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

ग्राफिक डिजाइनर की पढ़ाई कर बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर/रजनीश प्रसाद

ग्राफिक डिजाइन और ग्राफिक आर्ट इंडस्ट्री के प्रोफेशनल को ग्राफिक डिजाइनर कहा जाता है, जो इमेज, टाइपोग्राफी और मोशन ग्राफिक का उपयोग साथ में करके ग्राफिक डिजाइनिंग करते हैं. एक ग्राफिक डिजाइनर मुख्य रूप से प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे ब्रोशर और विज्ञापन के लिए ग्राफिक बनाते हैं. ग्राफिक डिजाइनर कभी-कभी टाइपसेटिंग, चित्रण, यूजर इंटरफेस और वेब डिजाइन पर भी काम करते हैं.

क्या करते हैं ग्राफिक डिजाइन

- इलस्ट्रेशन, फोटो एडिटिंग और लेआउट सॉफ्टवेयर का उपयोग कर डिजाइन बनाना.
- वेबसाइट, लोगो, संकेत, किताबें, पत्रिका कवर, वार्षिक रिपोर्ट, विज्ञापन और सोशल मीडिया पोस्ट के लिए कलर्स, इमेज, टाइपोग्राफी और लेआउट का चयन करना.
- कस्टमर रिव्यू के लिए ड्राफ्ट तैयार करना और प्राप्त फीडबैक के आधार पर गलतियों को ठीक करना.
- किसी प्रोजेक्ट के विभिन्न चरणों जैसे मार्केटिंग, सेल्स और बिजनेस ऑपरेशंस में टीम के अन्य सदस्यों का सहयोग करना.
- पब्लिश होने से पहले डिजाइन को रिव्यू करना.
- किसी ब्लॉग, वेबसाइट, यूट्यूब चैनल, फेसबुक या बैनर के लिए ग्राफिक डिजाइन करना.
- किसी कंपनी के लिए पोस्टर, विज्ञापन और पैकिंग डिजाइन इत्यादि तैयार करता है.
- किसी भी प्रकार की मार्केटिंग करने में ग्राफिक का उपयोग करना.

ग्राफिक डिजाइनर के प्रकार

- ब्रांड पहचान और लोगो डिजाइन
- पैकेजिंग डिजाइन
- वेब और मोबाइल डिजाइन
- लेआउट और प्रिंट डिजाइन

ऑनलाइन कोर्सेज

- विजुअल एंड ग्राफिक डिजाइनिंग बाई एलिसन
- इलेस्ट्रेशन एंड डिजाइनिंग कोर्स
- इंट्रोडक्शन टू ग्राफिक डिजाइनिंग बाइ उर्मी
- ग्राफिक डिजाइन सिक्स बाइ सिक्सर्स
- लर्न एडोब फोटोशॉप फ्रॉम स्ट्रेच बाई उर्मी
- एडोब सर्टिफाइड ऑनलाइन ग्राफिक डिजाइनिंग कोर्स बाई साव एकेडमी
- ग्राफिक डिजाइनिंग कोर्स बाई एमआईटी ओपन कोर्स
- केनवा डिजाइनिंग स्कूल सौकर्स
- फंडामेंटल्स ऑफ क्रिएटिव डिजाइनिंग बाई कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट
- इंट्रोडक्शन टू फोटोग्राफी बाई कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ आर्ट

बैचलर्स कोर्स

- बीएफए इन ग्राफिक डिजाइनिंग
- बी डेस इन ग्राफिक डिजाइन
- बी डेस इन विजुअल कम्युनिकेशन एंड ग्राफिक्स
- बीएससी इन डाटा वियुव लाइजेशन
- बीए (ऑनर्स) ग्राफिक डिजाइन
- बीए (ऑनर्स) इन ग्राफिक एंड कम्युनिकेशन डिजाइन

सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्सेज

- डिप्लोमा इन वेब एंड ग्राफिक डिजाइनिंग
- सर्टिफिकेट इन आर्ट एंड डिजाइनिंग
- सर्टिफिकेट इन ग्राफिक्स एंड वेब डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन ग्राफिक डिजाइनिंग
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन इनफार्मेशन आर्किटेक्चर एंड डिजाइन

ग्राफिक डिजाइनिंग के कोर्स

ग्राफ़िक डिजाइन एक क्रिएटिव कॅरियर विकल्प है. ग्राफिक डिजाइनिंग में कॅरियर बनाने के लिए छात्र के पास एडोब इलस्ट्रेटर, एडोब फोटोशॉप, एडोब इन डिजाइन, क्वार्क एक्सप्रेस, कोरल ड्रॉ जैसे डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर की अच्छी समझ का होना बहुत ही जरूरी है. ऐसे कई डिप्लोमा/सर्टिफिकेट/ऑनलाइन कोर्सेज और बैचलर डिग्री कोर्स हैं, जिसके जरिए छात्र ग्राफिक डिजाइनिंग की पढ़ाई कर सकते हैं. 12वीं के बाद आप ग्राफिक डिजाइनिंग में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर इस क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं. इसमें सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर बैचलर और पीएचडी कोर्स तक उपलब्ध हैं. इन कोर्स की फीस 20 हजार से लेकर लाखों रुपये तक हो सकती है. आजकल अनेक कॉलेज और यूनिवर्सिटी में ग्राफिक डिजाइनिंग से संबंधित कोर्स कराये जा रहे हैं.

एंट्रेंस एग्जाम

- नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर
- कॉमन एंट्रेस एग्जाम फॉर डिजाइन
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइनिंग एंट्रेंस टेस्ट
- ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग
- एनआईएफटी एंट्रेंस एग्जाम

मास्टर डिग्री कोर्स

- एमए इन ग्राफिक डिजाइन
- एमए इन कम्युनिकेशन डिजाइन एंड इनफॉर्मेशन डिजाइन एंड इनफॉर्मेशन डिजाइन पाथ्वे
- एमएएए इन ग्राफिक डिजाइन
- मास्टर्स इन इनफार्मेशन डिजाइन एंड स्ट्रेटेजी

कैसे बनें ग्राफिक डिजाइनर

एक सफल ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए आपके भीतर कुछ खास क्वालिटिज का होनी चाहिए, क्योंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सिर्फ टेक्निकल बारीकियां सिख लेने से काम नहीं बन सकता है, बल्कि इसमें आपकी क्रिएटिविटी, कलात्मक क्षमता, अभ्यास और अनुभव आपको सफल बनाती है. यदि आप आर्ट या चित्रकारी में दिलचस्पी रखते हैं और इस क्षेत्र में ही अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो ग्राफ़िक डिजाइनिंग को चुनना आपके लिए एक अच्छा निर्णय साबित हो सकता है. ग्राफिक डिजाइनर बनने की दिशा में सबसे पहले आपको ड्राइंग का अभ्यास करना चाहिए और क्रिएटिविटी के साथ हमेशा कुछ नया बनाने की कोशिश करनी चाहिए. अपने लिए छोटे प्रोजेक्ट्स तैयार कर उनकी प्रैक्टिस करनी चाहिए जहां पर अपनी ड्राइंग या डिजाइन के माध्यम से आप दूसरों को कोई मैसेज दे रहे हों, या किसी चीज के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहें हो. ये कुछ छोटे स्टेप्स हैं, जो आपको डिजाइनिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ाते हैं. यदि ऊपर बताई गई इन एक्टिविटिज को आप करते हैं, तो आगे आपको ग्राफिक डिजाइनिंग में ही डिपलोमा कोर्स या डिग्री करनी चाहिए, ताकि आप ग्राफिक डिजाइनिंग के बेसिक को समझ सकें और डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर में काम कर अपनी कला और हुनर को सॉफ्टवेयर की मदद से और अधिक डेवलप कर सकें. यदि ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए आवश्यक शिक्षा की बात करें तो 12वी पास होना अनिवार्य है, जिसके बाद आप ग्राफिक डिजाइनिंग में डिप्लोमा कर सकते हैं, और अपने कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं. लेकिन यदि भविष्य में आपको अच्छी ग्रोथ करनी है, तो आपको बैचलर डिग्री लेनी होगी, ताकि आने वाली अवसर को ग्रहण करने के लिए आपके सामने किसी प्रकार की बाधा न हो.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)